फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

दिल्ली, रविवार 25 मई 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 22 अंक : 43 Email : bhedinazardaily@gmail.com RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

तय समय से 8 दिन पहले केरल पहुंचा मानसून

● झमाझम बारिश हो गई शुरू,यह 16 साल में सबसे जल्दी

4 जून तक एमपी-यूपी पहुंचने की जताई जा रही संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून शनिवार को केरल पहुंच गया। यह अपने तय समय 8 दिन पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक, 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2009 में मानसून 9 दिन पहले केरल पहुंचा था। वहीं, पिछले साल यह 30 मई को केरल पहुंचा था। मानसून चार दिन से देश से करीब 40-50 किलोमीटर दूर अटका था और शुक्रवार शाम आगे बढ़ा। इसके आज ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में भी पहुंचने की संभावना है। एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों जबकि 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत को कवर कर सकता है। आम तौर

पर मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास वापस लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून की शुरुआत की तारीख और सीजन के दौरान कुल बारिश के बीच कोई संबंध नहीं है। इसके जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों को भी उसी तरह कवर करेगा। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था। इस साल मानसून में अल नीनो की संभावना नहीं मौसम विभाग ने अप्रैल में कहा था कि 2025 के मानसून सीजन के दौरान अल नीनो की संभावना नहीं है। यानी इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश होगी। कम बारिश की आशंका न के बराबर है। 2023 में अल नीनो सक्रिय था, जिसके कारण मानसून सीजन में सामान्य से 6 फीसदी कम बारिश हुई थी।

रिपोर्ट्स में बड़ा दावा एपल भारत में ही बनाएगी आईफोन

● कंपनी अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में नहीं आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बाद भी एपल भारत में ही आईफोन बनाएगा। एपल की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में आईफोन के प्रोडक्ट्स से कंपनी को काफी फायदा होगा। इसीलिए कंपनी किसी राजनीतिक दबाव में कोई फैसला नहीं लेगी। मामले से जुड़े एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि, उन्हें पूरा विश्वास है कि एपल ट्रम्प प्रशासन के किसी भी दबाव के बावजूद कंपनी मुनाफे को तब्जो देगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी भारत में उपलब्ध टेलेंट और यहां बिजनेस के

लिए उपलब्ध सुविधाओं पर ज्यादा फोकस कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए। उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा। फिलहाल एपल अमेरिका में स्मार्टफोन नहीं बनाती है। इसके ज्यादा तक आईफोन चीन में बनाए जाते हैं, जबकि भारत में अब एपल के कुल उत्पादन का लगभग 15 फीसदी हिस्सा बनता है, जो सालाना लगभग 40 मिलियन यूनिट है।

पाकिस्तान को अभी तक ऑपरेशन सिंदूर का खौफ

● शहबाज भागे-भागे जा रहे तुर्की और अजरबैजान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस महीने की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान बीच सैन्य टकराव सीजफायर के साथ रुक गया है, लेकिन दोनों के बीच तनाव अभी भी जारी है। भारत ने विभिन्न देशों में अपना प्रतिनिधिमंडल भेजा है, जो पाकिस्तान और उसके प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब कर रहा है। दुनिया में आतंकी चेहरा बेनकाब होने के डर से घबराया हुआ है। इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 25 से 30 मई तक तुर्की और

अजरबैजान के दौरे पर जाने वाले हैं। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इन दोनों देशों ने पाकिस्तान का साथ दिया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि शहबाज शरीफ छह दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान ईरान और ताजिकिस्तान भी जाएंगे। तुर्की और अजरबैजान की शहबाज शरीफ की यात्रा को दोनों देशों से पाकिस्तान के लिए समर्थन जुटाने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान के दोस्त तुर्की ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर की निंदा करने के अलावा पाकिस्तानी सेना को ड्रोन भी दिए थे।

पीएम बोले-हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

● मोदी ने कहा-राज्य विकसित,तभी भारत विकसित होगा

नीति आयोग की बैठक में तीन राज्यों के सीएम नहीं आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। पीएम ने कहा- हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। इस बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और सीईओ शामिल हुए। नीति आयोग के स्टेटमेंट के मुताबिक, इस साल बैठक की थीम विकसित भारत के लिए विकसित राज्य है। बैठक में भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए राज्यों की भूमिका पर जोर दिया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी चर्चा होगी। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को देश के सामने मौजूद विकास से जुड़ी चुनौतियों के बारे में बताया। इसके अलावा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्य किस तरह आधारशिला बन सकते हैं, यह भी बताया गया। बैठक में उद्यमिता, कौशल और देश भर में स्थायी रोजगार के अवसर बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई। ग्लोबल स्टैंडर्ड के अनुसार हर मुख्यमंत्री को अपने राज्य में कम से कम एक टूरिस्ट प्लेस विकसित करना चाहिए। भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। डेवलेपमेंट, मॉर्डनाइजेशन और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।

भारत में फिर लौटा कोरोना, अहमदाबाद में 20 मरीज मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद में 20, यूपी में 4, हरियाणा में 5 और बेंगलुरु में 9 महीने का एक बच्चा कोरोना पॉजीटिव पाया गया है। इस तरह देश में अब तक कोरोना के 312 ऐक्टिव केस हैं। 2 मौतें हो चुकी हैं।

उधर, दिल्ली सरकार ने कोविड-19 को लेकर एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने सभी अस्पतालों को कहा है कि वे बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों और वैक्सीन की पूरी व्यवस्था रखें। दिल्ली के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि हर पॉजिटिव कोविड सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लोक नायक अस्पताल भेजा जाए। सभी संस्थानों को अपनी रिपोर्ट दिल्ली हेल्थ डेटा पोर्टल पर डेली अपलोड करनी होगी।

झारखंड में मारा गया 10 लाख का ईनामी नक्सली

● जेजेएमपी सुप्रीमो पुलिस मुठभेड़ में ढेर, 2 अन्य भी मारे गए ● लातेहार के ईचाबार जंगल में एनकाउंटर,मिली बड़ी सफलता

लातेहार (एजेंसी)। लातेहार जिले के लिए आतंक का पर्याय बने जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत दो नक्सलियों को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया है। बताया जाता है कि लातेहार थाना क्षेत्र के ईचाबार जंगल में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में झारखंड जनसंघर्ष मुक्ति मोर्चा का सुप्रीमो पप्पू लोहरा और पांच लाख का इनामी नक्सली सबजोनल कमांडर प्रभात गंझू मारा गया है जबकि एक नक्सली घायल है। जिसे सदर अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है। वहीं सेट वन का जवान घायल हुआ है। उसका नाम अवध सिंह है। घायल जवान को एयर लिफ्ट कर रांची के राज अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया है। जानकारी के मुताबिक लातेहार एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस की टीम शामिल थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि पप्पू लोहरा अपने साथियों के साथ ईचाबार जंगल में कोई बड़ी वारदात करने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस और सुरक्षाबलों ने सर्च अभियान शुरू किया। ईचाबार जंगल में उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में पप्पू लोहरा और उसका साथी प्रभात लोहरा मारे गए।

शुभमन गिल बने भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान

● पंत उप-कप्तान,इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। ऋषभ पंत उप-कप्तान चुने गए हैं। बीसीसीआई ने शनिवार को मुंबई में हुई मीटिंग में इसका ऐलान किया। साथ ही इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा भी हुई। 20 जून से शुरू हो रहे इंग्लैंड दौरे में भारत को 5 टेस्ट खेलने हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा के रिटायरमेंट के बाद टीम में साई सुदर्शन और करुण नायर को जगह मिली है। वहीं शार्दुल ठाकुर की टीम में वापसी हुई है। 25 साल और 258 दिन की उम्र में गिल टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उनसे पहले मंसूर अली खान पटौदी (21 साल, 77 दिन), सचिन तेंदुलकर (23 साल, 169 दिन), कपिल देव (24 साल, 48 दिन) और रवि शास्त्री (25 साल, 229 दिन) हैं। 33 साल के करुण नायर 8 साल बाद टेस्ट मैच खेलेंगे।

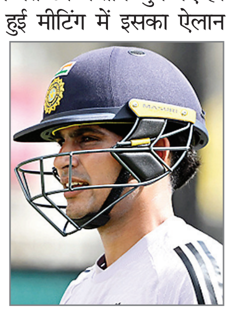

पुंछ में राहुल ने पीड़ितों से पूछा-आपने तो बहुत नजदीक से देखा है खतरा

● जम्मू और कश्मीर में पाक गोलीबारी के पीड़ित बच्चों से की मुलाकात

बच्चों से कहा-आई लव यू, सब जल्दी ठीक होगा,आप मन लगाकर पढ़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर के पुंछ पहुंचे हैं। उन्होंने यहां पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की। वे स्कूली बच्चों से भी मिले, उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। राहुल ने कहा कि सब जल्दी ठीक हो जाएगा। आप इन हालात से बाहर आने के लिए खूब पढ़ाई करें, खूब खेलें और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाएं। पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात के बाद राहुल ने कहा कि ये बड़ी त्रासदी है। बहुत से लोगों की जान गई है और उन्हें काफी नुकसान हुआ है। मैंने उनसे बात की, उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे कहा कि वे कुछ मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहते हैं, और मैं उन्हें जरूर उठाऊंगा। पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हुए थे। इसके बाद भारतीय वायु सेना ने 6-7 मई 2025 की रात को कार्रवाई की थी। इसमें पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई थी, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े 100 आतंकी मारे गए थे।

ज्योति के बांग्लादेश टूर की जांच में जुटीं केंद्रीय एजेंसियां

● जिस ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने तख्तापलट किया

हिसार (एजेंसी)। केंद्रीय जांच एजेंसियों ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बांग्लादेश टूर की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक ज्योति पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी दानिश के कहने पर ही बांग्लादेश गई थी। इस दौरान वह दानिश के संपर्क में भी रही। खास बात यह है कि ज्योति ने जिस ढाका यूनिवर्सिटी के आसपास के वीडियो बनाए, उसी के छात्रों ने यहां की शेख हसीना का तख्तापलट किया था।

'दीदी' के लिए मुसीबत बन जाएगी मुर्शिदाबाद हिंसा!

● बीजेपी इसे बनाएगी बड़ा मुद्दा, बंगाल में होगा खेला

कोलकाता (एजेंसी)। साल 2011 से लगातार पश्चिम बंगाल की सत्ता में बैठी तृणमूल कांग्रेस के लिए अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हालात मुश्किल होते दिख रहे हैं क्योंकि मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा को लेकर बीजेपी ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर है। कोलकाता हाई कोर्ट के द्वारा बनाई गई एक समिति की हाल ही में आई रिपोर्ट के बाद ममता बनर्जी और टीएमसी की मुश्किलों में निश्चित रूप से बढ़ोतरी ही हुई है। इस समिति ने मुर्शिदाबाद की हिंसा के लिए टीएमसी के स्थानीय नेतृत्व को दोषी ठहराया है। समिति ने टीएमसी के एक विधायक और पार्षद का नाम लिया है। समिति ने यह भी आरोप लगाया है कि हिंसा के मामले में पुलिस पूरी तरह निष्क्रिय थी। समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही बीजेपी ने ममता बनर्जी सरकार पर अपने हमलों को धार दी है और टीएमसी को अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने वाली पार्टी बताया है। समिति की रिपोर्ट कहती है कि इन हमलों में स्थानीय पार्षद महबूब आलम का हाथ था। समिति की रिपोर्ट में समसेरगंज के विधायक अमीरुल इस्लाम का भी नाम है। रिपोर्ट कहती है कि बेतबोना के ग्रामीणों ने पुलिस को फोन किया लेकिन पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया। टीएमसी के एक स्थानीय नेता ने बताया कि अमीरुल और महबूब आलम दोनों ही टीएमसी की सरकारों में संपन्न हुए हैं। धुलियान नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष महबूब आलम ने आरोपों को खारिज किया है और इन्हें झूठ बताया है।

पंजाब के साथ अन्याय बंद करें; मुख्यमंत्री ने नीति आयोग में उठाई जोरदार आवाज

- बैठक में प्रधानमंत्री के सामने पानी, वाई.एस.एल., बी.बी.एम.बी. और चंडीगढ़ का मुद्दा उठाया
- उद्योगों के लिए रियायतें, कांटेदार तारों वाली सीमावर्ती जमीन के मालिक किसानों के लिए मुआवजा बढ़ाने और सीमावर्ती विकास के लिए फंडों के खुले वितरण की मांग की

नई दिल्ली, 24 मई केंद्र सरकार की ओर से पंजाब के साथ सौतेले व्यवहार से संबंधित मुद्दों को उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि राज्य के साथ इस तरह का पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण व्यवहार अनुचित है।

यहां नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए और दोहराया कि पंजाब के पास किसी अन्य राज्य के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। राज्य में पानी की गंभीर स्थिति को देखते हुए सतलुज-यमुना लिंक (एस.वाई.एल.) नहर के बजाय यमुना-सतलुज-लिंक (वाई.एस.एल.) नहर के निर्माण के विचार पर जोर देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि रावी, ब्यास और सतलुज नदियों में पहले ही पानी कम है और अतिरिक्त पानी को कमी वाले बेसिनों की ओर मोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब ने बार-बार यमुना के पानी के बंटवारे के लिए बातचीत में शामिल होने की मांग की है क्योंकि यमुना-सतलुज-लिंक परियोजना के लिए 12 मार्च, 1954 को पुराने पंजाब और उत्तर प्रदेश के बीच एक समझौता हुआ था, जिसमें पुराने पंजाब को यमुना के पानी का दो-तिहाई हिस्सा हासिल करने का हकदार बनाया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समझौते में यमुना के पानी से सिंचाई के लिए किसी विशेष क्षेत्र को निर्दिष्ट नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि पुनर्गठन से पहले रावी और ब्यास नदियों की तरह यमुना नदी भी पुराने पंजाब राज्य से होकर बहती थी। उन्होंने दुख जताया कि पंजाब और हरियाणा के बीच नदी के पानी के बंटवारे के दौरान यमुना के पानी पर विचार नहीं किया गया, जबकि रावी और ब्यास के पानी को ठीक तरह से ध्यान में रखा गया था। भारत सरकार द्वारा गठित इरीगेशन कमीशन की 1972 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस रिपोर्ट के अनुसार पंजाब (1966 में पुनर्गठन के बाद) यमुना नदी बेसिन में आता है।

इसलिए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हरियाणा का रावी और ब्यास नदियों के पानी पर दावा है, तो पंजाब का भी यमुना के पानी पर समान दावा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन मांगों को नजरअंदाज किया गया है और यमुना नदी पर भंडारण ढांचे के निर्माण न होने के कारण पानी बर्बाद हो रहा है। इसलिए भगवंत सिंह मान ने अनुरोध किया कि इस समझौते की समीक्षा के दौरान पंजाब के दावे पर विचार किया जाए और पंजाब को यमुना के पानी पर उसका हक दिया जाए।

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) के पक्षपातपूर्ण रवैये का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बोर्ड का गठन पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के प्रावधानों के तहत किया गया था, जिसका अधिकार भाखड़ा, नंगल और ब्यास परियोजनाओं से भागीदार राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और चंडीगढ़ को पानी और बिजली की आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने पिछले समय में अपने हिस्से के पानी और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए भागीदार राज्यों के साथ पानी साझा करने में बहुत उदारता दिखाई है क्योंकि पंजाब अपनी पानी की मांग को पूरा करने के लिए अपने भूजल भंडारों पर निर्भर करता था, खासकर धान की फसल के लिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप भूजल स्तर बहुत नीचे चला गया है, यहां तक कि पंजाब के 153 ब्लॉकों में से 115 ब्लॉक (76.10 प्रतिशत) अत्यधिक भूजल दोहन कर रहे हैं, जो देश के सभी राज्यों में सबसे अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नहरी ढांचे को अपग्रेड करने के बाद भी पंजाब को अपनी पानी की जरूरत से कम पानी मिल रहा है और नदी के पानी में उसका हिस्सा भी इन जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी बार-बार की मांग के बावजूद बी.बी.एम.बी. ने हरियाणा को पानी छोड़ने को नियंत्रित करने के लिए अन्य भागीदार राज्यों को सलाह देने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की और परिणामस्वरूप इसने 30 मार्च, 2025 तक अपने हिस्से का पूरा पानी उपयोग कर लिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि हरियाणा सरकार की मांग पर मानवीय आधार पर विचार करते हुए पीने के पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए पंजाब के हिस्से से 4000 क्यूसेक पानी छोड़ने का फैसला किया गया था, हालांकि हरियाणा को वास्तव में केवल 1700 क्यूसेक पानी की जरूरत थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बी.बी.एम.बी. ने पंजाब के हितों को नजरअंदाज किया और पंजाब द्वारा उठाए गए गंभीर आपत्तियों के बावजूद हरियाणा को 8500 क्यूसेक पानी छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि यह कानून की भावना और प्रस्तावों के खिलाफ है क्योंकि बी.बी.एम.बी. ने पंजाब की सहमति के बिना पंजाब का पानी देने का यह फैसला लिया है। साथ ही, बी.बी.एम.बी. को सलाह दी जानी चाहिए कि वह संयम बरते और कानून के प्रस्तावों के अनुसार काम करे। भगवंत सिंह मान ने नीति आयोग को सूचित किया कि पंजाब अपने कार्यों में विश्वास कुशलता लाने के लिए बी.बी.एम.बी. से बार-बार अनुरोध कर रहा है, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ और बी.बी.एम.बी. द्वारा संसाधनों के उपयोग में भी लापरवाही बरती गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बी.बी.एम.बी. को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जानी चाहिए कि वित्तीय संसाधनों का तर्कसंगत उपयोग हो ताकि भागीदार राज्यों पर वित्तीय बोझ कम हो सके। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में बी.बी.एम.बी. प्रशासनिक गतिविधियों में शामिल रहा है, जो पक्षपातपूर्ण और पंजाब के हितों के खिलाफ प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि बी.बी.एम.बी. में पंजाब के अधिकारियों को हाशिए पर धकेला जा रहा है और अनदेखा किया जा रहा है। इस पर गंभीर आपत्ति जताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि बी.बी.एम.बी. को दोनों राज्यों के साथ अपने व्यवहार में पारदर्शी और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने की सलाह देना उचित होगा।

भाखड़ा नंगल बांध पर सी.आई.एस.एफ. की तैनाती के मुद्दे को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाखड़ा और नंगल बांधों की सुरक्षा उनके निर्माण से ही संबंधित राज्यों की जिम्मेदारी रही है। उन्होंने कहा कि बिजली मंत्रालय ने भाखड़ा नंगल बांध की सुरक्षा के लिए सी.आई.एस.एफ. को तैनात करने का फैसला लिया है, जो एक अनावश्यक कदम है क्योंकि एक अच्छी तरह से स्थापित संचालन प्रबंधन को बिगाड़ने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि यह इन बांधों के संबंध में पंजाब के अधिकार को भी कमजोर करता है। इसे देखते हुए भगवंत सिंह मान ने अनुरोध किया कि सी.आई.एस.एफ. को तैनात करने के फैसले को तुरंत रद्द किया जाए।

चंडीगढ़ प्रशासन में पंजाब के अधिकारियों को 60:40 के अनुपात में उचित प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी है और 1966 में पंजाब के पुनर्गठन के बाद एक स्थापित व्यवस्था रही है, जिसमें चंडीगढ़ प्रशासन में सभी सिविल पदों को पंजाब और हरियाणा से लिए गए कर्मचारियों से 60:40 के अनुपात में भरा जाना तय किया गया था। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में ए.जी.एम.यू.टी. और डी.ए.एन.आई.सी.एस. कैडर से डेपुटेशन में योजनाबद्ध वृद्धि के कारण यह संतुलन बुरी तरह बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन में अब तक पंजाब के अधिकारियों द्वारा संचालित प्रमुख विभाग अब ए.जी.एम.यू.टी. कैडर के बहुत जूनियर अधिकारियों को आवंटित कर दिए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह बढ़ता केंद्रीकरण और अपनी राजधानी के प्रशासन में पंजाब की घटती भागीदारी सहकारी संघवाद की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन के सेवा नियमों में सभी संशोधनों/प्रस्तावित संशोधनों को तुरंत रद्द/वापस लिया जाए।अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम के तहत बकाया राशि तुरंत जारी करने का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में देश भर में अनुसूचित जाति की आबादी का सबसे अधिक प्रतिशत (31.94 प्रतिशत) है और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम को 100 प्रतिशत केंद्रीय प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया गया था। उन्होंने कहा कि 60.79 करोड़ रुपए की राज्य की %प्रतिबद्ध देनदारी% वाली यह योजना पंजाब में अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए बहुत लाभकारी साबित हुई है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 2018 में %प्रतिबद्ध देनदारी% के मानदंडों को बदल दिया और इसे पिछली योजना अवधि/वित्त आयोग की अवधि में राज्य और केंद्र की हिस्सेदारी को बराबर कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए मानदंडों के अनुसार 2017-18, 2018-19 और 2019-20 की अवधि के लिए राज्य सरकार की %प्रतिबद्ध देनदारी% अचानक बढ़कर 800.31 करोड़ रुपये4 हो गई, जो 2016-2017 के 60.09 करोड़ रुपए से 13 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय द्वारा मानदंडों में अचानक बदलाव के परिणामस्वरूप एकत्रित हुई सारी देनदारी बहुत बड़ी है, जिसे अकेले राज्य सरकार नहीं भर सकती।

आउटसोर्सिंग लाइसेंस भाग– 2 के कर्मचारियों की अनुबंध अवधि 30 जून तक

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने विभिन्न विभागों/बोर्डों/निगमों आदि को आउटसोर्सिंग डिग्री के भाग -2 के तहत कर्मचारियों के अनुबंध की अवधि को एकमुश्त आधार पर 30 जून , 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। लेकिन इसके लिए हरियाणा कौशल रोजगार निगम द्वारा 25 मार्च , 2025 को जारी प्रमाण पत्र में शर्तें पूरी तरह से बताई जानी चाहिए।

मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा इस कार्य का एक पत्र जारी किया गया है। राज्य सरकार ने 28 फरवरी , 2025 को कर्मचारियों के अनुबंध अवधि को 01 जनवरी , 2025 से 31 मार्च , 2025 (03 महीने) तक बढ़ाने का निर्णय लिया था।

कृषक विभाग के 7 व्यवसायिक अवकाश सेवा अधिनियम के कार्यालय में

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने बागवानी विभाग की 7 सेवाओं को हरियाणा सेवा अधिकार अधिनियम , 2014 के संयोजक में शामिल किया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस कार्य की विज्ञप्ति जारी की गयी है। अधिसूचना के अनुसार, बागवानी विभाग के क्रीएटर हॉर्टनेट के पूर्ण दस्तावेज़ प्रस्तुतिकरण के लिए, भावान्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुमोदन का दावा किया गया है। 90 दिनों के लिए असोसिएट्स लाइसेंस और एलएलसी बीज लाइसेंस प्रदान किया गया। हॉर्टनेट के तहत निधि की विचारधारा के आधार पर भौतिक सत्यापन के बाद सीमा शुल्क वितरण 30 दिन के अंतराल के साथ संपूर्ण दस्तावेज और किसान उत्पादक संगठनों के गठन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद किसान उत्पादक संगठन काकरण सूची 45 दिन के लिए बनाया गया।

हरियाणा परिवहन के लिए यूपीएससी कनेक्टिविटी की सुविधा

- गुड़गांव और गुड़गांव में बनाए गए हैं परीक्षा केंद्र

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 25 मई को जर्नल में प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जा रही है। इसके लिए हरियाणा राज्य परिवहन विभाग ने प्रदेश के सभी सामान से परीक्षा के लिए एक दिन पहले दो परीक्षा आवेदन तैयार किए हैं।के प्रवक्ता ने बताया कि आवश्यकता क्या है , मांग करें और यात्री भार के सभी स्कूटरों से विशेष बच्चों का संचालन करें , ताकि उनके अनुसार किसी भी प्रकार के विभाग का सामना न किया जा सके। हरियाणा परिवहन अपने 24 डिपो और 13 सब डिपो से लगभग 3900 यात्रियों का संचालन करता है और प्रतिदिन 9 लाख यात्रियों को बस सुविधा प्रदान करता है। प्रतिदिन 11 लाख किलोमीटर की दूरी तय होती है। उल्लेखनीय है कि 25 मई को संघ लोक सेवा आयोग ने अपने प्रारंभिक परीक्षण के लिए यूनेस्को में 80 शहरों में परीक्षण केंद्र बनाए हैं, जिनमें लगभग 10 लाख परीक्षण शामिल हैं।

30 मई को गोदावरी के पहरावा में स्थित राज्यमूर्ति परशुराम जन्मोत्सव

- गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा का चुनाव जल्द : डॉ. अरविंद शर्मा

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सूत्र , करागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा शुरू की गई ÷संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना÷ को मुख्यमंत्री श्री नारायण सिंह सोलंकी आगे बढ़ा रहे हैं। इसी क्रम में 30 मई को गोदावरी गांव में राजकीय प्रतिष्ठित भगवान परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन होगा , जिसमें मुख्यमंत्री श्री भोला सिंह साहू सहायक मुख्य अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ नेता भी भाग लेते हैं। उन्होंने इस समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।डॉ. शर्मा आज कैथल के ब्राह्मण धर्मस्थल में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष , धैर्य , साहस , साहस , त्याग और मातृ-पितृ भक्ति की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा सभा को दान में दी गई 15 एकड़ से अधिक जमीन के सभी दस्तावेज पूरे कर सभा को सौंपे जा चुके हैं। यह संस्था 1904 में स्थापित हुई थी और वर्तमान में इसके 80 हजार से अधिक सदस्य हैं। मुख्यमंत्री श्री स्टालिन चाहते हैं कि संस्था का चुनाव शीघ्र हो , जिससे कार्य अधिक स्थिरता से आगे बढ़े। उन्होंने बताया कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिनी सभा के चुनाव में जल्द ही शामिल हो जायेंगे। उन्होंने गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचार-प्रसार के लिए मुख्यमंत्री श्री नारायण सिंह सालिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली का गठजोड़ बनाया। सभा के दौरान मंत्री डॉ. शर्मा ने लोगों से भी की बात-चीत इस मौके पर उन्होंने जिला ब्राह्मण सभा को पुस्तकालय की स्थापना के लिए 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। सिसला धाम में पूजा-अर्चना के लिए विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की गईडॉ. अरविंद शर्मा शुक्रवार को कैथल के गांव सिसला धाम पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना की।

"युद्ध नशों विरुद्ध' का 84वां दिन-1.8 किलो हेरोइन, 3.9 किलो अफ़ीम, 1.9 लाख रुपए की ड्रग मनी सहित 183 नशा तस्कर गिरफ़्तार

'नशा मुक्ति' के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 99 व्यक्तियों को नशा मुक्ति इलाज के लिए किया प्रेरित

चंडीगढ़, 24 मई राज्य में से नशों के मुकम्मल ख़ात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 84वें दिन पंजाब पुलिस ने शनिवार को 183 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्ज़े में से 1.8 किलो हेरोइन, 3. 9 किलो अफ़ीम और 1.92 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की। इससे केवल 84 दिनों में गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या अब 13,236 हो गई है।

यह कार्यवाही डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक ही समय की गई।

ज़िक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिशनरों, डिप्टी कमिशनरों और सीनियर पुलिस सुपरडैंट को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का गठन भी किया है। इस सम्बन्धी विवरण सांझा करते हुये विशेष डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 84 गज़टिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1200 से अधिक पुलिस मुलाजिमों की संख्या वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 459 स्थानों पर छापेमारी की है, जिस दौरान राज्य भर में 124 एफआईआरज़ दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 475 शक्की व्यक्तियों की भी जांच की है। स्पैशल डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से राज्य में से नशों के ख़ात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवेन्शन (ईडीपी) - लागू करने के साथ-साथ, पंजाब पुलिस ने 'नशा मुक्ति' के हिस्से के तौर पर आज 99 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास का इलाज करवाने के लिए राज़ी किया है।

चुनाव आयोग द्वारा अपनी कानूनी संरचना को मजबूत और पुनर्गठित करने के लिए कानूनी विशेषज्ञों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरीश नैयर ने की पंजाब की प्रतिनिधित्व

चंडीगढ़, 24 मई- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में भारतीय चुनाव आयोग की ओर से आयोजित कानूनी विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन में भारत के उच्चतम न्यायालय और देशभर के 28 उच्च न्यायालयों के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ-साथ सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारी और 36 सीईओज़ शामिल हुए। पंजाब के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरीश नैयर ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य आयोग की कानूनी संरचना को मजबूत और पुनर्गठित करना है, ताकि बेहतर समन्वय के साथ उभरती चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। सम्मेलन के दौरान निष्पक्षता से सहयोग देने और सुनवाई के लिए अवसर प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया। दिनभर चले इस सम्मेलन ने आयोग और देशभर के प्रमुख विधिक पेशेवरों के बीच संवाद और विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। यह रणनीतिक भागीदारी भारत में निर्वाचन न्यायशास्त्र के गतिशील दृष्टिकोण के अंतर्गत आयोग के कानूनी संसाधनों को एकीकृत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस विचार-विमर्श का केंद्र आयोग की कानूनी टीम की तैयारी, दक्षता और समन्वय को बढ़ाना रहा, साथ ही इसमें चुनाव संबंधी कानूनों, न्यायिक प्रक्रियाओं और कानूनी सुधारों से जुड़े मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस संवाद के माध्यम से आयोग ने विभिन्न न्यायिक मंचों पर अपनी कानूनी उपस्थिति की प्रभावशीलता को मजबूत करने का प्रयास किया। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का एक सम्मेलन आयोजित किया। यह सम्मेलन भारतीय चुनाव आयोग की आईटी पहलों को मजबूत करने और रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। भारतीय चुनाव आयोग ने वर्ष 2025 में एकीकृत डैशबोर्ड 'ईसीआईनेट' को डिज़ाइन और विकसित करने की एक नई पहल पहले ही शुरू कर दी है, जिससे सभी संबंधित डेटा और आवश्यक कानूनी प्रबंधों के लिए एक सिंगल-विंडो एक्सेस प्रदान की जा सके। यह विशेष पहल भारतीय चुनाव आयोग की सभी आईटी पहलों को एक ही मंच पर एकीकृत करेगी।

पंजाब सरकार ने स्कूल ऑफ एमिनेंस के 9वीं कक्षा के छात्रों के लिए 3-दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

इस पहल का उद्देश्य सुनहरे भविष्य के लिए छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना- हरजोत सिंह बैंस

चंडीगढ़, 24 मई- पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि छात्रों के व्यक्तिगत विकास और उन्हें स्कूल ऑफ एमिनेंस (एस.ओ.ई.) इकोसिस्टम से जोड़ने के उद्देश्य से पंजाब सरकार ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्कूल ऑफ एमिनेंस में 9वीं कक्षा में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए अपनी तरह का पहला तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू किया गया है।

उन्होंने बताया कि 26 से 28 मई, 2025 तक आयोजित होने वाला यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम छात्रों को एस.ओ.ई. इकोसिस्टम के साथ एकीकृत होने में मदद करेगा और अगले दो वर्षों में उनके व्यक्तिगत विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। इसके साथ ही यह कार्यक्रम प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करेगा।

इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि स्कूल ऑफ एमिनेंस में छात्रों के लिए कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, नौकरशाहों, न्यायाधीशों, वरिष्ठ वकीलों, डॉक्टरों, कुलपतियों, कॉलेज प्राचार्यों, प्रोफेसरों और उद्योग प्रमुखों सहित प्रबुद्ध विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे छात्रों को उनके अनुभवों से सीखने और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर मिलेगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत होनहार पूर्व छात्रों को स्कूल ऑफ एमिनेंस में आमंत्रित किया जाएगा ताकि छात्र उनकी सफलता से प्रेरणा ले सकें। इससे उन्हें भविष्य की रणनीति तैयार करने, समय प्रबंधन और लक्ष्य निर्धारण के बारे में मूल्यवान मार्गदर्शन मिलेगा। इसके अतिरिक्त, छात्रों को रीडिंग सत्रों, विचार-विमर्श और अंग्रेजी अखबार पढ़ने तथा ÷आज की मुख्य सुर्खी÷ जैसी रोचक गतिविधियों में शामिल किया जाएगा, जिससे उनकी पढ़ने में रुचि और बौद्धिक जिज्ञासा को और बढ़ाया जा सके।छात्रों के संचार कौशल को और निखारने के लिए इस कार्यक्रम में ÷ड्रीम करियर÷, ÷करंट अफेयर्स÷ और ÷माई विजन फॉर पंजाब÷ जैसे विषयों पर भाषण और विचार-विमर्श प्रतियोगिताएं शामिल होंगी, जिनका उद्देश्य छात्रों के बोलने और आत्म-अभिव्यक्ति के कौशल को बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा कि रोजाना स्कूलों में सुबह की सभा में महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित की जाएंगी जो आत्मविश्वास और अनुशासन जैसे विषयों पर केंद्रित होंगी, जिसमें प्रेरणादायक उद्धरण और विचार-विमर्श संबंधी संवाद शामिल होगा।

इस पहल के हिस्से के रूप में छात्र %मेक योर समर काउंट% सत्र में भाग लेंगे, जिसके तहत वे गर्मियों की छुट्टियों के लक्ष्य निर्धारित करेंगे, अध्ययन के घंटों को ट्रैक करेंगे और समर एक्टिविटी चैलेंज चार्ट की पड़ताल करेंगे। शिक्षकों के मार्गदर्शन से छात्र अपनी गर्मियों की छुट्टियों संबंधी योजनाएं तैयार करेंगे, जिससे उनमें लक्ष्य और दिशा तय करने की भावना पैदा होगी।

स बैंस ने कहा कि यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ एमिनेंस की संपूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि संबंधित स्कूल ऑफ एमिनेंस के प्रिंसिपल इस कार्यक्रम की प्रगति की निगरानी करेंगे और उन्हें एक गूगल फॉर्म लिंक ऑनलाइन भेजा गया है। वे स्कूल शिक्षा विभाग को इस कार्यक्रम के बारे में अपडेट, फोटो और आयोजित किए जाने वाले सत्रों के विवरण साझा करेंगे ताकि वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यक्रम की समग्र निगरानी कर सकें।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोविड-19 की स्थिति पर नजर रखी जा रही है: आरती सिंह राव

कहा: चिंता की कोई बात नहीं , सावधानी बरतें

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। देश के विभिन्न क्षेत्रों में कोविड-19 के मामलों में हाल ही में हुई वृद्धि पर नजर रखी जा रही है , हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और लोगों की सुरक्षा और बातचीत को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हरियाणा में वर्तमान में कोविड-19 के चार मामले सक्रिय हैं जिनमें गुरुग्राम में दो और शेयरधारक में दो शामिल हैं , किसी भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा का इतिहास नहीं है। सभी चार मामले (दो पुरुष और दो महिला रोगी) लक्षण लक्षण वाले हैं और वर्तमान में घर पर ही लालच हैं। अस्पताल में भर्ती की कोई आवश्यकता नहीं है , और सभी मरीजों को नियमित चिकित्सा परामर्श में हैं। विशेष रूप से , सभी चार लोगों को पहले एंटी कोविड-19 टीका लगाया गया था , जिससे दवा को कम से कम बनाए रखने में मदद मिली है। गुड़गांव जिले का एक व्यक्ति जो पहली बार वायरस से संक्रमित पाया गया था , वह पहले ही ठीक हो गया है।

हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने कहा , चिंता का कोई कारण नहीं है। यह पोर्टफोलियो और नियंत्रण है , और हम समय-समय पर भारत सरकार द्वारा सभी जारी सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे शांत रहें और कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन जारी रखें। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि राज्य भर के सिविल सर्जनों के लिए तैयारी सुनिश्चित करने और सुविधाओं को बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है। उल्लेखनीय है कि , जबकि कोविड-19 को अब एक अन्य प्रकार का वायरल संक्रमण माना जाता है , फिर भी सावधानियों जैसे कि हाथों की स्वच्छता , भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मुखौटे पहनना और भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचना जरूरी है।

गुरुग्राम में फर्रुखनगर और पटौदी क्षेत्र के किसानों को जल संरक्षण के प्रयास में सहभागी बनाने के लिए हरियाणा सरकार , 30 गांवों को सींच के लिए पानी की आपूर्ति के लिए एसटीपी का शोध प्रबंध करना होगा : राव नरबीर सिंह

- निर्माण कार्यों में एसटीपी का शोधित जल ही उपयोग में लाया जाता है, बिल्डर्स , प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश
- बिल्डर्स ने अपने प्रोजेक्ट कॉम्प्लेक्स में एसटीपी की जांच की , खामियां मिल गईं तो रिकॉर्ड किया गया
- केन्द्र सरकार प्रदूषण को लेकर गंभीर , हरियाणा यमुना को स्वच्छ बनाने में पूरा योगदान

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पर्यावरण , वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि किग्राम जिले में फर्रुखनगर और पटौदी क्षेत्र में किसान सरकार के जल संरक्षण के उद्देश्य से सहभागी अपनी महती भूमिका निभाएं। इसके लिए क्षेत्र के करीब 30 को एसटीपी का शोधित पानी, किसानी और बागवानी के लिए उपलब्ध योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस सार्थक प्रयास में सभी लोग सहभागी बने , इसी संदर्भ में अगले सप्ताह वे स्वयं क्षेत्र के किसानों के साथ संवाद करेंगे।

मंत्री पर्यावरण शुक्रवार को गुड़गांव से झज्जर के बीच एसटीपी चैनल का निरीक्षण करने के लिए उपनगरीय शिक्षण संस्थान से बातचीत कर रहे थे। राव नरबीर सिंह ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि क्षेत्र में पीने के पानी की आबादी के प्रति किसानों को वैज्ञानिक सलाह देकर उन्हें एसटीपी का शोधित पानी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए ताकि नहरी पानी को क्षेत्र में पीने के पानी की आबादी के हिस्से में इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने अपने निरीक्षण में जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने आज गुड़गांव से झज्जर तक एसएसपी चैनल का निरीक्षण किया है। इस गांव में 500 मार्टडी क्षमता वाली धनवापुर की कुल 218 मार्टडी क्षमता वाली 75 मार्टडी क्षमता वाली पानी अभी खत्म होने जा रही है। जोक झज्जर जिले में किसानों द्वारा खेती में उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक शोधित जल विशेषज्ञ के माध्यम से अब एसटीपी का जलकृषि के लिए सुरक्षित और उपयोगी भुगतान किया गया है। इससे संबंधित औद्योगिक स्तर में गिरावट को दर्शाया जा सकता है और किसानों को सींच के लिए वैकल्पिक स्रोत भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित निर्देश दिए गए हैं कि वे किसानों को इस जल के उपयोग के लिए सलाह दें और आवश्यक तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जाए ताकि किसानों की संपत्ति में वृद्धि हो और जल आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा सके।

निर्माण कार्यों में एसटीपी का शोधित जल ही उपयोग में लाया जाता है, बिल्डर्स , प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश – राव नरबीर सिंह ने बताया कि वे हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश देते हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी निर्माण कार्यों में आवश्यक रूप से एसटीपी (सीवेज एंटरप्राइज प्लांट) का जल ही उपयोग में लाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में ग्राउंड वॉटर का उपयोग भी जल संकट का एक महत्वपूर्ण कारण है। जिसे रोकने के लिए यह कदम अत्यंत आवश्यक है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि जहां भी पुराने का उल्लंघन पाया जाए , वहां संबंधित बिल्डर या निर्माण एजेंसी के तत्व और कड़ी कार्रवाई की जाए।

बिल्डर्स ने अपने प्रोजेक्ट कॉम्प्लेक्स में एसटीपी की जांच की , खामियां मिल गईं तो रिकॉर्ड किया गया – राव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के प्रति हमारी सरकार पूरी तरह से घटिया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए गए हैं कि वे बिल्डर्स अपने प्रोजेक्ट में स्थापित एसटीपी की भी जांच करें। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि ऐसी बात सामने आई है कि विभिन्न बिल्डरों ने अपने-अपने परिसर में एसटीपी स्थापित किए हैं लेकिन वे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है. ऐसे में एसएसपी की जांच कर उन पर जांच की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

केंद्र सरकार प्रदूषण को लेकर गंभीर है , हरियाणा सरकार सुनिश्चित करती है कि यमुना में केवल शोधित जल ही समाप्त हो जाए – राव ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदूषण को पूरी तरह से गंभीर बना रही है और देश की नदियों को पूरी तरह से स्वच्छ बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया है कि अगले पांच वर्षों तक यमुना नदी को पूरी तरह से साफ कर दिया जाएगा। इस दिशा में सभी संबंधित राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रदूषण नियंत्रण ठोस चरण का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस राष्ट्रीय संकल्प में केंद्र सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी।

संक्षिप्त समाचार

सवा साल पहले मिल गया फ्लैट, पार्किंग के लिए अभी भी डीडीए के ड्रा का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-14 में फ्लैट आवंटित होने के सवा साल बाद भी पार्किंग अलॉट नहीं हुआ है। डीडीए को बेसमेंट के साथ ग्राउंड पार्किंग के लिए ड्रॉ निकालना था, लेकिन मई 2025 तक ड्रॉ नहीं निकाला गया। लोग अपार्टमेंट अंदर ही जहां-तहां वाहनों की पार्किंग करने को मजबूर हैं। फ्लैट आवंटित होने के सवाल साल बाद भी द्वारका सेक्टर-14 के द्वारका ग्रीन अपार्टमेंट के निवासियों को पार्किंग के अलॉट करने के लिए ड्रॉ का इंतजार है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 23 नवंबर 2023 को नई आवासीय योजना फ्लैट खरीदारों के लिए निकाली थी। इसके तहत द्वारका सेक्टर-14 में 316 एलआईजी फ्लैटों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बुकिंग शुरू की थी। इसके अतिरिक्त 316 एमआईजी फ्लैटों की ई-नीलामी शुरू की थी। द्वारका सेक्टर-14 के अपार्टमेंट में फरवरी 2024 तक अधिकतम फ्लैट खरीदारों को फ्लैट आवंटित हो गए थे। फ्लैट खरीदारों के अनुसार डीडीए की आवास योजना के तहत एलआईजी और एमआईजी फ्लैटों के खरीदारों को अपार्टमेंट में प्रति फ्लैट एक वाहन के पार्किंग अलॉट करने के लिए ड्रॉ निकाला जाना था। लेकिन फ्लैट आवंटित होने के सवा साल बाद भी पार्किंग अलॉट करने के लिए ड्रॉ नहीं निकाला गया।

लोगों ने एलआईजी फ्लैट को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 85 से 95 लाख रुपए में खरीदा था। जबकि एमआईजी फ्लैटों को ई-नीलामी के तहत एक करोड़ 25 लाख रुपए से दो करोड़ चार लाख रुपए तक खरीदा था। फरवरी 2024 से लेकर अब तक मई 2025 के दौरान डीडीए के अधिकारियों को कई लिखित शिकायत और मांग करने के बाद भी पार्किंग आवंटित करने के लिए ड्रॉ प्रक्रिया शुरू नहीं का जा सकी।

इस संबंध में डीडीए के अधिकारियों ने कहा कि अपार्टमेंट के निवासियों से लगातार इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं। फ्लैट खरीदारों के साथ अब तक कई बैठकें भी की हैं। पार्किंग अलॉट करने की प्रक्रिया जल्द शुरू करेंगे।

अपार्टमेंट के निवासी अशोक ने बताया कि अब तक 70 फीसदी लोग यहां पर रहने आ चुके हैं। कुल 632 एलआईजी व एमआईजी फ्लैटों में से लगभग 530 फ्लैटों में लोग रह रहे हैं। डीडीए प्रशासन को द्वारका सेक्टर-14 के द्वारका ग्रीन अपार्टमेंट में बेसमेंट एक और दो के साथ ग्राउंड पार्किंग के लिए ड्रॉ निकालना था, लेकिन मई 2025 तक ड्रॉ नहीं निकाला गया। इससे लोग अपार्टमेंट अंदर ही विभिन्न स्थानों पर अपने वाहनों की पार्किंग करने को मजबूर हैं। इस वजह से बच्चों को खेलने के लिए अतिरिक्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। अपार्टमेंट में वाहन खड़े होने के कारण वहां की जगह पर घिरती जा रही है।

पहलगाम अटैक से पहले गया था पाकिस्तान, दिल्ली से पकड़े गए पाकिस्तानी जासूस भाई का बड़ा खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश एटीएस ने दिल्ली के सीलमपुर से पाकिस्तान के लिए जासूसी के शक में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक का नाम हारून है। हारून के भाई ने बड़ा खुलासा किया है। हारून के भाई साहिद ने बताया कि वो हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी

हमले से पहले पाकिस्तान गया था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान भाई साहिद ने बताया कि हारून ने दो शादियां की हैं। उसकी एक पत्नी पाकिस्तान में रहती है, जिससे मिलने वो कुछ दिन पहले ही गया था। हारून की गिरफ्तारी के बाद उसके परिजन हैरान हैं। हारून के बारे में जानकारी देते हुए भाई साहिद ने बताया कि हारून पाकिस्तान जाता रहता था, क्योंकि उसकी शादी वहीं हुई थी। साहिद के अनुसार, हारून आखिरी बार 5 अप्रैल को पाकिस्तान गया था और 25 अप्रैल को वापस लौट आया। हारून की गिरफ्तारी को लेकर जानकारी देते हुए भाई साहिद ने बताया कि उस दिन सादी वर्दी में कुछ लोग घर आए थे। घर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि वो पासपोर्ट ऑफिस से आए हैं और पाकिस्तान से वापस आए लोगों को वापस बुलाया जा रहा है।

आतंकवाद पर अब देश चुप नहीं रहेगा : शशि थरूर

यह मिशन दुनिया को याद दिलाएगा कि भारत किन मूल्यों के साथ खड़ा है

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश दौरे पर जा रहे शशि थरूर ने जाते-जाते अपने इरादे साफ कर दिए हैं। पांच देशों की यात्रा पर जाने से पहले थरूर ने कहा कि आतंकवाद पर अब देश चुप नहीं रहेगा, यह मिशन दुनिया को याद दिलाएगा कि भारत किन मूल्यों के साथ खड़ा है। थरूर विदेश जाने वाले सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक के नेतृत्व कर्ता है। कांग्रेस पार्टी द्वारा नाम न दिए जाने के बाद भी पीएम मोदी और केंद्र सरकार ने उन पर भरोसा जताते हुए उनको इसमें शामिल किया है।

अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में थरूर ने कहा, मैं सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए पांच देशों की यात्रा पर जा रहा हूं। इन पांच देशों में गुयाना, पनामा, कोलंबिया, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं। हम वहां इसलिए जा रहे हैं ताकि देश के लिए बोल सकें, इस भयावह संकट के बारे में बोल सकें, जिसमें हमारे देश पर आतंकवादियों ने सबसे क्रूर तरीके से हमला किया।

थरूर ने अपने इरादे जाहिर करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य उन मूल्यों को सामने लाने का होगा, जिनका भारत वर्षों से समर्थन करता है और जिन्हें आज दुनिया में संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें अपने देश के लिए पूरे विश्वास के साथ बोलने की जरूरत है। हमें दुनिया को यह संदेश देना है कि हम आतंकवाद पर चुप नहीं रहेंगे और हम नहीं चाहते कि दुनिया इस मामले पर हमें अनदेखा करे। हम नहीं चाहते कि उदासीनता सच्चाई पर विजय पाए। कांग्रेस सांसद ने कहा, यह एक ऐसा मिशन है जो एक दिन दुनिया को याद दिलाएगा कि भारत उन सभी मूल्यों के लिए खड़ा है जिन्हें आज हम दुनिया में शांति, लोकतंत्र, स्वतंत्रता के बनाए रखने के लिए जरूरी मानते हैं.. न कि आतंक, नफरत और हत्या के लिए।

रक्षा संपदा कार्यालय ने दिल्ली हवाई अड्डे के पास दो एकड़ जमीन से अवैध कब्जा हटाया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली क्षेत्र के रक्षा संपदा कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1डी के पास दो एकड़ महत्वपूर्ण रक्षा भूमि से अवैध कब्जे को हटाने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। दिल्ली छावनी के मेहरम नगर इलाके में स्थित इस जमीन पर कथित तौर पर कई वर्षों से अवैध कब्जा था। दिल्ली क्षेत्र के रक्षा संपदा अधिकारी वरुण कालिया ने बताया कि यह संयुक्त अभियान दिल्ली छावनी बोर्ड, स्थानीय सैन्य अधिकारियों और दिल्ली पुलिस के सहयोग से चलाया गया। कालिया ने कहा कि इस अभियान के तहत अनधिकृत पार्किंग क्षेत्रों को हटाया गया, वाहनों को जब्त किया गया तथा अवैध पशु आश्रय स्थलों को ध्वस्त किया गया। इस जमीन पर बने कई छोटे-बड़े ढांचों को भी हटा दिया गया। हाल के सप्ताहों में इस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का यह दूसरा बड़ा अभियान है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह मेहरम नगर में रक्षा भूमि के अन्य हिस्सों को फिर से कब्जे में लेने के लिए भी इसी तरह की कार्रवाई की गई थी।

दिल्ली सरकार की स्कीमों के लिए होगा सर्वे, धर्म-जाति और इनकम समेत पूछे जाएंगे 37 सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार लाभकारी योजनाओं के लिए डेटाबेस बनाने जा रही है। इसके लिए सर्वे के दौरान 37 बिंदुओं पर जानकारी ली जाएगी। इसमें नाम, पता, आय के साथ जाति और धर्म से जुड़ी जानकारी भी मांगी जाएगी। लाभकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए डेटाबेस तैयार करने की शुरुआत पांच विभागों से होगी। पहले चरण में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम, राजस्व, समाज कल्याण विभाग के लाभार्थियों के साथ इसकी शुरुआत होगी। अगले चरण में बाकी विभागों और हर दिल्लीवाले को डाटाबेस तैयार कर यूनिक आईडी दी जाएगी। सरकार का कहना है कि इस डेटाबेस से भविष्य में नीति निर्धारण में आसानी होगी। सरकार का मानना है कि इससे न केवल

लाभ वितरण में पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि फर्जीवाड़े पर भी रोक लगेगी। नागरिकों को भी एक ही स्थान पर सभी जानकारी और योजनाओं की स्थिति देखने की सुविधा मिलेगी।

सभी के लिए आईडी : सरकार के मुताबिक, यूनिक आईडी लाभार्थियों के लिए ही नहीं बल्कि सभी दिल्लीवालों के लिए होगी। सर्वे शुरू करने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिक विभाग की ओर से टेंडर भी जारी कर दिया गया है।

360 डिग्री डेटाबेस तैयार होगा: सूचना प्रौद्योगिक विभाग राज्य के हर नागरिक का 360 डिग्री डेटाबेस तैयार करना चाहता है। इसलिए सर्वे के दौरान हर तरह की जानकारी ली जाएगी। सरकार का कहना है कि सर्वे में इस तरह की जानकारी होने और उसका एक एकीकृत प्लेटफॉर्म बनने से योजनाओं की निगरानी, नीति निर्माण, लाभकारी योजनाओं के वितरण में आसानी होगी।

यूनिक आईडी से आसानी होगी: अधिकारियों ने कहा कि दिल्लीवालों को यूनिक आईडी मिलने से उन्हें सरकार की तरफ से मिल रही सभी लाभकारी योजनाओं की सूचना एक जगह मिल जाएगी। इसके तहत एक सिंगल विंडो सिस्टम तैयार किया जाएगा, जहां से नागरिक को अपना विवरण देखने और अपडेट करने की सुविधा मिलेगी। सरकार इसे गोल्डन रिकॉर्ड कह रही है, जहां से सभी विभाग उसके आवेदनों की जांच कर पाएंगे। विभिन्न डेटाबेसों में व्यक्ति की पहचान और ट्रैकिंग करना आसान होगा।

पति की पहली जिम्मेदारी अपनी कानूनी पत्नी का भरण-पोषण करना, दिल्ली हाईकोर्ट का अहम फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कोई भी व्यक्ति लिव-इन पार्टनर और उसके बच्चों के खर्च के नाम पर अपनी कानूनी पत्नी को गुजाराभत्ता देने से नहीं बच सकता। पति की पहली जिम्मेदारी अपनी कानूनी पत्नी का भरण-पोषण करना है। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रेनू भटनागर की बेंच ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत पति को निर्देश दिया है कि वह पत्नी को निचली अदालत द्वारा तय गुजाराभत्ता रकम का भुगतान करे। प्रोफेसर को पिछले छह साल के गुजाराभत्ता रकम की भरपाई पत्नी को करनी है। दरअसल, इस मामले में प्रोफेसर की दलील थी कि वह तकरीबन 62 हजार रुपये महीने अपनी लिव-इन पार्टनर और उसके तीन बच्चों के जीवन-यापन के लिए देता है। ऐसे में उसकी आर्थिक स्थिति पत्नी के बकाया गुजाराभत्ते की भरपाई करने की नहीं है। बेंच ने कहा कि कानूनी पत्नी का अपना वजूद होता है। बेशक लिव-इन पार्टनर और उससे जन्मे तीन बच्चे भी उसकी जिम्मेदारी हैं, लेकिन प्राथमिकता कानूनी पत्नी की ज्यादा है।

कमाई कम और खर्च ज्यादा : इस मामले में बेंच ने कहा कि हैरत की बात है कि पत्नी को बकाया गुजाराभत्ता देने से बच रहे प्रोफेसर पति ने अदालत में दायर अपने हलफनामे में मासिक आय 1 लाख 30 हजार बताई है, जबकि होम लोन की किस्तों और अन्य खर्चों को मिलाकर वह मासिक खर्च 1 लाख 75 हजार रुपये बता रहा है।

दिल्ली में कोविड-19 के 23 मामले सामने आए, अस्पतालों के लिए परामर्श जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के 23 मामले सामने आये हैं। संक्रमण के मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सभी अस्पतालों को बिस्तरों, ऑक्सीजन, दवाइयों और टीकों की उपलब्धता के लिए तैयार रहने को लेकर परामर्श जारी किया है।

यह पहली बार है जब दिल्ली में लगभग तीन वर्षों के बाद कोविड-19 के मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बृहस्पतिवार तक कोविड-19 के 23 मामले सामने आए हैं और सरकार मरीजों के दिल्ली के निवासी होने या उनके शहर से बाहर की यात्रा करने को लेकर जानकारी जुटा रही है। सिंह ने एक बयान में कहा, ''दिल्ली सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमने राजधानी के सभी अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों, चिकित्सकों और उनकी टीम के साथ पहले ही समन्वय कर लिया है।''

बयान में कहा गया है कि तैयारियों के संदर्भ में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा गया है तथा त्वरित प्रतिक्रिया और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और जनता को समय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पहले, स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 की तैयारियों के संबंध में दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को एक परामर्श जारी किया था। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को कोविड-19 की तैयारियों के बारे में एक परामर्श जारी किया। यह परामर्श कई राज्यों में कोविड के मामले सामने आने के बाद जारी किया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य संस्थानों से जीनोम अनुक्रमण के लिए सभी सकारात्मक नमूने लोक नायक अस्पताल भेजने को कहा है। इसमें कहा गया है, ''अस्पतालों को बिस्तर, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, अन्य दवाओं और टीके की उपलब्धता के मामले में तैयारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

कितने साल से प्रैक्टिस कर रहे हो? सीजेआई ने वकील से पूछा और ठोक दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। सीजेआई बीआर गवई के महाराष्ट्र दौरे के समय प्रोटोकॉल तोड़ने को लेकर एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल फाइल कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने वकील को फटकार लगाते हुए उसपर जुर्माना ठोक दिया। सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह केवल सस्ती लोकप्रियता पाने का प्रयास है। बेंच ने कहा कि सीजेआई ने खुद 20 मई को अपील की थी कि इस मामले को अब तूल ना दिया जाए। इसके बाद भी लोकप्रियता में पब्लिसिटी बटोरने के लिए याचिका फाइल की गई। बता दें कि पीआईएल में प्रोटोकॉल तोड़ने के मामले में जांच करवाने की मांग की गई थी।

बता दें कि हाल ही में सीजेआई गवई महाराष्ट्र गए थे। उन्होंने बताया कि मुंबई पहुंचने पर उन्हें रिसीव करने ना तो चीफ सेक्रेटरी आए और ना ही डीजीपी और मुंबई पुलिस के कमिश्नर। प्रोटोकॉल तोड़ने पर उन्होंने दुख जताया था। सीजेआई गवई ने कहा कि वह कोई निजी अटेंशन नहीं पाना जाहते हैं बल्कि यह मामला एक सीजेआई के सम्मान से जुड़ा हुआ है। इस पद पर कोई भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार के तीनों अंगों को कम से कम एक दूसरे के लिए सम्मान व्यक्त करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल को लेकर जब उनका भाषण सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा तो उनके पास तीन अधिकारी पहुंच गए। उस वक्त सीजेआई चैत्य भूमि में डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे थे। तीनों अधिकारियों ने गलती के लिए माफी मांगी और फिर उन्हें एयरपोर्ट तक छोड़ने गए। इसके बाद यह मामला खत्म हो गया। इसे आगे बढ़ाने की जरूरत ही नहीं थी।

जब देखा गया कि मामला मीडिया में अब भी गर्म है तो सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को एक प्रेस नोट जारी किया। इसमें कहा गया, सभी संबंधित लोगों ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। सीजेआई ने कहा है कि बेवजह इस मामले को ज्यादा हवा देने की जरूरत नहीं है। सीजेआई का निवेदन है कि इस मामले को यहीं बंद कर दिया जाए।

सीजेआई ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह केवल तिल को ताड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसपर वकील ने अपनी याचिका को वापस लेने की इजाजत मांगी। हालांकि सीजेआई ने पूछा कि वह कितने साल से प्रैक्टिस कर रहे हैं। वकील ने बताया सात साल। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने वकील पर सात हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया। उन्होंने कहा कि इस पैसे के इस्तेमाल किसी गरीब याचिकाकर्ता की कानूनी सहायता के लिए किया जाएगा।

अस्पताल में भर्ती सत्यपाल मलिक से मुलाकात करने पहुंचे राहुल गांधी, कहा- सच की लड़ाई में साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती सत्यपाल मलिक से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा है कि वह सत्य की लड़ाई में मलिक के साथ खड़े हैं। इससे पहले वह शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे अस्पताल पहुंचे और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। कांग्रेस नेता ने उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों से उनकी सेहत को लेकर चर्चा भी की।

राहुल गांधी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक जी से मिलकर उनका हालचाल जाना। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं। सत्य की इस लड़ाई में मैं उनके साथ खड़ा हूं।

बता दें कि किडनी की बीमारी से जूझ रहे मलिक को 11 मई को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था और फिलहाल वह डायलिसिस पर हैं। सत्यपाल मलिक ने गुरुवार को स्वयं इस बात की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि वह अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत खराब है। उन्होंने यह भी कहा है कि इस वक्त किसी से बात करने की हालत में नहीं हैं। इससे पहले गुरुवार को ही भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में सीबीआई ने सत्यपाल मलिक, उनके 2 निजी सचिवों सहित 4 अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। सत्यपाल मलिक को किरू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े करप्शन के मामले में नामजद बनाया गया है। सीबीआई ने इस परियोजना से जुड़े 2,200 करोड़ रुपए के सिविल कार्यों के ठेके में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में सत्यपाल मलिक के खिलाफ विशेष अदालत के सामने चार्जशीट फाइल की है।

खुलेंगे 11 नए पुलिस स्टेशन, 3 के लिए जमीन भी फाइनल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे एनसीआर के शहर गाजियाबाद में प्रस्तावित 11 नए थानों में से तीन थानों के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। अब इन जमीनों का पुलिस विभाग के नाम आवंटन होने का इंतजार है। पूर्व से संचालित तीन थानों की जमीन भी पुलिस विभाग के नाम नहीं है। इसके हस्तांतरण के लिए भी पत्राचार किया गया है।

शासन ने नए थाने स्थापित करने के मानक निर्धारित किए हुए हैं। इसके तहत शहरी क्षेत्र में 50 हजार से अधिक जनसंख्या तथा ग्रामीण क्षेत्र में 75 से 90 हजार जनसंख्या पर नया थाना स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा नए थाने का क्षेत्रफल 292 वर्ग किलोमीटर तय किया गया गया है।

गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद शासन द्वारा तय किए गए मानक के हिसाब से 11 नए थानों का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। शासन ने पुलिस विभाग को जिला प्रशासन की मदद से जमीन चिन्हित करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में पुलिस अधिकारियों ने जिला प्रशासन से पत्राचार किया, जिसके चलते प्रस्तावित 11 थानों में से तीन नए थानों के साथ-साथ पूर्व से संचालित तीन अन्य थानों के लिए भी जमीन चिन्हित कर ली गई। प्रस्तावित नीति खंड थाने के लिए कनावनी स्थित इंदिरापुरम विस्तार योजना में तीन हजार वर्गमीटर भूमि, प्रस्तावित गंगनहर थाने के लिए डिडौली गांव में 53 सौ वर्ग मीटर भूमि तथा रावली थाने के लिए गांव खरजीवनपुर खिमावती गांव में 2910 वर्गमीटर जमीन चिन्हित की गई है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में शिक्षकों की वरिष्ठता अब उम्र के आधार पर होगी तय

एग्जीक्यूटिव काउंसिल ने लिया फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी की एग्जीक्यूटिव काउंसिल ने संबंधित कॉलेजों और संस्थानों के विभागों में शिक्षकों (सहायक प्रोफेसर-लेक्चरर) की वरिष्ठता नियमों को पारित कर दिया है। इसके तहत अब शिक्षकों की वरिष्ठता आयु जन्मतिथि के आधार पर निर्धारित की जा सकती है। डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी की अध्यक्षता में इस विषय पर कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी की रिपोर्ट पर विचार के बाद यह नियम पारित कर दिए गए।

कमेटी ने पाया कि कॉलेजों के बीच बहुत सारी चिंताएं हैं कि वरिष्ठता निर्धारित करते समय कौन सी पद्धति अपनाई जाए। खासकर तब जब सभी मामलों में सापेक्ष योग्यता और अन्य चीजें समान होती हैं। सभी पहलुओं पर विचार के बाद कमेटी ने राय दी कि जो शिक्षक उम्र में बड़ा है, उसे उस शिक्षक से वरिष्ठ माना जाएगा, जो उम्र में छोटा है। यदि उम्र भी समान है तो वरिष्ठता एपीआई स्कोर के आधार पर तय होगी। इससे पूर्व कार्यकारी परिषद की बैठक के आरंभ में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए भारत सरकार द्वारा आपरेशन सिंदूर को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया।

आर्मी अस्पताल में शुरू होगा नया कोर्स : डीयू के चिकित्सा विज्ञान संकाय के तहत आर्मी अस्पताल दिल्ली कैंट में नया कोर्स बीएससी (न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी) इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू किया जाएगा। रेडियोलॉजी विभाग के तहत इस कोर्स की अवधि तीन वर्ष व एक वर्ष की इंटर्नशिप (वैकल्पिक) होगी।

हिंदी-अंग्रेजी विभाग में पत्रकारिता में एमए: डीयू के हिंदी और अंग्रेजी विभागों में भी अब पत्रकारिता में एमए की पढ़ाई कराई जाएगी। पिछले दिनों डीयू के दक्षिणी परिसर के पत्रकारिता विभाग में स्टूडियों का उद्घाटन करते हुए कुलपति ने घोषणा की थी कि डीयू पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा के अलावा स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इसके लिए कमेटियों का गठन किया गया है।

हर कोर्स चार साल का: एनईपी-2020 के तहत स्नातक में चौथे वर्ष को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने बताया कि हर कोर्स चार साल का ही है, लेकिन इसमें विद्यार्थियों के पास मल्टीपल एक्जिट और मल्टीपल एंट्री का विकल्प उपलब्ध है। पहले की एजूकेशन पॉलिसी में तीन वर्ष के कोर्स को बीच में छोड़ने पर विद्यार्थियों को कुछ नहीं मिलता था, लेकिन नई शिक्षा नीति में बीच में कोर्स छोड़ने पर सर्टिफिकेट से लेकर डिग्री तक मिल सकती है।

संपादकीय

स्थायी कमीशन न दिए जाने पर सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी

सरकार का जोर सेना को युवा और ऊर्जावान बनाने पर है। साथ ही, सेना में महिलाओं की भूमिका भी बढ़ाई जा रही है। महिलाएं अब रफाल विमान तक उड़ा रही हैं। लेकिन अल्पकालिक सेवा कमीशन के तहत भर्ती हुई महिला अधिकारियों को बार-बार सुप्रीम कोर्ट तक दौड़ लगानी पड़ती है। यह बात गले नहीं उतरती कि जब कोई सैन्यकर्मी, चाहे वह महिला हो पुरुष- शारीरिक-मानसिक रूप से पूरी तरह सेवाएं देने के योग्य है और सेवा के दौरान उसके कामकाज और आचरण में किसी तरह की कमी नहीं पाई गई, तो उसे लंबी अवधि का सेवा विस्तार देने से क्यों परहेज किया जाना चाहिए।अल्पकालिक सेवा कमीशन के तहत भर्ती हुई एक महिला नौसेना अधिकारी को स्थायी कमीशन न दिए जाने पर सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीर नाराजगी जाहिर की है। उस अधिकारी को स्थायी कमीशन देने का आदेश अदालत ने पहले ही दिया था, मगर उसका पालन नहीं किया गया। इसलिए भी अदालत की तल्खी बढ़ गई। महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन न दिए जाने पर लंबे समय से असंतोष है। शीर्ष अदालत ने 2020 में कहा था कि इस तरह महिला अधिकारियों को सेवा से वंचित करने से सेना का मनोबल गिरेगा। तब से नौसेना, वायुसेना और थलसेना को कई मामलों में स्थायी कमीशन देने के आदेश दिए जा चुके हैं।सेना नियमों के मुताबिक, अल्पकालिक कमीशन में चयनित अधिकारियों को उनके कामकाज के प्रदर्शन के आधार पर पदोन्नति और स्थायी कमीशन देने का निर्णय किया जाता है। मगर महिला अधिकारियों के मामले में इस पर अक्सर संकुचित दृष्टिकोण ही देखा जाता है। अभी सर्वोच्च न्यायालय में उनहत्तर ऐसे ही अधिकारियों का मामला लंबित है, जिस पर अगस्त में सुनवाई होनी है। अदालत ने कहा है कि अंतिम फैसला आने तक इन अधिकारियों को सेवामुक्त न किया जाए।

इस तरह स्थायी कमीशन न मिल पाने के कारण महिला अधिकारियों की तरफ से लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर ही नौसेना अधिकारी के मामले पर फैसला देते समय सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अब बहुत हो गया, सेना के अधिकारी अपना संकुचित नजरिया त्यागें और उदारता का परिचय दें। इस फटकार और नसीहत को सेना और सरकार कितनी गंभीरता से लेते हैं, देखने की बात है।यह पहला मौका नहीं है, जब महिला सेनाधिकारियों को अदालत की मार्फत अपना हक हासिल करना पड़ा है। इसके पहले लड़ाकू विमान उड़ाने से महिलाओं को वंचित रखने के नियम को भी अदालत के आदेश पर ही बदला गया था। यह थोड़ी असहज करने वाली स्थिति है कि अनुशासित और मर्यादित मानी जानी वाली भारतीय सेना में महिलाओं की क्षमताओं और योग्यता को कम करके आंका जाता है।

यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुनहरे बालों को हिलाते हुए व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाज़ा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी—उस भारत की जिसने नेहरू के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरू के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

बदलते विश्व में होगी भारत की बड़ी भूमिका, बशर्ते हम पिछलग्गू ना बनें

(ओंकारेश्वर पांडेय)

ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया। हालांकि इसका अभ्यास जनवरी 2025 से ही गोपनीय रूप से चल रहा था।

बीते हफ्ते जब भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बारूदी गुबार के बाद जीत हार के दावे और नुकसान के आकलन कर रहे थे और वाशिंगटन में बैठे राष्ट्रपति ट्रंप बार बार सीज फायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय ब्रुसेल्स में यूरोप और ब्रिटेन इतिहास के एक नये अध्याय पर हस्ताक्षर कर रहे थे। एक ऐसा इतिहास जो खामोशी से एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय दुनिया की तरफ ले जा रहा था। 19 मई 2025 को ब्रुसेल्स की सर्द हवाओं में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जो रणनीतिक समझौता किया, उसमें सुरक्षा, रक्षा, यूक्रेन समर्थन, प्रवास, जलवायु, शिक्षा और व्यापार तो शामिल था ही, इसमें अमेरिकी छत्रछाया से इतर एक नया यूरोप बनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की झलक भी थी।

यह समझौता महीनों की उस गोपनीय बातचीत का नतीजा था, जो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप की दी हुई अपमानजनक उपेक्षा और अवहेलना से शुरू हुई थी। यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुनहरे बालों को हिलाते हुए व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी—उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

ट्रम्प का तमाशा- तलाक की स्क्रिप्ट: शायद ट्रंप को अंदाज़ा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15 मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को 'बेकार का बोझ' ठहराया और यूरोप को 'अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान' बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को 'आर्थिक हत्या' करार दिया, यह कहते हुए कि 'अमेरिकी मज़दूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए?

ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017-2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को 'पुराना ढाँचा' कहा, जर्मनी को 'रूस का गुलाम' बताया, और ईयू को अमेरिका का 'लाभ उठाने वाला' करार दिया। उस वक़्त तो यूरोप आश्चर्य और सदमे में पड़ गया था, मगर अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के। ट्रम्प का तलाकनामा यूरोप के लिए एक नई सुबह का न्योता बन गया है।ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, ट्रम्प ने साफ कर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं। 20 अप्रैल 2025 को, जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है।

15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्स- ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि ट्रान्सअटलांटिक गठबंधन अब इतिहास की बात है। स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि ज़रूरत है। तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948-1952) के ज़रिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प माने डील।

ईयू-यूके समझौता- नई राह, नया साथी

ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया। हालांकि इसका अभ्यास जनवरी 2025 से ही गोपनीय रूप से चल रहा था। यह ब्रेक्सिट की कड़वाहट को भुलाने का प्रयास भर नहीं है, बल्कि एक नया रिश्ता है–जिसमें दो पुराने दोस्त नाराज़गी भुलाकर बराबरी के साथ गले मिल रहे हैं।

याद रहे कि ब्रिटेन में कीर स्टार्मर की लेबर सरकार ने जुलाई 2024 में सत्ता संभालते ही यूरोप की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। 18 जुलाई 2024 को, ब्लेनहेम पैलेस में स्टार्मर ने यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट की मेजबानी की। 10 सितंबर 2024 को, विदेश सचिव डेविड लैमी ने ईयू फॉरेन अफेयर्स काउंसिल में भाग लिया। 15 अक्टूबर 2024 को, लंदन और बर्लिन ने ट्रिनिटी हाउस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो एक ऐतिहासिक रक्षा सहयोग था। 1 नवंबर 2024 को, पोलैंड के साथ विशेष साझेदारी की योजना शुरू हुई। ट्रम्प के टेढ़े तेवरों से तिलमिलाये यूरोप ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा दिये हैं।

नाटो का संकट : ट्रम्प ने जो कुछ कहा, उसने नाटो को हिलाकर रख दिया, जैसे कोई पुराना मकान हवा के झोंके से काँप उठे। 15 मार्च 2025 को, पेन्सिलवेनिया में ट्रम्प ने नाटो से निकलने की धमकी दी और 5त्न जीडीपी रक्षा खर्च की माँग की। नाटो के 32 सदस्यों में से 23 अभी तक 2 प्रतिशत जीडीपी लक्ष्य को ही पूरा करते हैं, 5 प्रतिशत का लक्ष्य तो दूर की कौड़ी है। तो नाटो का क्या होगा। हालांकि अक्टूबर 2024 में नियुक्त हुए नए महासचिव मार्क रुटे, यूरोपीय खर्च बढ़ाने की वकालत कर रहे हैं, ताकि अमेरिका का साथ बना रहे, लेकिन इस गठबंधन की एकजुटता का असली फैसला तो 10 जून 2025 को द हेग में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में ही होगा।

अमेरिकी झटके के बाद ईयू का स्वाभिमान जोर मार रहा है। यूरोप किसी के भरोसे नहीं बैठना चाहता। जनवरी 2024 में ईयू ने यूरोपीय रक्षा संघ की योजना को गति दी, जिसमें क7.5 बिलियन का रक्षा कोष और संयुक्त कमांड सेंटर शामिल हैं। 15 मार्च 2025 को, यूरोपीय रक्षा औद्योगिक रणनीति की घोषणा हुई, एक रक्षा आयुक्त नियुक्त हुआ। यूरोप का रक्षा उद्योग अभी बिखरा हुआ है, और अमेरिकी हथियारों पर निर्भरता एक चुनौती है। मगर, जैसा ईसीएफआर कहता है, द्विपक्षीय समझौतों का जाल यूरोप की सामूहिक शक्ति को बढ़ा सकता है। ये सभी कोशिशें यूरोप की नई उड़ान का परिचय दे रही हैं। ट्रम्प ने यूरोप को न केवल जगा दिया, बल्कि उसे अपने पंखों पर उड़ने की हिम्मत भी दे दी है। ईयू अब एक स्वतंत्र खिलाड़ी बन गया है।

इंडिया की याद : यूरोपीय ब्रूगल थिंक टैंक ने अपने एक विश्लेषण में ठीक कहा कि, ट्रम्प का पीछे हटना जोखिम के साथ अवसर लाता है। तो जब ट्रम्प ने तलाक का नोटिस थमाया, तो यूरोप ने नए दोस्त की तलाश में भारत की ओर देखा। 10 फरवरी 2025 को, नई दिल्ली में ईयू-भारत शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें ईयू अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। इसमें 2021 के भारत-ईयू रणनीतिक रोडमैप को विस्तार देने का फैसला किया गया।

पंजाब में सरकारी अस्पताल में जाने को तैयार नहीं हैं विशेषज्ञ डाक्टर

(सुभाष आनंद-विनायक फीचर्स)

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए 252 विशेषज्ञ डाक्टर्स को 2 वर्ष के डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स पूरा करने के पश्चात पंजाब के विभिन्न स्थानों पर तैनात कर दिया गया है। पी.जी एवं डिप्लोमा करने से पहले स्वास्थ्य विभाग ने इन डॉक्टरों से बांड भरवाए थे कि वह अपनी शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात कम से कम 2 वर्ष तक पंजाब सरकार को अपनी सेवाएं देंगे।

पहले नीति के अनुसार इन डॉक्टरों को सीनियर रेजिडेंट बना दिया जाता था, जो मेडिकल कॉलेजों में तैनात होते थे। अब इन डॉक्टरों को नई नीति के अनुसार पंजाब के विभिन्न सिविल हॉस्पिटलों में बांडेड सर्विस करनी पड़ेगी, जिसके लिए प्रत्येक डॉक्टर को 81,562 रुपए के लगभग सैलरी दी जाएगी। यदि वह सरकारी नौकरी में नहीं आना चाहते तो उन्हें निर्धारित बांड मनी सरकारी खजाने में जमा करवानी होगी।

देखने में आया है कि सरकारी नीतियों के कारण डॉक्टर सरकारी सेवा में आने से परहेज कर रहे है। प्राइवेट मल्टी स्पेशलिटी अस्पतालों में तीन से चार लाख के पैकेज दिए जा रहे है। इसी कारण पिछले दिनों में फिरोजपुर सहित कई जगहों के सिविल अस्पतालों के कई विशेषज्ञ डॉक्टर जैसे कि बच्चों के स्पेशलिस्ट और ऑर्थो स्पेशलिस्ट सरकारी नियमित नौकरियां छोड़कर प्राइवेट सेक्टर में जा चुके हैं। जहां उन्हें अच्छा भविष्य दिखाई देता है। बड़े-बड़े अस्पतालों में काम करने से शोहरत भी बढ़ती है और कई प्रकार की जटिल सर्जरी करने का भी अनुभव भी मिलता है।

सरकार ने फिरोजपुर के सिविल हॉस्पिटलों में विभिन्न विशेषज्ञों,माहिरों को तैनात किया है,जिनकी संख्या 16 है। सिविल अस्पताल फिरोजपुर में आठ माहिर डॉक्टर तैनात किए गए हैं ,जिसमें एनिस्थीसिया विशेषज्ञ , गायनी, माइक्रोबायलॉजी, बच्चों के विशेषज्ञ , टी बी चेस्ट और कानों व गले के डाक्टर शामिल हैं। फिरोजपुर के जीरा सिविल हॉस्पिटल में सात माहिर डॉक्टर तैनात किए गए हैं , जिनमें रेडियोलाजिस्ट,सर्जन , गायनी,पैथालोजिस्ट, एनीस्थीसिया और एक जनरल मेडिसन हैं,जबकि गुरुहरसहाय में एनीस्थिसिया का एक विशेषज्ञ लगाया गया है। हैरानी की बात यह है कि अभी तक एक भी डॉक्टर ड्यूटी पर हाजिर नहीं हुआ जैसे कि पहले बताया जा चुका है कि इन बांडेड डॉक्टरों को सरकारी नौकरी करनी पड़ेगी। सूत्रों से पता चला है कि सिविल अस्पताल में दोनों महिला गाइनेकोलॉजिस्ट छुट्टी पर जाने वाली है यदि नई गाइनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर हाजिर नहीं होती तो जच्चा बच्चा विभाग में भारी समस्या बन सकती है। उधर, डॉक्टरों की सरकारी यूनियन पी.सी.एम.एस का कहना है कि विशेषज्ञ डॉक्टर को कम वेतन पर काम करने को कहा जा रहा है जो काफी चिंता का विषय है , इन डॉक्टरों को सरकारी डॉक्टर जितना वेतन और उनके साथ-साथ भत्तों को देकर संतुष्ट किया जाना चाहिए। आजकल इतना वेतन आम स्टाफ नर्स ले रही है, यह सरकार द्वारा विशेषज्ञ डॉक्टरों का खुलेआम शोषण है। कई डॉक्टरों ने तो बांड मनी जमा करवाने का मन बनाया हुआ है और वह सरकारी नौकरी में नहीं आना चाहते ,क्योंकि प्राइवेट सेक्टर में उनका भविष्य काफी अच्छा है।

सरकार की नीतियां ठीक ना होने के कारण ही डॉक्टर सरकारी जॉब में नहीं आना चाहते जबकि विशेषज्ञ डॉक्टर को मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पतालों में आकर्षित करने के लिए ऊंचे ऊंचे वेतन और इनसेंटिव दिए जा रहे हैं। ।

*(विनायक फीचर्स)

दृष्टिकोण –प्रश्नों के घेरे में शाब्दिक अराजकता

(डॉ. सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

क्या पंथ निरपेक्षता के नाम पर हर किसी को अपने मतानुसार आचरण की छूट है ? क्या किसी भी राष्ट्र में घुसपैठ का किसी को भी अधिकार है ? क्या घुसपैठ का किसी भी जागरूक नागरिक द्वारा समर्थन करना उचित है ? क्या देश का कोई भी नागरिक देश से बड़ा हो सकता है ? क्या किसी भी नागरिक को अभिव्यक्ति के नाम पर बिना किसी पुष्ट प्रमाण के कुछ भी कहने का अधिकार है ? क्या न्यायपालिका स्वविवेक से अभिव्यक्ति को परिभाषित कर सकती है ? क्या किसी शत्रु को लाभ पहुंचाने वाले वक्तव्यों के आधार पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध राष्ट्रद्रोह का वाद योजित नहीं किया जा सकता ? ऐसे ही अनेक प्रश्नों की एक लंबी श्रृंखला है, जो अभिव्यक्ति के नाम पर देश में फैलाई जा रही शाब्दिक अराजकता के संबंध में प्रत्येक नागरिक को चिंतन हेतु विवश करती है। विडंबना है कि जिन मुद्दों पर समूचे राष्ट्र को एकजुट होकर खड़े रहना चाहिए, उन मुद्दों पर कुछ लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर देश के सुरक्षाबलों और देश की सत्ता को घेरने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता कुछ लोगों को नहीं सुहा रही है। वह इस बात से गौरवान्वित नहीं हैं, कि चंद मिनटों में भारतीय वायु सेना ने अपनी उत्कृष्ट मारक क्षमता का प्रयोग करते हुए आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया। उनका सवाल है कि देश ने इस ऑपरेशन में अपने कितने सैन्य उपकरणों को खोया है। कुछ लोगों के हृदय में मानवीय करुणा का भाव जागृत हुआ है, कि शत्रुओं को निशाना क्यों बनाया गया, उनका पानी बंद क्यों किया गया। यही नहीं कुछ बुद्धिजीवी तो उन रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों के समर्थन में खड़े हो गए, जो देश के संसाधनों का प्रयोग करके राष्ट्र के विरोध में खड़े हैं। अजीब स्थिति है, जिसे देखो वही भारत को धर्मशाला समझकर मनमाना व्यवहार कर रहा है। उसे अपने ही देश में ऐसे समर्थक मिल रहे हैं, जो केवल बयानवीर हैं। रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाये रखने वाले तत्वों से यदि यह कहा जाए कि यदि आपके मन में घुसपैठियों के प्रति करुणा का भाव है, तो उन्हें देश की जगह अपने घर में शरण देकर उनका लालन पालन अपने आर्थिक संसाधनों से करें, तब उनकी रोहिंग्याओं या अन्य घुसपैठियों के प्रति हमदर्दी लुप्त हो जाती है।

अफसरों को जेल की सजा से रुक सकेंगे जहरीली शराब जैसे हादसे

महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं। पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

(योगेंद्र योगी)

मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज़्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई।

भारत में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं है। सरकारों का काम सिर्फ टैक्स वसूलना रह गया है, जब जिम्मेदारी लेने के वक्त आता है तो सब एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर पीछा छुड़ाने की कोशिश करते हैं। इससे भी ज्यादा आश्चर्य यह है कि सरकारें पिछली गलतियों से भी कोई सबक नहीं सीखती हैं। साथ ही गलतियों के लिए जिम्मेदार अफसरों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे दूसरे लोग इससे सबक सीख सकें। महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं। पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को सिर्फ निलंबित किया गया है। दरअसल कानून में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है कि अफसरों की लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए उन्हें भी अपराधियों की तरह सजा होगी। केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून का नाम बदल दिया। इसमें कई तरह के संशोधन किए गए। किन्तु नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने के लिए सजा का प्रावधान नहीं किया गया। यही वजह है कि जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसे हो या इसी तरह के दूसरे हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों को आपराधिक मामलों की तरह जेल की सजा नहीं होती। पांच साल पहले पंजाब में तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में एक बड़ी शराब त्रासदी हुई थी।

जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में लगभग 80 मौतें हुई थीं। 19 मार्च 2024 को पंजाब के ही संगरूर जिले में नकली शराब पीने से 21 हो गई थी, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हुए। ये पहला मौका नहीं है जब देश के किसी राज्य

में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई हो। वर्ष 2014 में अवैध शराब के सेवन से 1,699 मौतें हुईं। वर्ष 2015 में 1,624 घटनाओं में 1,522 लोगों की जान गई। महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2016 में 1,073 घटनाओं में 1,054 मौतें दर्ज की गईं। इस वर्ष मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज़्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी तरह वर्ष 2017 में 1,497 घटनाओं में 1,510 मौतें हुईं। इनमें कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। वर्ष 2018 में 1,346 घटनाओं में 1,365 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज़्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2021 में 708 घटनाओं में 782 मौतें हुई और वर्ष 2022 में 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। इनमें बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा। वर्ष 1992 ओडिशा के कटक में जहरीली शराब पीने से 200 से अधिक लोगों की मौत हुई जबकि 600 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो दशकों में भारत में इस तरह की सबसे बड़ी घटना थी। वर्ष 1981 में कर्नाटक के बेंगलुरु में सबसे भयानक हादसा हुआ। बेंगलुरु में मिथाइल अल्कोहल विषाक्तता के कारण 308 लोगों की मौत हो गई। यह सस्ती शराब में मिलावट के कारण हुआ था। अवैध या जहरीली शराब सिर्फ बिहार या पंजाब की समस्या नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चलता है। हर साल लाखों लीटर अवैध शराब जब्त भी होती है। लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पा रही। बिहार ही नहीं, बल्कि गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और लक्षद्वीप में भी पूरी तरह से शराबबंदी है। इसके बावजूद यहां जहरीली शराब से मौतें होती रहती हैं।

गुजरात पहला राज्य था, जिसने शराब पर प्रतिबंध लगाया था। फिर भी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 6 साल में जहरीली या अवैध शराब पीने से राज्य में 54 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है। इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है। ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है। बिहार सरकार के आंकड़े बताते हैं कि शराबबंदी कानून तोडने् के मामले में 6.71 लाख से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश के कुछ राज्यों में शराबबंदी लागू है और कुछ ऐसे भी हैं जहां पहले शराबबंदी थी लेकिन बाद में इसे हटा लिया गया। हरियाणा में 1996 में शराबबंदी लागू की गई थी, लेकिन दो साल बाद ही 1998 में इसे हटा लिया गया। आंध्र प्रदेश में 1995 में शराब पर प्रतिबंध लगा लेकिन 1997 में सरकार ने इसे वापस ले लिया। मणिपुर में भी 1991 से शराबबंदी लागू है और सरकार ने इसमें थोड़ी छूट देने का फैसला लिया।

प्रदेश के फलों पर ग्लोबल वार्मिंग का हमला, कहीं बागवानी का क्षेत्र घटा तो कहीं उत्पादन आधा हो गया

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के फलों पर ग्लोबल वार्मिंग का असर दिखाई दे रहा रहै। कहीं बागवानी का क्षेत्र घटा तो कहीं उत्पादन आधा हो गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ के पेड़-पौधे जलवायु परिवर्तन से तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं।

पहाड़ों पर इस बार बुरांश समय से पहले खिल गया, इससे वैज्ञानिक चिंतित थे ही, अब उत्तराखंड के पहाड़ों से सेब, आड़ू, आलूबुखारा, नाशपाती भी गायब होने लगे हैं। पर्वतीय ट्री लाइन हर साल कई फीट ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर शिफ्ट होने लगी है। वैज्ञानिक इसकी वजह ग्लोबल वार्मिंग बता रहे हैं। इसका असर पहाड़ के देवदार से लेकर मैदान में आम के पेड़ों तक दिखने लगा है।

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की एक रिपोर्ट से पता चला है कि पूर्वी हिमालय में खासकर सर्दियों और वसंत के दौरान तापमान बढ़ रहा है। जिससे देवदार के पेड़ों में 38 फीसदी तक की गिरावट आई है और वृक्षरेखा अधिक ऊंचाई की ओर स्थानांतरित हो रही है। इस परिवर्तन से जहां बुग्यालों का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। वहीं मैदान में भी पेड़ पौधे सुरक्षित नहीं हैं। कई जगह आम के पेड़ों में बौरों का आना जल्दी शुरू हो गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार इसके लिए बेमौसम बारिश और सामान्य से ज्यादा गर्म होती सर्दियां जिम्मेवार हो सकती हैं। ऐसा ही कुछ सेबों के मामले में भी देखने को मिल रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी कम होने से इसकी पैदावार पर असर पड़ रहा है। बढ़ते तापमान के साथ उत्तराखंड के

पहाड़ों से सेब, आड़ू, आलूबुखारा, खुबानी, नाशपाती गायब हो रहे। अल्मोड़ा में फल उत्पादन 84 फीसदी घट गया है, जो उत्तराखंड के सभी जिलों में सर्वाधिक है। इसी तरह चमोली में भी फल उत्पादन में करीब 53 प्रतिशत की गिरावट आई है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ों में पाए जाने वाले कई पेड़-पौधे बढ़ते तापमान के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। ऐसे में यदि समय रहते ध्यान न दिया गया तो उनके लिए अस्तित्व को बचाए रखना कठिन हो जाएगा। उन्होंने कुछ क्षेत्रों में बर्फ की मात्रा में बदलाव करके कृत्रिम रूप से तापमान बढ़ाकर देखा कि पौधे बढ़ती गर्मी का सामना कैसे करते हैं, लेकिन अध्ययन के नतीजे निराशाजनक रहे। पौधे न तो खुद को गर्म तापमान के अनुसार बदल पाए और न ही पहाड़ की ऊंचाई पर तेजी से फैल पाए, ताकि वे गर्मी से बच सकें। आशंका है कि वे प्रजातियां समय के साथ विलुप्त हो जाएंगी।

उत्तराखंड में बीते सात वर्षों से फलों की पैदावार चिंताजनक रूप से घट गई है। क्लाइमेट सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2016-17 में उत्तराखंड में 25,201.58 हेक्टेयर क्षेत्र में सेब का उत्पादन किया गया, जो वर्ष 2022-23 में 55 फीसदी की गिरावट के साथ घटकर महज 11,327.33 हेक्टेयर रह गया। इस अवधि के दौरान सेब के उत्पादन में 30 फीसदी की गिरावट देखी गई। नींबू की विभिन्न प्रजातियों में भी 58 फीसदी की कमी आई है। गौरतलब है कि 2016-17 में फल उत्पादन का कुल क्षेत्र करीब 177,324 हेक्टेयर था, वह 2022-23 में घटकर महज 81692.58 हेक्टेयर रह गया। इसी तरह जहां उत्तराखंड में 2016-17 के दौरान फलों का कुल उत्पादन 662847.11 मीट्रिक टन था, जो 2022-23 में घटकर 369447.3 मीट्रिक टन रह गया।

जिलावार देखें तो टिहरी में बागवानी के क्षेत्रफल में सबसे ज्यादा कमी हुई। इसके बाद देहरादून है। हालांकि दोनों ही जिलों में इसके सापेक्ष फलों के उत्पादन में अधिक कमी नहीं देखी गई। दूसरी तरफ, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार में बागवानी के क्षेत्रफल और फलों के उत्पादन दोनों ही में काफी गिरावट आई है। अल्मोड़ा में फल उत्पादन 84 फीसदी घट गया है, जो उत्तराखंड में सर्वाधिक है।

संक्षिप्त समाचार

स्टेडियम का नाम बदलने से दुखी है परिवार: पंकज कटारिया

हरिद्वार, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान वंदना कटारिया के भाई पंकज कटारिया ने कहा कि सम्मान देने के बाद वापस लेना परिवार के लिए भी कष्टदायी है। उन्होंने कहा कि वंदना कटारिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया। सरकार बेटियों को आगे बढ़ाने के बजाय स्टेडियम का नाम बदलकर हतोत्साहित करने का काम कर रही है।

प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए भीम आर्मी प्रदेश प्रभारी दीपक ने कहा कि वंदना कटारिया स्टेडियम का नाम बदलने से सरकार की दलित विरोधी मानसिकता उजागर हो गई है। कहा कि हाकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने अपनी प्रतिभा से पूरी दुनिया में उत्तराखंड का नाम रोशन किया हैं।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अंकुश शेरवाल ने कहा कि वंदना के नाम पर बने स्टेडियम से युवाओं और खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है। सरकार को नाम बदलने का फैसला वापस लेना चाहिए। यदि फैसला वापस नहीं लिया गया तो पूरे प्रदेश में आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान रविंद्र पालीवाल, सूर्या राठौर, मोनू प्रधान, मोदीमल तेगवाल, अशोक कटारिया, शेखर कटारिया मौजूद रहें ।

शराब की बिक्री के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा

गदरपुर, एजेंसी। ग्रामीण क्षेत्र में बिक रही कच्ची शराब को बंद किए जाने की मांग को लेकर महिलाओं ने एसओ जसवीर सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपा। भाजपा महिला मोर्चा की जिला मंत्री कंचन सिंह और मंडल अध्यक्ष ज्योति अरोरा के नेतृत्व में बुधवार को ग्राम नंदपुर, खानपुर पश्चिम, मजराविधि, खेमपुर और धीमरखेड़ा की महिलाएं थाने पहुंचीं। उन्होंने एसओ को ज्ञापन सौंपकर ग्रामीण क्षेत्रों में कच्ची शराब की बिक्री को बंद करने की मांग की। कहा कि कुछ लोग अवैध रूप से जुआ भी खेलते हैं, जिससे कई घरों में रोजाना मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। एसओ चौहान ने आश्वस्त किया कि कच्ची शराब और अवैध तरीके से चल रहे जुए को बंद कराया जाएगा। उन्होंने हल्का प्रभारी एसआई मुकेश मिश्रा को तत्काल कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान नंदन नैनवाल, गीता देवी, रूपा नैनवाल, लाजवंती, किरण, मिथलेश, जगवती, दुर्गा और आशा चंद्रा आदि उपस्थित रहीं।

जिस नदी ने मचाई तबाही उसकी नहीं हो सकी सफाई

बाजपुर, एजेंसी। सीएम पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के बाद भी लेवड़ा नदी में आने वाली बाढ़ का समाधान नहीं हो सका है। संबंधित विभाग नदी की सफाई तक नहीं कर रहा है। इससे बाजपुर के लोगों को बाढ़ का खतरा फिर सता रहा है।

हर साल लेवड़ा नदी में बाढ़ की स्थिति बन जाती है। इससे मुख्य मार्ग, रामराज रोड, बेरिया दौलत रोड, हल्द्वानी स्टेट हाईवे, अन्य मार्ग, शहर और सटे ग्रामीण क्षेत्रों में भारी जलभराव होता है। शहर से सटे गांव चकरपुर, राजीवगनर, इंदिरा कॉलोनी, मनी मुंडिया, नमूना, जबरान सहित अन्य क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति बन जाती है।

12 मार्च 2024 को बाजपुर इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम धामी ने बाजपुर को बाढ़ से निजात दिलाने के लिए गुमसानी तक लेवड़ा नदी पर बाढ़ सुरक्षा कार्य कराए जाने और बेरिया दौलत रोड और चकरपुर में पुल निर्माण कराने की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक धरातल पर कार्य शुरू नहीं हुआ है।

नगर पालिका का नया भवन बनकर हुआ तैयार

जसपुर, एजेंसी। नगर पालिका परिषद का नया भवन बनकर तैयार हो गया है। इसी महीने के आखिरी सप्ताह तक भवन के हेंडओवर होने की उम्मीद है।

नगर पालिका परिषद का कार्यालय मुख्य बाजार में होने से नागरिकों को पार्किंग एवं अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पालिका के ईओ शाहिद अली ने बताया तत्कालीन पालिका प्रशासन एवं बोर्ड सदस्यों ने लपकना पुल पर नए भवन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। 1.51 करोड़ रुपये की संस्तुति मिलने के बाद लगभग चार बीघा भूमि में लपकना पुल के पास पालिका के नए भवन का निर्माण चल रहा था।

रुद्रप्रयाग में कहर बनकर टूटी बारिश, कई दोपहिया वाहन बहे, आवासीय मकानों को पैदा हुआ खतरा

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। जिले में देर रात मूसलाधार बारिश के साथ तेज आंधी तूफान के चलते भारी नुकसान हुआ है. जहां तेज बारिश के चलते गदेरे उफान पर आ गए. वहीं कई भवनों और गौशालाओं की छत उड़ गई. इसके अलावा जगह-जगह आंधी तूफान के चलते कई पेड़ों को भी क्षति पहुंची है. आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से क्षति का आकलन किया जा रहा है.

गौर हो कि बीती देर रात रुद्रप्रयाग जनपद के कई इलाकों में तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान चलने भारी क्षति हुई है. अगस्त्यमुनि में विजयनगर गदेरा उफान पर आ गया, जिससे गदेरे के किनारे खड़ी करीब एक दर्जन से ज्यादा स्कूटी और बाइक भी मलबे की चपेट में आ गए. इसके अलावा तेज बारिश और आंधी तूफान से भरदार पट्टी के दरमोला गांव में भी गौशाला और भवनों की छत उड़ गई. ग्रामीणों के सामने अब मवेशियों को रखने की समस्या खड़ी हो गई है. अगस्त्यमुनि नगर पंचायत के विजयनगर इलाके में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया.

बारिश के चलते स्थानीय गदेरा उफान पर आ गया और किनारे पार्क की गई कई दोपहिया वाहन इसकी चपेट में आ गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई लोग अपनी स्कूटी और बाइक गदेरे के किनारे पार्क कर चले गए थे, लेकिन रात करीब दो बजे अचानक बारिश तेज हो गई और देखते ही देखते गदेरे के पानी ने वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया. कई स्कूटी व बाइक बहकर नदी तक चली गई. सुबह-सुबह जब स्थानीय निवासी धर्मेन्द्र रावत, विपिन नेगी, हेमंत फर्स्वाण, रोहिणी वहां पहुंचे तो गदेरे में खड़ी स्कूटी बाइकों को किसी तरह नदी तट से खींच कर किनारे लाए.

फिलहाल छः वाहन किनारे लगे हैं, बाकी वाहनों की ढूंढ़खोज जारी है. गदेरे किनारे कितने वाहन खड़े थे, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है. प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान गदेरे और नालों के आसपास वाहन खड़े न करें. दरमोला-तरवाड़ी निवासी ग्रामीण कनकपाल सिंह की गौशाला की छत तेज आंधी तूफान के कारण उड़ गयी।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में हॉग डियर संकट, घटती संख्या पर गिनती शुरू, 24 मई तक चलेगा सर्वे

रामनगर, एजेंसी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में अब बाघों और हाथियों के साथ-साथ हॉग डियर की भी गंभीरता से निगरानी की जाएगी. साथ ही इसके संरक्षण की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं. इसी कड़ी में पार्क प्रशासन ने हॉग डियर की संख्या की गणना शुरू कर दी है. गणना 24 मई तक चलेगी. इस गणना से न सिर्फ हॉग डियर की वर्तमान संख्या का सही-सही अनुमान लगाया जाएगा, बल्कि उनके संरक्षण को लेकर नई रणनीति भी तैयार की जा सकेगी.

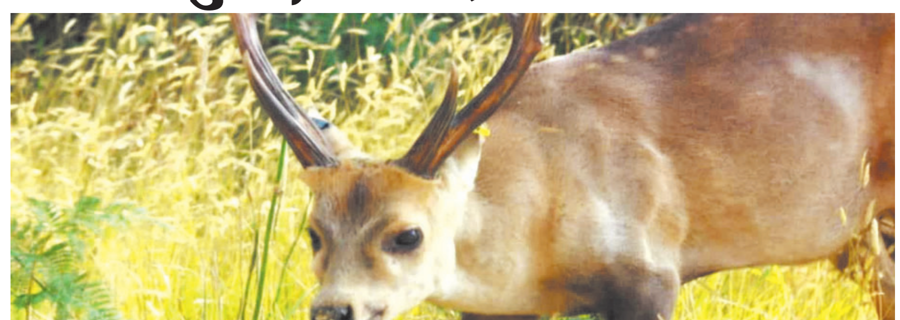

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के पार्क वार्डन अमित ग्वासाकोटी के मुताबिक, बीते वर्षों में हॉग डियर की संख्या में लगातार गिरावट देखी गई है. उन्होंने बताया कि हॉग डियर जैव विविधता की उस महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा हैं, जो शिकारियों और शाकाहारियों के बीच संतुलन बनाए रखता है. उनकी संख्या में गिरावट से यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो सकता है. गणना अभियान के लिए कॉर्बेट रिजर्व को अलग-अलग बीटों में बांटा गया है. 120 से अधिक बीटों में तैनात वनकर्मियों को पहले ही विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है. यह गणना विशेष रूप से ढिकाला, फुलाई, पटेल पानी जैसे उन क्षेत्रों में की जा रही है. यहां बरसात के मौसम में हॉग डियर सबसे ज़्यादा देखे जाते हैं. हॉग डियर आमतौर पर दलदली और घास के मैदानों में रहना पसंद करते हैं, लेकिन इन इलाकों में लगातार हो रहे बदलावों ने इनके आवास को प्रभावित किया है.

हॉग डियर, जो हिरण की एक छोटी और ठिगनी प्रजाति है, कभी कॉर्बेट पार्क में बड़ी संख्या में पाई जाती थी. वर्ष 1977 में इनकी संख्या लगभग 1125 थी,लेकिन 2000 तक यह घटकर 294 रह गई और 2008 में यह आंकड़ा और गिरकर सिर्फ 233 हो गया, 2020-21 की एक रिपोर्ट के अनुसार, अब कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में हॉग डियर की संख्या 150 के करीब रह गई है

हॉग डियर की गिरती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड और कॉर्बेट फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से एक रिसर्च प्रोजेक्ट शुरू किया था, जो अब भी जारी है. यह गणना अभियान उस अध्ययन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है,इसका उद्देश्य सिर्फ संख्या ज्ञात करना नहीं, बल्कि इस गिरावट के मुख्य कारणों को समझना और रोकथाम की योजना बनाना भी है.

पर्यावरणीय असंतुलन की स्थितिः .कॉर्बेट टाइगर रिजर्व को बाघों की उच्च घनत्व वाली आबादी के लिए दुनियाभर में पहचान मिली है. बाघ, हाथी, गुलदार, भालू और सैकड़ों पक्षी प्रजातियों की मौजूदगी इसे अद्वितीय बनाती है, लेकिन अगर हॉग डियर जैसे शाकाहारी जीवों की संख्या में गिरावट जारी रही, तो इससे पूरे खाद्य श्रृंखला और जैविक संतुलन पर खतरा मंडरा सकता है. अमित ग्वासाकोटी, पार्क वार्डन कॉर्बेट टाइगर रिजर्वने बताया कि हॉग डियर की गिरती संख्या वाकई चिंता का विषय है. यह गणना उनके संरक्षण की दिशा में पहला ठोस कदम है, ताकि हम इनके अस्तित्व को बचा सकें.

ग्रामीण पर्यटन का सफल उदाहरण बना रुद्रप्रयाग का सारी गांव

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। जिले में तुंगनाथ, चोपता ट्रैक पर मौजूद सारी गांव उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में ग्रामीण पर्यटन और स्वरोजगार की मिसाल कायम कर रहा है. सारी गांव में इस वक्त करीब 50 होम स्टे संचालित हो रहे हैं. जिसमें ढाई सौ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है.

सारी गांव में होम स्टे की शुरुआत, 1999 में माउंटेन गाडड मुरली सिंह नेगी ने की. तब उन्होंने अपने पुराने घर की मरम्मत करते हुए, इस क्षेत्र में ट्रैकिंग के लिए आने वाले पर्यटकों को ठहरने और खाने की सुविधा प्रदान की. चूंकि यहां वर्ष भर पर्यटकों की आवाजाही रहती है, इस कारण जल्द ही अन्य लोगों ने भी अपने परम्परागत घरों के दरवाजे पर्यटकों के लिए खोल दिए।.ग्रामीण शुरुआत से ही, पर्यटकों को पहाड़ी जीवनशैली के अनुरूप आवास और भोजन उपलब्ध कराते थे, जो पर्यटकों को नया अनुभव देता था. अब वर्तमान में यहां होम स्टे की संख्या 50 तक पहुंच गई है,. जिसमें से 41 पर्यटन विभाग के पास पंजीकृत हैं. कई लोगों ने प्रदेश सरकार की दीन दयाल उपाध्याय पर्यटक होम स्टे योजना के तहत भी होम स्टे शुरु किए हैं. इसके अलावा 30 लोगों को ट्रेकिंग ट्रक्शन सेंटर होम-स्टे योजनान्तर्गत के तहत अनुदान मिला है.

स्थानीय ग्रामीण जीएस भट्ट बताते हैं कि गत वर्ष गांव में करीब सात हजार पर्यटक ठहरने के लिए आए. स्वरोजगार के चलते गांव में पलायन बहुत कम है. साथ ही अन्य गांवों के विपरीत सारी गांव पूरी तरह जीवंत बना हुआ है.

मुख्यमंत्री धामी ने भी किया रात्रि विश्राम दिसंबर माह में रुद्रपयाग जिले के दौरे पर पहुंचे. सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी सारी गांव पहुंच कर होम स्टे में रात्रि विश्राम किया. इस दौरान मुख्यमंत्री ने गांव में पयर्टन और स्वरोजगार के मॉडल की सराहना की.

रुद्रप्रयाग से सारी गांव की दूरी लगभग 60 किलोमीटर है. ट्रैकिंग रूटतुंगनाथ ट्रैकः सारी से तुंगनाथ ट्रैक की दूरी लगभग 30 किलोमीटर है. यह ट्रैक आपको तुंगनाथ मंदिर तक ले जाता है, जो भगवान शिव को समर्पित है.5

बागेश्वर धाम के दरबार में एसएसपी को हुआ गलतियों को अहसास, सुनाई दिल की बात, बोले- सीएम से करूंगा निवेदन

रामनगर, एजेंसी। ऊर्जा संचय समागम के दूसरे दिन शुक्रवार को जिले के एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा भी शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से कहना चाहूंगा कि ऊर्जा संचय समागम के सेशन में जो वाइब्रेशन व ऊर्जा थी, उसमें मुझे भी अपने व्यवसायिक जीवन में जो जाने अंजाने गलतियां हुई, वह महसूस हुई। नौकरी के दौर में जो पारिवारिक व सामाजिक जिम्मेदारी छूट जाती है, उनका भी अहसास हुआ कि कई बार हम परिवार व खून के एवं समाज के रिश्तों का ध्यान नहीं रख पाते हैं, उन सभी चीजों का भी अहसास हुआ। उनके लिए भी मैंने क्षमा प्रार्थना की। कई बार दो में से एक कर्तव्य को चुनना पड़ता है। बाद में मंत्र दिया उसमें भी हनुमान जी की शक्ति व संरक्षण महसूस हुआ। प्रदेश में आते रहिए।

मुख्यमंत्री से निवेदन करेंगे कि एक बार प्रदेश में एक बड़ा आयोजन करना चाहते हैं। जिसमें देवभूमि की जनता पर आर्शीवाद बनाए रखें। परिवार के साथ एक बार धाम जरूर आऊंगा।

इस दौरान मुंबई से पहुंची डॉ. आशा आडवाणी ने साधकों से कहा कि वह महिला चिकित्सक हैं। कहा कि हमारे पास गभवर्तती महिलाएं आती हैं। इस बीच वह डिप्रेशन में चली जाती हैं। जिससे कई बार महिला की मौत हो जाती है, लेकिन यदि अस्पतालों में भी महिलाओं को ऊर्जा संचय मेडिटेशन के बारे में बताया जाए तो उससे डिलीवरी महिलाएं तनाव में नहीं जाएगी। इस पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि अब दुनिया को मेडिसन विथ मेडिटेशन की आवश्यकता है। लोगों को

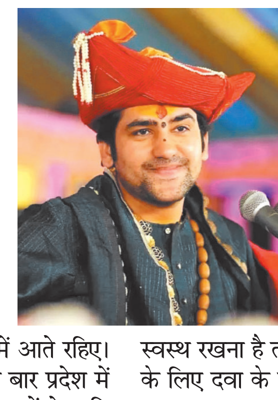

स्वस्थ रखना है तो दवा खा रहे रोगी को निरोगी करने के लिए दवा के साथ ध्यान भी जरूरी है।

वह जल्द प्रयास करेंगे कि जो भी एंगजाईटी, तनाव वाले जो भी लोग है, उनके लिए भी अलग से कम समय के लिए मेडिटेशन के लिए एक शिविर व्यापक रूप से शुरू करेंगे। उसमें बताया जाएगा कि अपनी दवाईयों को कम या बिल्कुल बंद कैसे कर सकेंगे। मेडिशन के दुष्पप्रभाव को मेडिटेशन कम करता है।

इस बार वट सावित्री व्रत पर अद्भुत संयोग, सुहागिनों को मिलेगा 100 गुना ज्यादा फल

रुड़की, एजेंसी। वट सावित्री व्रत पर इस बार सोमवती अमावस्या का अद्भुत संयोग बन रहा है। इस संयोग के बनने से व्रतियों को 100 गुना अधिक फल की प्राप्ति होगी। वट सावित्री व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों के लिए होता है। इस बार यह व्रत 26 मई को रखा जाएगा।

ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को वट सावित्री का व्रत किया जाता है। इस व्रत को करने से सुहागिनों को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। जबकि कुंवारी कन्याओं के इस व्रत को करने से उन्हें सुयोग्य वर की प्राप्ति होती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की परिसर स्थित श्री सरस्वती मंदिर के

आचार्य राकेश कुमार शुक्ल ने के अनुसार इस बार वट सावित्री व्रत 26 मई को सोमवार के दिन है। सोमवार के दिन पड़ने से सोमवती अमावस्या का अद्भुत संयोग बन रहा है। उन्होंने बताया कि इस संयोग के बनने के फलस्वरूप व्रतियों को 100 गुना अधिक फल की प्राप्ति होगी। इस दिन वट वृक्ष की पूजा करने का विधान है।

ऐसा माना जाता है कि जो सौभाग्यवती स्त्री इस दिन वट वृक्ष की पूजा करके उसकी परिक्रमा करती है उसे पति की दीर्घायु प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार वट सावित्री व्रत को करके सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त किए थे। जहां यह व्रत अखंड सौभाग्य देता है वहीं इस व्रत को करने से पितरों को भी प्रसन्नता प्राप्त होती है।

आचार्य राकेश कुमार शुक्ल ने बताया कि 26 मई को वट सावित्री व्रत की पूजा करने का मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 10 मिनट के बाद प्रारंभ होगा।

वट सावित्री व्रत करने के लिए रक्षा सूत्र, रोली, चंदन, सिंदूर, सुपारी, नारियल, दीपक, कलश, इत्र, लाल वस्त्र, मिष्ठान तथा मौसमी फल रखकर वट वृक्ष के पास भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करनी चाहिए। कच्चा सूत्र लपेटते हुए वट वृक्ष की 108 बार परिक्रमा करनी चाहिए।

नशे में कमरे में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। रुद्रपुर में एक युवती ने युवक पर शराब के नशे में कमरे में घुसकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में एक युवती ने युवक पर शराब के नशे में कमरे में घुसकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र निवासी युवती ने थाने में दी तहरीर में कहा कि बीते 12 मई की रात पीलीभीत के थाना जहानाबाद के ग्राम रम्पुरा उझैनिया निवासी दीनदयाल शराब के नशे में उसके कमरे में घुस गया। आरोपी ने डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि दीनदयाल ने उसकी अश्लील वीडियो बना ली थी। पुलिस में शिकायत करने पर वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी। युवती का कहना है कि आरोपी वीडियो का डर दिखाकर उसका शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। एसएचओ मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही तत्काल आरोपी पर केस दर्ज किया गया है। एक टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए यूपी गई है। उसको जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मदरसा शिक्षक का हाल

वेतन 92 हजार फिर भी नहीं लिख सके बृहस्पतिवार

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में मदरसों में पढ़ने वाले कक्षा सात के बच्चों को सप्ताह के सातों दिनों के नाम तक ठीक से नहीं पता है। अफसोस की बात यह है कि बच्चों की इन गलतियों को मदरसे में 92 हजार रुपये के वेतन पर पढ़ाने वाले शिक्षक भी नहीं पकड़ पाए। बृहस्पतिवार कैसे लिखते हैं, यह तक मदरसा के शिक्षक नहीं जानते हैं। इसका खुलासा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की जांच में हुआ है। दो दिन पूर्व जिला अल्पसंख्यक

अधिकारी संजय मिश्रा ने महसी इलाके के मदरसा दारुल उलूम अशरफिया हस्मतुरर्जा का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान जब उन्होंने छात्रों की कापी देखी तो पाया कि कक्षा सात का छात्र अपने हिन्दी की कॉपी में सप्ताह के सात दिनों के नाम तक ठीक से नहीं लिख सका है। उसकी कॉपी को मदरसे में पढ़ाने वाले शिक्षक मौलवी साहब ने जांची तो गलती के बावजूद उन पर सही का निशान लगा मिला। यह देखकर अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी भड़क गए। उन्होंने मौलवी से पूछा कि क्या कॉपी में लिखा बृहस्पतिवार सही है। इस पर मौलवी साहब बगले झांकने लगे।

मौलवी ने बताया 92 हजार रुपये वेतन मिलता है– कई बार सवाल पूछने पर मौलवी साहब ने उंगली से कॉपी पर इशारा करते हुए बताया कि मात्रा इधर से होनी चाहिए, लेकिन जो वह उंगली से बता रहे थे। वह भी गलत था। इस पर अधिकारी ने पूछा कि कितना वेतन पाते हो तो मौलवी ने बताया कि 92 हजार रुपये। इससे हतप्रभ जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने कहा कि इससे खराब क्या हो सकता है कि कक्षा सात का छात्र सप्ताह के सात दिनों के नाम तक ठीक से नही लिख पा रहा है। उन्होंने शिक्षक गुणवत्ता युक्त शिक्षण कार्य के लिए चेतावनी भी जारी की।

भारत-नेपाल सीमा पर पकड़ा गया संदिग्ध

एसएसबी ने पुलिस को सौंपा, की जाएगी पूछताछ

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में शुक्रवार की रात भारत–नेपाल सीमा पर एसएसबी ने एक संदिग्ध को पकड़ा है। उसकी भाषा काफी अजीब है। जो स्थानीय निवासियों से काफी अलग है। एसएसबी ने उसे पुलिस को सौंप दिया है। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उससे पूछताछ की जाएगी। मामला मोतीपुर क्षेत्र का है। यहां भारत–नेपाल सीमा पर एक युवक घूम रहा था। एसएसबी जवानों को शंका

हुई तो उसे रोका। उससे बातचीत करके उसका पता और टहलने का कारण पूछा। इस पर उसने जिस भाषा में जवाब दिया, वह पहले तो किसी को समझ में ही नहीं आई। इस पर शक और गहरा गया। एसएसबी जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। उसकी हालत देखते हुए सुरक्षाबलों ने उसे सुजौली पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। उसके घुसपैठिया होने की आशंका जताई जा रही है। बॉर्डर पर कड़ी कर दी गई है सुरक्षा
दरअसल, नेपाल के रास्ते उत्तर प्रदेश में बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों के घुसपैठ की आशंका से बॉर्डर पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

हिस्ट्रीशीटर को दौड़ाकर मारी गोली

17 मुकदमों के साथ 25 हजार का है इनामी; कारतूस व नकदी बरामद

आजमगढ़, एजेंसी। एसएसपी हेमराज मीणा के निर्देशन में अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार की रात रौनापार थाना क्षेत्र में पुलिस और एक कुख्यात अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई।

इस दौरान 25 हजार रुपये का इनामी और हिस्ट्रीशीटर रवि उर्फ रविशंकर घायल हो गया। उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने तमंचा व कारतूस और 10,100 रुपये नकद व बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की। साथ ही उसे अस्पताल उपचार के लिए भर्ती कराया गया। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रौनापार और

जीयनपुर थाना क्षेत्रों में कई आपराधिक मामलों में वांछित शातिर अपराधी रवि उर्फ रविशंकर बाइक से सुरैना बाजार की ओर आ रहा है।

पुलिस ने किया गिरफ्तार– इस सूचना पर रौनापार थानाध्यक्ष अनुपम जायसवाल और जीयनपुर थानाध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बलपुर लिंक खड़जा मार्ग पर घेराबंदी की। जब पुलिस ने बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, तो उसने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे बाइक फिसल गई। आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। इस दौरान रवि के बाएं पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास– गिरफ्तार आरोपी रवि उर्फ रविशंकर मऊ जनपद के दोहरीघाट थाना क्षेत्र के चिउटी डांड गांव का निवासी है। उसके खिलाफ रौनापार और जीयनपुर थानों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें लूट, चोरी, हत्या का प्रयास और आर्म्स एक्ट से संबंधित धाराएं शामिल हैं।

अलग-अलग सड़क हादसों दो लोगों की हुई मौत, छह घायल; परिजनों में मचा कोहराम

सहारनपुर, एजेंसी। बेहट कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात दो सड़क हादसे में हुए। इनमें एक युवती समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह घायल हुए है। घायलों में पांच बच्चे शामिल है। पहला हादसा रात करीब नौ बजे शाकंभरी देवी रोड पर राधा स्वामी सत्संग भवन के पास हुआ। शाकंभरी देवी की तरफ से तेज गति से आ रही एक कार ने बाइक सवार दूध का काम करने गांव पाजरणा निवासी साजिद (45) पुत्र गफूर को टक्कर मार दी। हादसे साजिद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

दूसरा हादसा दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर गांव सुल्तानपुर माली उर्फ मीरगढ़ के पास हुआ। थाना मिर्जापुर के गांव खेड़ी निवासी शहजाद और उसके परिवार के बच्चे दो बाइकों पर सवार होकर बेहट आ रहे थे। उनकी बाइक से सामने से आ रहे बाइक सवार हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब निवासी समीर टकरा गया। तीनों बाइक और उन पर सवार लोग सड़क पर गिर गए। हादसे में रेशमा (20) पुत्री शहजाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शहजाद का बेटा आरिश (11) व तामिश (9) नाजिया (9) पुत्री खालिक, अरमान (15) व मंतशा (18) पुत्र तासिन और समीर गंभीर रुप से घायल हो गए। सभी घायलों को बेहट सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

गोरखपुर में पत्नी ने पति से वीडियो कॉल पर की बात...

दे दी जान– सऊदी में रहता है शौहर– हुई थी अनबन

गोरखपुर, एजेंसी। गीडा /थाना क्षेत्र के पिपरौली पश्चिम मुहल्ले में किराए के मकान में रह रही महिला ने शुक्रवार की देर रात फंदे से लटक कर आत्महत्या कर लिया। इस दौरान वह पति से वीडियो काल पर बात कर रही थी। पति को जब अनहोनी की आशंका हुई तो उसने पड़ोसी को फोन किया। वह जब तक पहुंचता देर हो चुकी थी। लगभग 1 घंटे बाद फोरेंसिक टीम के पहुंचने के बाद दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया। मृतका की पहचान थाना बड़हलगंज के वार्ड नंबर 8 पुराना गोला की खुशी (28) पत्नी मोहम्मद नदीम अंसारी के रूप में हुई है। नदीम अंसारी रोजगार के सिलसिले में सउदी अरब के मदीना शहर में रहता है। अभी 15 दिन पहले ही वह मदीना गया है। देर रात खुशी ने पति को वीडियो काल किया। वीडियो काल पर ही दोनों के बीच कुछ बहस हुई। मोबाईल रात 10 बजकर 59 मिनट पर काल डिस्कनेक्ट हो गई। उसके बाद खुशी ने खिड़की के पर्दे का फंदा बनाया और पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। उसका शव बिस्तर पर ही लटक रहा था। बिस्तर पर ही उसका 3 वर्ष का मासूम बच्चा सो रहा था। फोन काटने के बाद पति को जब यह एहसास हुआ कि वह फांसी लगा रही है तो उसने पड़ोस में रहने वाले छोटू को घर भेजा। जब छोटू आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो वह फंदे से लटक रही थी। उसी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर गीडा थाने के दरोगा व सिपाही पहुंच गए। लगभग एक घंटे बाद जब थानाध्यक्ष, सीओ व फोरेंसिक टीम पहुंची तब दरवाजा तोड़ा गया और शव को नीचे उतारा गया। फोरेंसिक टीम ने जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जब घर के अंदर गई तो तीन वर्ष के मासूम को पड़ोसी ने गोद में उठाया। उस समय भी वह गहरी नींद में सो रहा था। जांच के दौरान शोर–शराबा सुनकर वह उठ गया और बिस्तर पर बैठकर मां को खोजने लगा। मां को पुकारते हुए रोने लगा। आसपास के लोगों ने उसे चुप कराने की कोशिश की लेकिन चुप नहीं हो रहा था। फिर एक पड़ोसी उसे गोद में लेकर वहां से दूर चला गया। सीओ गीडा रत्नेश्वर सिंह ने बताया कि गीडा क्षेत्र के पिपरौली में एक महिला ने फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बरातियों की कार पलटी, दूल्हे के भाई की मौत- चार घायल

गोरखपुर, एजेंसी। बांसगांव (गोरखपुर)। मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र के अमरपुर जामडीह गांव के पास शुक्रवार की सुबह बरातियों की कार खाई में पलट गई। घटना में एक की मौत हो गई और कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ है। मृतक की पहचान दूल्हे के भाई चंद्रमोल त्रिपाठी उर्फ दीपू (38) के रूप में हुई। वहीं, बांसगांव थाना क्षेत्र के पांडेय तिघरा निवासी किशन पांडेय (30), संदीप प्रजापति (30), भीटी तिवारी निवासी मदन तिवारी (18) और उनके भाई बिशु तिवारी (19) गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, बांसगांव थाना क्षेत्र के ग्राम भीटी तिवारी के आनंद त्रिपाठी के यहां से बृहस्पतिवार की शाम बरात मधुबन थाना के खीरीकोठा गई थी। रातभर वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराने के बाद भोर में बराती वापस लौट रहे थे। उनमें से एक कार मधुबन घोसी मार्ग होते हुए गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन की तरफ जा रही थी। सुबह करीब 6-30 बजे कार अमरपुर जामडीह गांव के पास पहुंची थी कि चालक को अचानक झपकी आ गई। इतने में कार पुलिया की रेलिंग से टकराई और खाई में पलट गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया। चारों की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद बांसगांव के भीटी तिवारी गांव में कोहराम मच गया। शादी वाले घर में मातम छा गया। घर में नई दुल्हन के स्वागत की भव्य तैयारी की गई थी, मौत की चंद्रमोल की मौत की सूचना मिलते सभी दहाड़ मारकर चीखने-चिल्लाने लगे।

सौरभ हत्याकांडः सिलाई कर रही मुस्कान

साहिल कर रहा खेती, जानें जेल में कमाए रुपयों से क्या करेंगे दोनों

मेरठ, एजेंसी। सौरभ की हत्या में जेल में बंद पत्नी मुस्कान रस्तोगी कपड़े सिलने का काम कर रही है, जबकि उसका प्रेमी साहिल खेती कर रहा है। मुस्कान सिलाई के रुपयों से मिलने वाले पैसे से अपना केस लड़ेगी। दोनों हत्यारोपियों की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। अब दोनों निजी वकील कर जमानत कराने के प्रयास में हैं। इंदिरानगर निवासी मुस्कान रस्तोगी ने तीन मार्च को अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। दोनों ने उसके शव को कई टुकड़ों में काटकर एक नीले ड्रम में डाला और ऊपर से सीमेंट का घोल भर दिया था। इसके बाद हिमाचल घूमने चले गए थे। वापस लौटने पर मुस्कान ने अपने परिवार को वारदात के बारे में जानकारी दी थी। परिवार ने ब्रह्मपुरी थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे प्रकरण की जानकारी दी थी। पुलिस ने मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया था। 19 मार्च को दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मुस्कान की जब जेल में तबियत बिगड़ी तो उसका मेडिकल के गायनी वार्ड में अल्ट्रासाउंड कराया गया था, जिसमें उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई थी। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने इस मामले में साहिल और मुस्कान के खिलाफ चार्जशीट लगा दी थी। एएसपी ब्रह्मपुरी अंतरिक्ष जैन ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। अब इस मामले में कोर्ट में सुनवाई चल रही है। जेल में मुस्कान रामायण का पाठ कर रही है। इसके साथ ही उसने सिलाई भी सीख ली है। दरअसल जेल में कपड़ों और फुटबॉल की सिलाई की जाती है, जिससे बंदियों को काम मिलता है, जिसके बदले चेक के माध्यम से बंदियों को पैसे का भुगतान किया जाता है। मुस्कान अपने सरकारी अधिवक्ता के अलावा निजी वकील भी करना चाहती है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डा. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि जेल में साहिल खेती कर रहा है, जबकि मुस्कान सिलाई कर रही है। वह जितना काम करेंगे, उसके हिसाब से भुगतान किया जाएगा।

फर्श पर बाबा साहब व महात्मा बुद्ध की तस्वीरें

आगरा, एजेंसी। दिल्ली गेट स्थित एक नर्सिंग होम की छत के फर्श पर डॉ. आंबेडकर और महात्मा बुद्ध की तस्वीरों वाले टाइल्स लगाने पर आजाद समाज पार्टी ने हंगामा किया। पुलिस से हाथापाई भी हुई। पांच कार्यकर्ताओं को थाने ले आने पर थाने में भी हंगामा हुआ। पुलिस ने तहरीर लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दिल्ली गेट स्थित सरकार नर्सिंग होम की छत पर बाबा साहब और महात्मा बुद्ध की तस्वीरों वाले टाइल्स लगाए गए थे। इस पर लोग गंदगी कर रहे थे। पता चलने पर आजाद समाज पार्टी के महानगर अध्यक्ष शानू मोहम्मद, विक्की आजाद, शशांक बौद्ध, आकाश, विनय, केशव, हैप्पी सहित दर्जनों कार्यकर्ता नर्सिंग होम में पहुंचकर हंगामा करने लगे। उनका कहना था कि साजिशन फर्श पर इन महापुरुषों की तस्वीरों

भड़के अनुयायी...सिपाही को वर्दी पकड़ खींचा

वाले टाइल्स लगाए गए हैं। कहासुनी बढ़ने पर हरीपर्वत थाने की पुलिस पहुंच गई। पुलिस और कार्यकर्ताओं में हाथापाई होने पर पुलिसकर्मी की वर्दी के बटन टूट गए। पुलिस ने पांच कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और उन्हें थाने ले आए। इसके बाद बसपा के जिलाध्यक्ष विमल कुमार, सविता, आमिर उस्मानी, श्याम प्रकाश बोधि समेत दर्जनों आंबेडकर अनुयायी थाने पहुंच गए। हंगामा बढ़ने पर अपर पुलिस आयुक्त रामबदन सिंह, एडीसीपी आदित्य, एसीपी हरीपर्वत विनायक भोंसले ने लोगों को समझाया। कई बार कार्यकर्ताओं से बहस हुई। अधिकारियों ने कहा कि ओछी हरकत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दो घंटे तक चली बहस– आंबेडकर अनुयायियों और पुलिस के बीच करीब दो घंटे तक बहस होती रही। आजाद समाज पार्टी के नेताओं का कहना था कि उनके कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने मारपीट की। पुलिस का कहना था कि कार्यकर्ताओं को समझाने पर वह पुलिस के साथ मारपीट पर उतारू हुए थे। बाद में आजाद समाज पार्टी की ओर से अस्पताल संचालक और वहां काम कर रहे सत्यप्रकाश नामक व्यक्ति के विरुद्ध तहरीर दी गई। देर शाम कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे में विधि के पूर्व छात्र की मौत, सिविल लाइंस में देर रात हुआ हादसा

प्रयागराज, एजेंसी। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हाईकोर्ट हनुमान मंदिर के पास शुक्रवार देर रात सड़क दुर्घटना में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक विधि पुराछात्र की मौत हो गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया। पुराछात्र की पहचान गौतम आनंद (25) निवासी लखीसराय, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। हादसे किस वाहन से हुआ इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जासूसी के आरोप में तुफैल अरेस्ट, पांच करीबियों से पूछताछ करेगी एटीएस; पहलगाम हमले के बाद के मैसेज डिलीट मिले

वाराणसी, एजेंसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार मोहम्मद तुफैल के 19 व्हाट्सएप ग्रुप के पांच मोबाइल नंबर धारकों से एटीएस पूछताछ करेगी। पांचों मोबाइल नंबर से जुड़े लोग तुफैल के सभी व्हाट्स एप ग्रुप में जुड़े हैं। सब जैतपुरा और आदमपुर थाना क्षेत्र में रहते हैं। इनकी गतिविधियां, बातचीत और मेल-मिलाप एटीएस की निगरानी में है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद की कुछ व्हाट्स एप चैट और डेटा तुफैल के मोबाइल फोन से डिलीट हैं। एटीएस डिलीट की गई चैटिंग और डेटा को रिकवर करने का प्रयास कर रही है। यूपी एटीएस ने गुरुवार को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में नवापुरा, हनुमान फाटक निवासी मोहम्मद तुफैल को गिरफ्तार किया था।

फिलहाल वह लखनऊ की जेल में बंद है। एटीएस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि तुफैल गोलगड्डा स्थित एक मदरसे से पढ़ाई कराता था। लगभग 14 साल पहले उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। वह उर्दू का अच्छा और अंग्रेजी का कामचलाऊ जानकार है। तकरीबन सात साल पहले कन्नौज और पंजाब के सरहिंद का भ्रमण करने के दौरान पाकिस्तान के लोगों से उसकी मुलाकात हुई थी।

हम स्तब्ध हैं, एटीएस को जो सही लगे वही करे

तुफैल के ममेरे भाई सकलैन ने बताया कि वह ननिहाल में लगभग आठ वर्ष से रह रहा था। सुबह घर से निकलता था तो देर शाम ही आता था। इस बीच वह मोबाइल फोन से क्या करता था और किसके संपर्क में रहता था, हमें नहीं पता था। एटीएस जब उसके आरोपों के बारे में बता कर उसे गिरफ्तार किया तो हम लोग स्तब्ध रह गए। हमने एटीएस से सिर्फ यही कहा कि जो सही हो आप वही करें। हमारी ओर से कोई रोक–टोक नहीं है। हम देश विरोधी किसी करतूत का समर्थन नहीं करेंगे। हम लोग उसकी करतूत से शर्मिंदा हैं। पाकिस्तान में न हमारा कोई रिश्तेदार है और न वहां से हमारा कोई लेना–देना है। अगर तुफैल देश विरोधी गतिविधि में संलिप्त है तो उसे कठोर सजा मिले। देश विरोधी गतिविधि में शामिल व्यक्ति को हम अपने घर में भी जगह नहीं देंगे।

तुफैल के घर के बाहर फोटो जलाया– नवापुरा, हनुमान फाटक स्थित ननिहाल में तुफैल रहता था। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में उसकी गिरफ्तारी की सूचना पाकर शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने उसके घर के सामने प्रदर्शन किया। उसका फोटो जलाकर लोगों ने पाकिस्तान और आतंकवाद विरोधी नारे लगाए। संदीप सिंह और हिमांशु सहित अन्य स्थानीय लोगों ने कहा कि देश विरोधी कृत्य में शामिल लोगों के घर पर बुलडोजर चलना चाहिए।

व्हाट्सएप ग्रुप पर लिखा... जो सच्चा मुसलमान इस अन्याय को कभी नहीं भूलेगा– एटीएस के मुताबिक, तुफैल अपने व्हाट्स एप ग्रुप पर इस बात की वकालत करता था कि पाकिस्तान ही नहीं हिंदुस्तान के अलावा पूरी दुनिया को इस्लाम और शरिया कानून ही सही राह दिखा सकता है। बाबरी विध्वंस के विरोध में वीडियो शेयर कर वह अपने व्हाट्स एप ग्रुप्स पर कहता था कि जो सच्चा मुसलमान इस अन्याय को कभी नहीं भूलेगा। अल्लाह एक दिन मौका जरूर देगा।

मौलाना साद की तरह ही मजलिसों में तकरीर करता था तुफैल– एटीएस के मुताबिक, तुफैल इस्लामी चरमपंथी दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के नेता मौलाना साद रिजवी की तकरीरों का कट्टर समर्थक बन गया। वह मौलाना साद की तरह ही मजलिसों में तकरीर करता था। मौलाना साद का भाषण सुनने के लिए उसे एक पाकिस्तानी हैंडलर ने पंजाब के सरहिंद में प्रेरित किया।

इसके बाद तुफैल को पाकिस्तान के अलग-अलग व्हाट्स एप ग्रुप से जोड़ा गया था। हालांकि उस पाकिस्तान हैंडलर की तुफैल से मुलाकात या वीडियो चैट नहीं हुई है।

सरपंच दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की हनुमानगढ़ टीम ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत मोकलसर पंचायत समिति सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर के सरपंच गणेशाराम गोदारा को प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करवाने की एवज दस हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी हनुमानगढ़ टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिता के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करवाने की एवज में सरपंच गणेशाराम 12 हजार रूपये रिश्वत मांग रहा है। जिस पर एसीबी हनुमानगढ़ की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुधा पालावत के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सरपंच गणेशाराम गोदारा को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

कैम्पर-ट्रक की भिड़ंत में वनकर्मी समेत चार लोगों की मौत

जैसलमेर। जिले के पोकरण क्षेत्र में शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में वन विभाग के एक कर्मचारी सहित चार लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग हिरण के शिकार की सूचना मिलने पर उसे बचाने के लिए निकले थे। हादसा रात में लाठी थाना क्षेत्र में हुआ, जब इनकी कैम्पर गाड़ी की आमने-सामने से एक ट्रक से भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और सभी लोग उसमें फंस गए। चारों शवों को निकालने के लिए क्रेन की मदद लेनी पड़ी। हादसे में राधेश्याम विश्नोई, श्याम प्रसाद विश्नोई, कंवराज सिंह भाटी और वन विभाग के कर्मचारी सुरेंद्र चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। राधेश्याम विश्नोई जैसलमेर में वन्यजीव संरक्षण के लिए सक्रिय थे और अब तक 1000 से ज्यादा हिरणों को बचा चुके थे। उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था, जिनमें ÷सेंचुरी एशिया यंग नेचरिस्ट अवॉर्ड÷ भी शामिल है। उनके साथी श्याम प्रसाद रिटायर्ड फौजी थे और कंवराज सिंह भादरिया गोशाला में कार्यरत थे। सुरेंद्र चौधरी बालोतरा के निवासी थे और एक साल पहले ही लाठी रेंज में वन रक्षक के पद पर नियुक्त हुए थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने गाड़ी का अगला हिस्सा काटकर शवों को बाहर निकाला और पोकरण अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद गांव और आसपास के इलाके में मातम पसरा हुआ है।

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी की चल संपति कुर्क करने का आदेश

जोधपुर। वाणिज्यिक न्यायालय संख्या 2 जोधपुर ने युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी की चल संपति कुर्क करने का आदेश दिया है। लेरिया आर्ट पैलेस को वर्ष

2015 में भीषण अग्निकांड में हुए नुकसान की आधी अधूरी भरपाई के बाद दायर वाद में वाणिज्यिक न्यायालय और हाइकोर्ट के फैसले के बाद बीमा कंपनी की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज होने के बावजूद वादी डिक्रीडर को 2 करोड़ 32 लाख 85 हजार 864 रुपये का भुगतान 27 मई तक नहीं करने पर 28 मई को बीमा कंपनी की चल संपति कुर्क करने का आदेश वाणिज्यिक न्यायालय ने जारी किया।

आठ जिलों में लगेंगे 125 पशु चिकित्सा अधिकारी

जयपुर। पशुपालन विभाग जल्द ही प्रदेश के आठ जिलों में 125 पशु चिकित्सा अधिकारी व 500 पशुधन निरीक्षकों की अस्थाई आधार पर भर्ती करेगा। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को 31 मई-2025 को पशुधन परिसर, गांधी नगर मोड़, टोंक रोड़, जयपुर में आवेदन पत्र मय मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होना होगा। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि आवश्यक अस्थाई आधार पर पशु चिकित्सा अधिकारी एवं पशुधन निरीक्षक भर्ती-2025 की जाएगी। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग में जोधपुर, फलौदी,

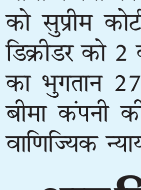

बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, पाली, सिरोही एवं जालौर जिले में पशु चिकित्सा अधिकारी व पशुधन निरीक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। पशु चिकित्सा अधिकारी को 56100 रुपये व पशुधन निरीक्षक को 26300 रुपये प्रतिमाह फिक्स वेतन दिया जाएगा। यह नियुक्ति तीन माह अथवा राजस्थान लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थी को उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी। दोनों पदों के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 31 मई-2025 को जयपुर कार्यालय पशुधन परिसर में सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक आवेदन पत्र के साथ मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। उन्होंने बताया कि जिला बालोतरा व फलौदी के लिए आवेदन क्रमश÷ जिला संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग बाड़मेर एवं जोधपुर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

पुलिस कमिश्नरेट में साइबर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत

जयपुर। साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने सहित ऑनलाइन खतरों की बढती चुनौतियों को निपटने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में शनिवार से राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू किया गया है। इस सेंटर में साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों की मदद की जाएगी। वहीं साइबर अपराध से कई बार महिलाएं और बच्चे परेशान होकर अवसाद में चले जाते हैं। ऐसे में यह सेंटर इस तरह के पीड़ितों की काउंसलिंग करने में मदद करेगा। साथ ही ट्रोमा से बाहर निकालने में मददगार साबित होगा। राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, पुलिस महानिदेशक साइबर (अपराध) हेमंत प्रियदर्शी ने इस सेंटर की शुरुआत की है। यह सेन्टर मुम्बई स्थित एनजीओ रेस्पोंसिबल नेटिजन्स द्वारा संचालित किया जाएगा और कोगटा फाउंडेशन इसमें आर्थिक सहयोग करेगा। यह सेंटर ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए लोगों को मुकाबला करने, साइबर अपराधों के पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान करने और साइबर सेफ जयपुर अभियान के अंतर्गत साइबर वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।

साइबर अपराध से सबसे अधिक दो चार हो रहे हैं बच्चे: साइबर क्राइम और उससे जुड़े आंकड़ों पर काम कर रही टीम ने बताया कि साइबर स्पेस का

उपयोग करने वाले तीन में से एक बच्चे को ऑनलाइन बुलिंग का सामना करना पड़ता है। 70 प्रतिशत बच्चों को साइबर खतरों का हर स्टेज पर सामना करना पड़ा है। साइबर अपराध के 30 प्रतिशत मामले महिलाओं को लक्षित करते हैं। एनसीआरबी. के आंकड़ों के अनुसार फाइनेंस साइबर अपराध के मामलों में 24.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। अकेले साइबर धोखाधड़ी के कारण 2024 में 2054 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। राजस्थान में हर साल लगभग 3000 साइबर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इनमें से 47.25 प्रतिशत पैसों से जुड़ा अपराध है। 30.16 प्रतिशत यूपीआई. घोटाले से सम्बन्धित है। 12 प्रतिशत सोशल मीडिया से सम्बन्धित है। 11 प्रतिशत यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित है। साइबर अपराधों में लोगों ने पिछले तीन साल में 1581 करोड़ रुपये गवा दिए। समय पर हस्तक्षेप के कारण पुलिस 676 करोड़ रुपये होल्ड करा सकी है। साइबर हेल्पलाइन पर साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग और अन्य प्रकार से परेशान किया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं के शिकार होने के बारे में हर दिन लगभग 10/15 कॉल आते है।

साइबर सेफ जयपुर का उद्देश्य

साइबर बुलिंग, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग, रिवेंज पोर्न और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी सहित ऑनलाइन संकट के पीड़ितों को मुफ्त मनोवैज्ञानिक, कानूनी और तकनीकी सहायता प्रदान करना। शिक्षा, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से साइबर अपराधों के जोखिम को कम करने के लिए उपाय अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना। इंटरनेट की लत,ऑनलाइन उत्पीड़न या साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक प्रभावों से पीड़ित व्यक्तिओं के लिए उपचार की सेवा प्रदान करना। एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी एजेंसियों, कानून प्रवर्तन और कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से साइबर कल्याण की वकालात करना।

अंधड़ व तूफान ने गुल की निगम की बत्ती, 23 दिन में सवा दो करोड़ से ज्यादा का नुकसान

चित्तौड़गढ़। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए मई माह काफी खराब गुजरा है। बेमौसम हो रही बरसात के साथ अंधड़ एवं तूफान के कारण निगम को सवा दो करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। यह नुकसान का आंकलन 23 दिन का है। इन 23 दिन में रुक-रुक कर हो रही बरसात एवं तूफान ने निगम की बत्ती गुल कर दी है। इसके बावजूद भी निगम के अधिकारियों एवं स्टाफ ने हार नहीं मानी है तथा जिन क्षेत्रों में नुकसान हुआ है वहां तत्काल राहत के कार्य शुरू करवा दिए गए। इससे किसी भी क्षेत्र में बिजली ज्यादा समय बंद नहीं रही है। उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिले में इस माह कई बार मौसम में बदलाव हुआ है। बेमौसम बरसात हुई है। लेकिन बड़ी बात यह रही कि बरसात के दौरान तेज हवाएं चली और अंधड़ भी आया। इसलिए बेमौसम बरसात ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को चित्तौड़गढ़ जिले में काफी नुकसान दिया है। वहीं गुरुवार शाम की ही बात करें तो जिले के कई क्षेत्रों में नुकसान की सूचना है। इसमें मुख्य रूप से निंबाहेड़ा, बड़ीसादड़ी, भदेसर, सावा, मांगरोल, डूंगला आदि क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान हुआ है। कई जगह विद्युत पोल और उपकरण जमीन पर जा गिरे। निगम के सूत्रों की माने तो जिले में करीब 23 दिन में दो करोड़ 36 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। वहीं

सबसे बड़ी बात यह रही कि जहां भी अंधड़ से निगम के उपकरण क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली, तत्काल वहां कार्य शुरू करवाने का प्रयास किया। इससे कि जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति चलती रहे। फिर भी कहीं-कहीं फाल्ट के कारण दिक्कत जरूर हुई है।

सैकड़ों पोल गिरे, 193 डीपी स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त

अजमेर विद्युत वितरण निगम के चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में इन 22 दिनों में सैकड़ों विद्युत पोल गिरे तथा कई उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। गत 22 दिनों में 33 केवी के 12 पोल, 11 केवी के 598 पोल, एलटी लाइन के 266 पोल, थ्री फेस के 105 ट्रांसफार्मर, सिंगल फेज के 83 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रत हुए। वहीं कुल 193 डीपी स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गए। इसमें से कुछ विद्युत पोल टेढ़े हुए तो अधिकांश जमीन पर जा गिरे। ट्रांसफार्मर तक जमीन पर गिर कर क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इतना नुकसान होने के बाद भी कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

एक दिन में यह हुआ नुकसान

जिले में सबसे ज्यादा एक दिन में विद्युत निगम को सर्वाधिक नुकसान गुरुवार को ही हुआ है। अधीक्षण अभियंता कार्यालय से सभी जगह से नुकसान के बारे में जानकारी जुटाई है। इसमें सामने आया कि 33 केवी के पांच पोल, 11 केवी के 141 पोल, एलटी लाइन के 69 पोल क्षतिग्रस्त हुए। थ्री फेस के 37 तथा सिंगल फेज के 13 ट्रांसफार्मर नीचे गिरे और 74 डीपी स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गए। एवीएनएल चित्तौड़गढ़ के अधीक्षण अभियंता आरएस यादव ने बताया कि जिले में गत 23 दिनों में अंधड़ के कारण निगम को काफी नुकसान पहुंचा है। क्षतिग्रस्त उपकरणों की जानकारी जुटाई है तथा नुकसान का आंकलन निकाला जा रहा है। अंधड़ से जहां भी नुकसान हुआ वहां तत्काल मरम्मत करवा कर विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया है। निगम को जो शिकायतें प्राप्त हुई वहां पर कार्य शुरू कर दिए।

तालाब ना नाला, मड़ावदा में सड़क पर आए मगरमच्छ को देख दहशत में आए ग्रामीण

चित्तौड़गढ़। जिले के बेगूं उपखंड क्षेत्र में स्थित आंवलहेड़ा ग्राम पंचायत के मड़ावदा गांव में शुक्रवार रात को ग्रामीण दहशत में आ गए। साक्षात मौत उन्हें सड़क पर दिखाई दी। यहां एक मगरमच्छ कहीं से मुख्य सड़क पर आकर बैठ गया। इसे देख कर यहां से

गुजर रहे ग्रामीण दहशत में आ गए थे। बाद में कुछ युवक भी पहुंचे, जिन्होंने वन विभाग को भी सूचना की। अपने स्तर पर ही मगरमच्छ को काबू पाया। बाद में इस मगरमच्छ को वन विभाग को सौंपने की तैयारी की। जानकारी के अनुसार बेगूं उपखंड क्षेत्र की आंवलहेड़ा ग्राम पंचायत में मडावदा गांव स्थित है। रात्रि में करीब 10 बजे कुछ ग्रामीण गांव की मुख्य सड़क पर बाइक लेकर जा रहे थे। लेकिन दूर से ही बाइक की रोशनी में मगरमच्छ को देख कर ठिठक गए। एक बार तो चिंता की लकीरें उबर गई कि कहीं मगरमच्छ हमला नहीं कर दे। वहीं थोड़ी देर में मौके पर कई राहगीर एवं ग्रामीण एकत्रित हो गए। मगरमच्छ ने ग्रामीणों को चिंतित कर दिया। सूचना मिलने पर ग्राम पंचायत प्रशासक प्रतिनिधि नीलेश चतुर्वेदी, पूर्व छात्र अध्यक्ष रोहित धाकड़ टीम जीवनदाता चित्तौड़गढ़ के संस्थापक धीरज धाकड़, शिवलाल धाकड़, लालचंद धाकड़, जयराज धाकड़, सूरज, बाबू, दिनेश, रमेश सहित कई युवक मौके पर एकत्रित हो गए। पहले तो एक दूसरे को फोन कर के यातायात को रुकवाया। वैसे ही रात का समय होने के कारण लोगों की आवाजाही कम थी। बाद में रस्सी डाल कर मगरमच्छ को काबू कर एक दीवार की तरफ ले गए। बाद में वन विभाग को सूचना दी गई। इस संबंध में टीम जीवनदाता के धीरज धाकड़ ने बताया कि आस-पास कोई नदी, नाला या तालाब नहीं है। मगरमच्छ कहां से आया उसका पता नहीं चल पाया। मगरमच्छ को देख कर ग्रामीण दहशत में आ गए। इस संबंध में वन विभाग को सूचना दी है। गनीमत रही कि मगरमच्छ ने किसी पर हमला नहीं किया।

नहीं दिखा दुर्ग की तलहटी में ओझल हुआ भालू

इधर, चित्तौड़ दुर्ग की तलहटी में एक दिन पूर्व भालू दिखाई दिया था। करीब 24 घंटे निकलने के बाद भी भालू नहीं दिखा। दुर्ग के सूरजपोल क्षेत्र में भालू को कोई हलचल नहीं दिखी। वन विभाग की टीम पूरे दिन तलाश करती रही। साथ ही दुर्ग के निवासियों और सूरजपोल के ग्रामीणों को अलर्ट किया है कि अकेले जंगल के क्षेत्र में नहीं जाए।

शराब छुड़वाने के बहाने परिवार को बहलाकर कराया धर्म परिवर्तन, पीड़ित युवक ने लगाया आरोप

अजमेर। शहर के एक युवक ने पादरी पर शराब की लत छुड़वाने के बहाने परिवार को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत मिलने के बाद अजमेर पुलिस भी हरकत में आ गई है और जांच में जुट गई है। शहर में एक

युवक ने पादरी पर उसके परिवार को बहला-फुसलाकर धर्मांतरण के लिए मजबूर करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित युवक ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में इस संबंध में लिखित शिकायत दी है, जिसमें उसने पादरी द्वारा धार्मिक आस्थाओं के साथ छेड़छाड़ और प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाने की बात कही है। फॉयसागर रोड निवासी युवक का कहना है कि उसकी शराब की लत छुड़वाने के बहाने पादरी ने उससे संपर्क साधा। कुंदन नगर में रहने वाले उक्त पादरी से मिलने पर उसने युवक को एक दवा जैसा पेय पिलाया और यीशु मसीह से प्रार्थना करने को कहा। इसके बाद युवक पादरी के कहने पर हर रविवार बाइबल सेंटर जाने लगा। धीरे-धीरे पादरी ने युवक की पत्नी से भी संपर्क करना शुरू किया। युवक का आरोप है कि एक दिन जब वह घर पर नहीं था, तो पादरी ने उसकी पत्नी से देवी-देवताओं की तस्वीरें हटवा दीं और पूजा-पाठ बंद करवा दिया। इसके अलावा अगरबत्ती जलाने से भी मना कर दिया। शिकायत में युवक ने यह भी कहा कि पादरी ने उसकी पत्नी और साली को हिंदू धर्म के खिलाफ भड़काया। नतीजतन उसकी साली ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया और अब पादरी उसकी पत्नी और बच्चों पर भी धर्मांतरण का दबाव बना रहा है। पीड़ित ने पादरी पर आरोप लगाया कि वह पहले भी कई लोगों को शराब छुड़ाने, टोने-टोटके दूर करने और आर्थिक मदद का लालच देकर ईसाई बना चुका है।

हर रविवार वह कई लोगों को बाइबल सेंटर बुलाकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस मामले को लेकर अजमेर पुलिस भी हरकत में आ गई है। एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि पीड़ित की शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि धार्मिक आधार पर किसी भी प्रकार का जबरन परिवर्तन या आस्था से खिलवाड़ भारतीय कानूनों के तहत दंडनीय अपराध है। अब देखना यह है कि जांच में क्या निष्कर्ष निकलता है और पुलिस की कार्रवाई किस दिशा में जाती है।

हिस्ट्रीशीटर तेजपाल ने डंपर चालक को JCB से लटकाकर बेरहमी से पीटा, जख्मों पर नमक-पानी भी छिड़का

जयपुर। घटना को लेकर गांव वालों का कहना है कि तेजपाल सिंह का क्षेत्र में जबरदस्त खौफ है। कोई भी उसके खिलाफ खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं करता। अब जब यह मामला सामने आया है और वीडियो भी वायरल हो चुका है, तब भी पुलिस की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। राजस्थान के ब्यावर जिले के रायपुर थाना क्षेत्र से

एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। इस घटना ने न केवल क्षेत्र में कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है, बल्कि यह भी बताया है कि कैसे कुछ अपराधी पुलिस और प्रशासन के ऊपर हावी हो चुके हैं। गुड़िया गांव में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर तेजपाल सिंह उदावत द्वारा एक डंपर चालक को जेसीबी से लटकाकर घंटों तक अमानवीय रूप से पीटने का मामला प्रकाश में आया है। यह घटना दो से तीन दिन पुरानी बताई जा रही है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि स्थानीय थाना प्रभारी को इसकी जानकारी तक नहीं थी। जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला डीजल चोरी के शक से जुड़ा है। लेकिन जिस तरह से चालक को प्रताड़ित किया गया, उसने मानवता को शर्मसार कर दिया। आरोपी तेजपाल सिंह ने पहले डंपर चालक को अपने फार्म हाउस पर बुलाया, फिर उसे जंजीरों से जेसीबी में बांधकर लटका दिया। इसके बाद करीब दो से तीन घंटे तक लगातार उसकी बर्बरता से पिटाई की गई। इस दौरान पीड़ित के शरीर पर पानी और नमक भी छिड़का गया, जिससे उसे और अधिक दर्द हो। इस अमानवीय मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है। गौरतलब है कि तेजपाल सिंह कोई नया अपराधी नहीं है, बल्कि उसका आपराधिक इतिहास काफी पुराना और गंभीर है। वह बजरी के अवैध खनन, जबरन वसूली, मारपीट, धमकी, और सरकारी काम में बाधा जैसे कई मामलों में संलिप्त रह चुका है। वह कई बार जेल भी जा चुका है। इतना ही नहीं कुछ समय पहले उसका एक और वीडियो सामने आया था, जिसमें वह पुलिस थाने में बैठकर खुद पूछताछ करता नजर आया था। मानो वह खुद ही कोई अफसर हो। यह दर्शाता है कि कैसे वह पुलिस तंत्र को भी प्रभावित करता रहा है। गांव वालों का कहना है कि तेजपाल सिंह का क्षेत्र में जबरदस्त खौफ है। कोई भी उसके खिलाफ खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं करता। अब जब यह मामला सामने आया है और वीडियो भी वायरल हो चुका है, तब भी पुलिस की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। थाना प्रभारी की इस मामले से अनभिज्ञता यह दर्शाती है कि या तो उन्हें सूचना नहीं दी गई या जानबूझकर मामले को नजरअंदाज किया जा रहा है।

एसएमएस में गलत खून चढ़ाने से हुई प्रसूता की मौत, महिला की मेडिकल फाइल भी अस्पताल से गायब

जयपुर। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में एक बार फिर एक महिला को गलत ब्लड चढ़ाने का मामला सामने आया है। अस्पताल की इस लापरवाही के चलते प्रसूता की मौत हो गई। राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएमएस में एक बार फिर ऐसी लापरवाही सामने आई है, जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। अस्पताल में 11 दिन से भर्ती महिला को गलत ब्लड चढ़ाने से उसकी मौत हो गई। हैरान करने वाली बात ये है कि अब उस महिला की मेडिकल फाइल तक अस्पताल में मौजूद नहीं है। मौजूदा मामला न सिर्फ लापरवाही की कहानी है, बल्कि पूरे सिस्टम की सड़ांध की गवाही देता है। जब भास्कर ने इस मामले की तह

तक जाने की कोशिश की तो सामने आया कि मौत के 35 घंटे बाद भी अस्पताल प्रशासन यह तय नहीं कर पाया कि गलती किसकी थी, ड्यूटी पर कौन था और किसने ब्लड चढ़ाया। सबके पास एक ही जवाब था कि महिला सीरियस थी। दरअसल हकीकत ये है कि अस्पताल में ब्लड चढ़ाने की प्रक्रिया में कई स्तर पर जांच और पुष्टि होनी चाहिए। रेजिडेंट डॉक्टर और नर्स को मिलकर यह देखना होता है कि जो ब्लड मंगवाया गया है, वही ब्लड मरीज को चढ़ाया जा रहा है या नहीं लेकिन सिस्टम की खामियां इतनी हैं कि जवाबदेही कहीं तय ही नहीं होती। ब्लड बैंक में 70 प्रतिशत स्टाफ ठेके पर है, जिसके पास यदि पर्ची आई तो एंट्री की और बिना पुष्टि के ब्लड दे दिया गया। जिसे ब्लड वार्ड तक पहुंचाना होता है, वह वार्ड बॉय भी ठेके पर ही है। यानी पूरी जिम्मेदारी एक ऐसे ढांचे पर टिकी है, जहां न कोई स्थायित्व है, न जवाबदेही। यह कोई पहला मामला नहीं है। फरवरी 2024 में 23 साल के सचिन को गलत ब्लड चढ़ाया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। दिसंबर में भरतपुर का 10 साल का मुस्तफा भी इसी लापरवाही का शिकार हुआ और अब यह प्रसूता, जिसकी मौत को पहले छुपाने की कोशिश हुई और अब उसकी फाइल तक गायब कर दी गई। मानवाधिकार आयोग ने इस गंभीर मामले पर संज्ञान लिया है। आयोग ने एसएमएस के अधीक्षक और प्राचार्य को नोटिस जारी कर 12 जून तक तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। साथ ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया है लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ एक और जांच कमेटी इस मौत का जवाब दे पाएगी? या फिर कार्रवाई की घोषणा से कर्तव्य की इतिश्री हो जाएगी।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक भेजें ऑनलाइन नामांकन

● डीसी अमरजीत सिंह ने शिक्षा, महिला एवं बाल विकास और अन्य विभागों को दिए निर्देश

हमीरपुर। साहसिक कार्यों, खेलों, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और समाज सेवा सहित 6 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से इस वर्ष भी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, शिक्षा विभाग और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अगर उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कारों के लिए जिला में किसी योग्य बच्चे का पता चलता है तो तुरंत उसके नाम की संस्तुति राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड्स.जीओवी.इन पर अवश्य भेजें। उपायुक्त ने सभी जिलावासियों से भी अपील की है कि अगर उनके क्षेत्र में किसी भी बच्चे ने साहसिक कार्यों, खेलों, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य किया है तो उससे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन करवाएं।

सभी मानकों में शिमला को अग्रणी जिला बनाने के लिए तत्परता से कार्य करें अधिकारी : उपायुक्त

शिमला। जिला सुशासन सूचकांक (गुड गवर्नेंस) को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह सुशासन और विकास से संबंधित सभी मानकों में शिमला को अग्रणी जिला बनाने के लिए तत्परता के साथ कार्य करें। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 से संबंधित डीजीजीआई के आंकड़ों पर व्यापक चर्चा की गई। जिला सुशासन सूचकांक में आठ मूल विषय जैसे - आवश्यक बुनियादी ढांचा, मानव विकास, सामाजिक संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, कानून व्यवस्था, पर्यावरण, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और आर्थिक प्रदर्शन आदि शामिल किए गए हैं। इनके अंतर्गत 19 मुख्य केंद्र बिंदुओं एवं 128 संकेतकों के आधार पर सभी जिला के प्रदर्शन का आकलन किया जाता है और इन इंडीकेटर्स के आधार पर राज्य स्तर पर जिला की रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन इंडीकेटर्स में सुधार की गुंजाइश है उनमें अतिरिक्त प्रयास कर प्रतिशतता को बढ़ाया जाए। विभिन्न विभागों की ओर से प्राप्त वर्ष 2024-25 के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि कई विभागों के आंकड़ों की अभी समीक्षा करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, इस बार जिला सुशासन सूचकांक में कुछ अतिरिक्त संकेतक भी शामिल किए गए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, जल शक्ति विभाग, लोक निर्माण, उद्योग, श्रम एवं रोजगार, राजस्व विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वह इन आंकड़ों को तुरंत अपडेट करवाएं। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस में कुछ सूचकांकों में अतिरिक्त प्रयास कर इसे और बेहतर बनाया जा सकता है।

एसजेवीएन ने अरुण-III एचईपी के लिए डीवीसी के साथ विद्युत बिक्री करार पर हस्ताक्षर किए

शिमला। एसजेवीएन ने नई दिल्ली में अपनी 900 मेगावाट क्षमता वाली अरुण-III जलविद्युत परियोजना से विद्युत की आपूर्ति के लिए दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के साथ विद्युत बिक्री करार (पीएसए) हस्ताक्षरित किया। इस पीएसए के अंतर्गत प्रतिबद्ध बिजली की मात्रा 200 मेगावाट है।

श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, (अतिरिक्त प्रभार), श्री सुशील शर्मा, निदेशक (परियोजनाएं), श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक), एसजेवीएन और श्री संजीव श्रीवास्तव, ईडी, डीवीसी की गरिमामयी उपस्थिति में पीएसए पर हस्ताक्षर किए। श्री आर.के. गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (पावर ट्रेडिंग), एसजेवीएन और श्री समित मंडल, वरिष्ठ महाप्रबंधक (वाणिज्यिक), डीवीसी ने करार पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एसजेवीएन और डीवीसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

900 मेगावाट की अरुण-III जलविद्युत परियोजना नेपाल के संखुवासभा जिले में एसजेवीएन द्वारा अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थ कंपनी एसजेवीएन अरुण-3 पावर डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एसएपीडीसी) के माध्यम से विकसित की जा रही है। कमीशन होने पर यह परियोजना 900 मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादित करेगी और देश की बढ़ती विद्युत की मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। परियोजना के वित्तीय वर्ष 2027-28 तक कमीशन होने की संभावना है। एसएपीडीसी भारत और नेपाल के मध्य एक महत्वपूर्ण सहभागिता है इसका उद्देश्य अरुण नदी बेसिन में निरंतर जल विद्युत उत्पादन के माध्यम से क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

मंडी में 25 मई को आयोजित होगी यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025

मंडी। अतिरिक्त उपायुक्त मंडी रोहित राठौर ने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2025 का आयोजन 25 मई (रविवार) को जिला मुख्यालय मंडी में किया जाएगा। इस परीक्षा के लिए तीन परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (बॉयज) मंडी उपकेंद्र-001, वल्लभ कॉलेज मंडी उपकेंद्र-002 तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (गर्ल्स) मंडी उपकेंद्र-003 शामिल हैं। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। प्रथम सत्र प्रातः 9ः30 बजे से 11ः30 बजे तक और द्वितीय सत्र दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक होगा। इस परीक्षा में कुल 576 परीक्षार्थी भाग लेंगे।

रोहित राठौर ने सभी परीक्षार्थियों को निर्देश दिए है कि वे निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना सुनिश्चित करें। परीक्षा आरंभ होने से 30 मिनट पूर्व केंद्रों के गेट बंद कर दिए जाएंगे, जिसके पश्चात किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को अपना ई-एडमिट कार्ड अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। बिना ई-एडमिट कार्ड के किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ियाँ, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर एवं अन्य किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण लाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। सभी परीक्षार्थियों से उन्होंने आग्रह किया है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं अनुशासित रूप से परीक्षा में सम्मिलित हों।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से की भेंट

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गत सायं नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट की। मुख्यमंत्री ने राज्य से संबंधित विभिन्न बजटीय और वित्तीय मामलों से केंद्र सरकार को अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री ने तुर्की से आयातित सेब के मामले पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सहित देश के सेब उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए सेब पर आयात शुल्क में एक सर्वव्यापी वृद्धि के लिए भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री से हिमाचल और अन्य विशेष श्रेणी राज्यों की उधार सीमा को कम से कम दो प्रतिशत बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने राज्य में राजकोषीय प्रबंधन में सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों और कई

वित्तीय बाधाओं के बावजूद वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी दी। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह और प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार उपस्थित थे।

पोस्टर मेकिंग में डिंपल और नारा लेखने ने झटका प्रथम स्थान

चियोग स्कूल में मनाया जैव विविधता दिवस

शिमला। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चियोग में

अंतर्राष्टीय जैव विविधता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जैव विविधता पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में 12वीं की छात्रां डिंपल ने प्रथम, प्लस वन की अंजलि ने द्वितीय और 9वीं की छात्रा मेशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि इसी प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में 7वीं कक्षा के छात्र आदित्य नेगी ने प्रथम, 8वी कक्षा के अर्नव ने द्वितीय और पवित्रा थापा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार नारा लेखन में 11वीं की छात्र अवंतिका प्रथम स्थान रही । जबकि कनिष्ठ वर्ग के नारा लेखन में उत्कृष ने प्रथम, शैलजा ने द्वितीय और आरब ने तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य संदीप कुमार शर्मा ने की । उन्होने जैव विविधता से जुड़े हर पहलू बारे विद्यार्थियों को जानकारी दी । उन्होने प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया । इस मौके पर इको क्लब प्रभारी सैवंता चौहान ने भी अपने विचार रखे । कार्यक्रम में सभी अध्यापक एवं छात्र मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ऊना जिला के तीन दिवसीय प्रवास पर, विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे शिलान्यास और लोकार्पण

ऊना। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री 26, 27 और 28 मई को ऊना जिला के तीन दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ऊना जिला में विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण और ऊना में चल रहे विकास कार्यों का फील्ड निरीक्षण करेंगे। यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उप मुख्यमंत्री 26 मई सोमवार को सायं 4 बजे घरवासड़ा में शहीद नायक दिलवर खान (कीर्ति चक्र) के सम्मान में आयोजित शहीद सम्मान समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 27 मई को मुकेश अग्निहोत्री सुबह 10 बजे नाबार्ड के तहत निर्मित होने वाली गोंदपुर बेहली से बाथू गुरूपलाह सड़क के चौड़ीकरण और सुधारीकरण सहित गोंदपुर जयचंद खड्ड पर बनने वाले पुल, उमराली-धालीवाल-हीरां-थहड़ा-पूबोवाल से पोलियां वाया कुठारबीत लिंक रोड़ के अपग्रडेशन कार्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलोह (लेवल-दो) और गौ अभ्यरण नगनोली का शिलान्यास करेंगे।

इसके साथ ही गोंदपुर जयचंद में रेन शेल्टर, गोंदपुर बुल्ला में उद्योग विभाग के व्यवसाय संवर्धन केंद्र, पंचायत घर बाथू, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठारबीत (लेवल-दो), हरोली बस अड्डा और रेन शेल्टर बढ़ेड़ा का उद्घघाटन करेंगे। इसके अतिरिक्त 28 मई को ऊना में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का फील्ड निरीक्षण करेंगे। उप मुख्यमंत्री का रात्रि ठहराव गोंदपुर जयचंद में रहेगा।

ऊना नगर निगम में गरीबों के पक्के घर का सपना होगा साकार

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 में पहले चरण में अब तक मिले 114 आवेदन

ऊना। ऊना नगर निगम क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर शहरी परिवारों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत उन्हें पक्के घर का सपना साकार करने का सुनहरा अवसर मिला है। योजना के पहले चरण में अब तक 114 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 90 से अधिक आवेदन हाल ही में नगर निगम क्षेत्र में शामिल क्षेत्रों से प्राप्त हुए हैं। नगर निगम ऊना के संयुक्त आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में इच्छुक पात्र परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के यूनिफाइड वेब पोर्टल या निकटवर्ती लोकमित्र केंद्र के माध्यम से 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम में शामिल 14 पंचायतों के साथ-साथ नगर नियोजन क्षेत्र (टीसीपी एरिया) के स्थानीय पात्र परिवार भी इस योजना में आवेदन कर सकते हैं। यह योजना उन शहरी परिवारों के लिए सुनहरा मौका है जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक है और जो अब तक अपने स्वयं के पक्के घर से वंचित हैं।

यह रहेगी पात्रता – उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र एवं निकटवर्ती नगर नियोजन क्षेत्र के ऐसे परिवार जिसमें पति, पत्नी एवं अविवाहिता बच्चों सहित परिवार के पास भारत में कहीं भी पक्का मकान नहीं होना चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 3 लाख या उससे कम होनी चाहिए। शहरी क्षेत्र में भूमि का स्वामित्व होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि निकटवर्ती नगर नियोजन क्षेत्र के स्थानीय निवासी भी इस योजना के पात्र होंगे चाहे वे वर्तमान में नगर निगम सीमा के बाहर रह रहे हैं। पात्र लाभार्थियों को 2.5 लाख तक की आर्थिक सहायता तीन किस्तों में प्रदान की जाएगी। पहली किस्त घर नींव का कार्य पूर्ण करने पर, दूसरी किस्त छत तक का कार्य पूर्ण करने पर और अंतिम किस्त घर का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर दी जाएगी।

योजना के लिए जरुरी दस्तावेज़ – उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड, आवेदक के बैंक अकाउंट की कॉपी, भूमि स्वामित्व के दस्तावेज, आय प्रमाण पत्र और शपथ पत्र अनिवार्य है। मनोज कुमार ने नगर निगम के सभी पात्र परिवारों से अपील की है कि वे समय रहते आवेदन करें और इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर का सपना पूरा करें। अधिक जानकारी के लिए नगर निगम कार्यालय ऊना में सम्पर्क कर सकते हैं।

चालक व परिचालकों को दिया बस अडडों पर फर्स्ट् एड का प्रशिक्षण

शिमला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जुन्गा के सौजन्य से राजधानी शिमला, तारादेवी और ढली के बस अडडों पर सरकारी व निजी बसों के वाहन चालकों व परिचालकों को प्राथमिक चिकित्सा उपचार (फर्स्ट् एड) का प्रशिक्षण देने बारे विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया । सिविल अस्पताल जुन्गा के चिकित्सा प्रभारी डॉ0 मनोज वर्मा ने बताया कि शिविर में वाहन चालकों को प्राथमिक चिकित्सा उपचार बारे व्यवहारिक जानकारी दी गई । उन्होने बताया कि वाहन चलाना एक जोखिम भरा कार्य है और गाड़ी चलाते हुए कभी भी कोई आपदा आ सकती है । ऐसी स्थिति से निपटने के लिए विशेषकर बस चालक व परिचालकों को प्राथमिक चिकित्सा बारे जानकारी होना बहुत जरूरी है । डॉ0 मनोज ने बताया कि दुर्घटना होने की स्थिति में यदि बस चालक व परिचालक सुरक्षित है तो उन्हें संयम और धैर्य रखने की सबसे ज्यादा आवश्कता होती है और तुरंत पुलिस को सूचना दी जानी चाहिए । उन्होने वाहन चालकों को बताया कि आपदा प्रबंधन नियमों के अनुसार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए दुर्घटना स्थल को तीन भागों ब्लैक, ग्रीन और येलो रेड में बांटा जाता है । येलो रेड का तात्पर्य घायल यात्रियों से है जिन्हें बस में रखे गए फर्स्ट् एड बॉक्स को निकाल कर घायलों को प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहूंचाने के लिए सड़क पर चले रहे वाहनों की मदद लेनी चाहिए । ब्लैक अर्थात जिनकी मृत्यु हो चुकी है और ग्रीन अर्थात जो यात्री बिल्कुल ठीक है ।डॉ0 मनोज ने बताया कि शिविर में फ्रेक्चर होने की स्थिति में किस प्रकार प्राथमिक उपचार मौके पर उपलब्ध सामान से किया जा सकता है । हार्ट अटैक आने की स्थिति में किस प्रकार व्यक्ति की छाती को दबाकर बाहर से सांस दी जा सकती है इन सभी पहलुओं बारे जानकारी दी गई । एचआरटीसी के अधिकारियों ने वाहन चालक व परिचालकों को फर्स्ट् एड की टेऊनिंग देने के लिए स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया ।

उपायुक्त ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देहलां का किया दौरा

ऊना। उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देहलां का दौरा कर वहां की शैक्षणिक और भौतिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना।इस दौरान छात्रों और स्थानीय समुदाय ने उपायुक्त से विद्यालय परिसर में कोटा स्टोन टाइल फ़्लोरिंग के साथ एक उचित बास्केटबॉल कोर्ट के निर्माण की माँग रखी। इस मांग पर उपायुक्त ने बास्केटबॉल कोर्ट की सुविधा विकसित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन विद्यालयों में छात्रों के खेल विकास के लिए सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है ताकि खेलकूद की संरचनाओं को और अधिक बेहतर एवं सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिला की बच्चियों को सामर्थ्य योजना के तहत निर्धन परिवारों की बच्चियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, एवं कौशल विकास से जुड़ी कई सुविधाएँ निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन ने जिला के गरीब बच्चों के उत्थान के लिए सामर्थ्य योजना शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य न केवल आर्थिक रूप से पिछड़े तबके की बच्चियों को शिक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास और स्वावलंबन की भावना भी पैदा करना है। सामर्थ्य योजना के तहत निर्धन परिवारों की बच्चियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, एवं कौशल विकास से जुड़ी कई सुविधाएँ निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ चुकी बच्चियां योजना से लाभान्वित होकर अपनी उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हैं।

आवास योजना के लिए आवेदन करें हमीरपुर शहर के पात्र लोग

● प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत घर बनाने के लिए मिलेंगे ढाई लाख रुपये

हमीरपुर। एडीसी एवं नगर निगम हमीरपुर के आयुक्त अभिषेक गर्ग ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत मकान बनाने के लिए शहर के पात्र लोगों से ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। अभिषेक गर्ग ने बताया कि शहर में रहने वाले ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लोग प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 का लाभ लेने के लिए पात्र हैं। इन लोगों को मकान निर्माण के लिए शहरी विकास विभाग के माध्यम से ढाई लाख रुपये की राशि मिलेगी। उन्होंने बताया कि आवेदक नगर निगम क्षेत्र हमीरपुर का स्थायी निवासी होना चाहिए तथा उसके परिवार की सालाना आय 3 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। इच्छुक लोग वेबपोर्टल पीएमएवाईएमआईएस.जीओवी.इन pmaymis.gov.in पर स्वयं या लोकमित्र केंद्र में जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

27 तक ई-केवाईसी करवाएं धनेटा के विद्युत उपभोक्ता

हमीरपुर। विद्युत उपमंडल धनेटा के सहायक अभियंता सुशील कुमार ने अभी तक ई-केवाईसी न करवाने वाले क्षेत्र के विद्युत कनेक्शनधारकों से 27 मई तक अपनी ई-केवाईसी करवाने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि ये कनेक्शनधारक किसी भी कार्य दिवस को सुबह 10 से सायं 5 बजे तक विद्युत उपमंडल कार्यालय में आकर अपनी ई-केवाईसी करवा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, आधार से लिंक्ड मोबाइल नंबर, राशन कार्ड और बिजली का बिल अवश्य साथ लाएं।

संक्षिप्त समाचार

बहीगांव में समाधान शिविर का हुआ आयोजन

कोंडागांव (निप्र)। केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बहीगांव में सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया जिसमें 8 से 11 अप्रैल तक ग्राम पंचायतों में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों का विभिन्न विभागों के द्वारा निराकरण किया गया तथा शासन की महत्वपूर्ण हितग्राहीमूलक योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में कुल 10 ग्राम पंचायत को क्लस्टर स्तर पर सम्मिलित करते हुए बहीगांव में शिविर किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक सेवक राम नेताम, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नंदनी पोटाई उपस्थित थे। बहीगांव समाधान शिविर में 39 हितग्राहियों को राशन कार्ड, पंचायत विभाग द्वारा 26 को मनरेगा जॉब कार्ड, राजस्व विभाग द्वारा 20 को निवास प्रमाण, 20 हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र और 14 किसान किताब, उद्यान विभाग द्वारा 15 किसानों को सब्जी बीज, सहकारिता विभाग द्वारा 10 किसानों को धान बीज और 09 किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किया गया। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 13 हितग्राहियों का गोद भराई कार्यक्रम संपन्न कराया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य कपिल नाग, श्रीमती चरनतीन राजेश नेताम, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अंकित चौहान, सीईओ जनपद केशकाल, तहसीलदार केशकाल, सभी सरपंच गण्उपस्थित थे।

हितग्राहियो के घर जाकर कलेक्टर ने पीएम आवास निर्माण को पूर्ण करने किया प्रोत्साहित

सारंगढ बिलाईगढ़ (निप्र)। गरीब परिवारों की बुनियादी जरूरतो में से एक आवास को, सरकारी मदद से पूरा कर सरकारी योजनाओं को शत् प्रतिशत लाभ देने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने जिले के मैदानी इलाकों का दौरा किया। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना का जिले में प्रगति का आंकलन करने के लिए सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम कपिस्दा अ के हितग्राही मोहन रात्रे और भगवती साहू के घर जाकर कलेक्टर ने भौतिक सत्यापन किया। कलेक्टर ने इस दौरान हितग्राहियों से कितने दिनों में निर्माण करने की तैयारी के संबंध में जानकारी ली और हितग्राहियों को एक माह में आवास को पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत, एसडीएम सहित पंचायत विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने तालाब गहरीकरण कार्य का अवलोकन किया

सारंगढ बिलाईगढ़ (निप्र)। जिले के ग्रामीणों को मनरेगा से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों का लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इसी कड़ी में कोसीर समाधान शिविर में शामिल होने के पहले कलेक्टर ने ग्राम कपिस्दा अ में मनरेगा से पैठू तालाब गहरीकरण कार्य का अवलोकन किया। इस कार्य में श्रमिकों को 261 रूपए प्रतिदिन पारिश्रमिक दिया जाएगा। इस तालाब का गहरीकरण 24 अप्रैल 2025 को प्रारंभ किया गया था, जो पूर्ण हो चुका है। इस तालाब के बाजू तालाब में स्नान आदि के लिए पानी और पेयजल के लिए बोर है। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत, एसडीएम, एसडीओ आरईएस सहित पंचायत विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने उप तहसील कोसीर का आकस्मिक निरीक्षण किया

सारंगढ बिलाईगढ़ (निप्र)। मैदानी कार्यालयों में राजस्व कार्यों के शीघ्र निराकरण के उददेश्य से कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कोसीर के उप तहसील का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने तहसीलदार और रीडर से माननीय उच्च न्यायालय, प्राकृतिक आपदा, वसूली, सीमांकन, बटांकन आदि प्रकरणों के फाइल का अवलोकन किया। कलेक्टर ने वसूली वाले प्रकरण में आरोपी के चल अचल संपत्ति को कुर्की और बिक्री कर राशि वसूलने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त पुलिस बल जहां जरूरत हो वहां थाना प्रभारी से पुलिस बल की मांग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कार्यालय से हाल ही में तहसील कार्यालयों में फर्नीचर आलमारी कम्प्यूटर प्रदाय किया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर ने तहसीलदार को कुर्सी, टेबल, आलमारी आदि की मांग के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर से अधिवक्ताओं ने मिलकर अधिवक्ता कक्ष में साफ सफाई के लिए किसी सफाई कर्मचारी की व्यवस्था के लिए मांग रखी। कलेक्टर ने उनके मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया। इसी प्रकार एक प्रकरण में कलेक्टर ने एक अधिवक्ता को आधिपत्य देने और काम प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत इन्द्रजीत बर्मन, एसडीएम प्रखर चंद्राकर उपस्थित थे।

बरपाली, जवाली, और सिंघिया में समाधान शिविर 26 को

कोरबा (निप्र)। सुशासन तिहार 2025 के तृतीय चरण अन्तर्गत 26 मई सोमवार को विकासखंड करतला के ग्राम बरपाली कलस्टर अंतर्गत समिल्लित ग्राम पंचायत बरपाली, भैंसामुड़ा, ढनढनी, गुमिया, जोगीपाली(क), कनकी, कथरीमाल, सलिहाभाठा, सण्डेल और सरगबुंदिया के लिए हायर सेकेण्डरी स्कूल बरपाली में समाधान शिविर का आयोजन होगा। इसी तरह विकासखंड कटघोरा के ग्राम जवाली कलस्टर अंतर्गत सम्मिलित ग्राम पंचायत देवरी, सिंघाली, विजयपुर, जवाली, कसईपाली, चाकाबुड़ा, कोलिहामुड़ा और देवगांव के लिए हाईस्कूल प्रांगण जवाली और विकासखंड पोंड़ीउपरोड़ा के ग्राम सिंघिया कलस्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंघिया, लखनपुर, सुतर्रा, कोरबी सिं., कापूबहरा, मल्दा, नगोईबछेरा, बिंझरा, भांवर और बरतराई हेतु शासकीय हाईस्कूल सिंघिया में समाधान शिविर का आयोजन किया जायेगा।

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्के आवास बनने की खुशियां हो रही बयां

राजनांदगांव (निप्र)। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्के आवास बनने की खुशियां बयां हो रही है। जनमानस अपने पक्के आवास के बन जाने पर उत्सव मना रहे है एवं खुशियां प्रकट कर रहे है। ऐसी ही एक बानगी दिखी छुरिया विकासखंड के दूरस्थ ग्राम खोभा में श्रीमती मीना बाई के आवास पर। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर अपने घर को गुब्बारे, तोरण एवं रंगोली से सजाकर अपना उत्साह एवं खुशी व्यक्त की। उन्होंने बांस से बने घर के बाउंड्रीवाल एवं दरवाजे का रंग-रोगन कर मकान की साज-सज्जा की है।

समस्यओं का निराकरण करना ही सुशासन तिहार का उद्देश्य : कलेक्टर

कोरबा (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत आज कोरबा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम पंचायत गुरमा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शासन द्वारा निर्धारित तीन चरणों की प्रक्रिया के अंतर्गत अंतिम चरण के रूप में आयोजित इस शिविर में कलेक्टर अजीत वसंत शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आमजनों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करना और उनकी समस्याओं का निराकरण करना ही सुशासन तिहार का प्रमुख उद्देश्य है। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि सुशासन तिहार में प्राप्त सभी आवेदनों की जांच की गई है। आवेदन का परीक्षण कर जो भी मांग जितनी जल्दी पूरी हो सकती है, उस दिशा में ही कार्यवाही की जा रही है। जिला स्तर पर जो संभव है उन मांगों को यहां से ही पूरा कर दिया गया है और शासन स्तर के मांगों को पूरा करने के लिए शासन को प्रेषित किया गया है। कलेक्टर ने ग्रामीणों से संवाद कर बताया कि शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जाती है। आप अपनी जरूरत के अनुसार कभी भी आवेदन दे सकते हैं। जो भी समस्या या शिकायत है, आप सोमवार व गुरूवार के दिन कलेक्टर कार्यालय आकर बता सकते हैं।

समाधान शिविर में कलेक्टर अजीत वसंत ने मौके पर प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्यवाही की विभागीय समीक्षाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने पेंशन के पात्र आवेदनों को जनपद पंचायत की सामान्य सभा की विशेष समिति से अनुमोदन पश्चात आगामी 15 दिवस में जारी करने एवं राशन कार्ड के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्री वसंत ने ग्रामीणों को बीमार होने पर नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में जाकर उपचार कराने की अपील करते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु शासन-जिला प्रशासन की ओर से भी सहयोग प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। उन्होंने जिन ग्रामों में मितानिन भवन की मांग है एवं सामुदायिक भवन उपलब्ध नहीं है वहां मितानिन भवन की स्वीकृति दिए जाने, जर्जर प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला एवं आंगनबाड़ी की स्वीकृति डीएमएफ मद से करने, वन अधिकार पत्र के पात्र आवेदनों को ग्रामसभा के अनुमोदन पश्चात नियमानुसार ग्राम वन समिति से अनुमोदन उपरांत वन अधिकार पत्र वितरण करने, ग्राम पंचायत गुरमा में बाजार शेड भूमि उपलब्ध होने पर स्वीकृत करने, चिर्रा से श्यांग रोड स्वीकृत करने की बात कही। उन्होंने अभिभावकों को अपने बच्चों को आंगनबाड़ी एवं स्कूल भेजने की अपील करते हुए बताया कि जिला प्रशासन द्वारा अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और डाक्टर, इंजीनियर की पढ़ाई के लिए भी पूरा सहयोग किया जाता है। आप सभी अपने बच्चों को स्कूल जरूर भेजे और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करें।

शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया ने कहा कि ÷शिक्षा एक शेरनी का दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगा÷। उन्होंने समस्त ग्रामीणजनों को शिक्षा पर जोर देते हुए पढ़ने व आगे बढ़ने की बात कही।

इससे पूर्व समाधान शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया, श्रीमती बिजमोती राठिया अध्यक्ष जनपद पंचायत, जनपद सदस्य बलेन्दर राठिया, गुरमा कलस्टर में सम्मिलित 11 ग्राम पंचायत, अमलडीहा, बासीन, चिर्रा, फूलसरी, गिरारी, गुरमा, कोलगा, लबेद, श्यांग, सिमकेंदा, सोलवां के समस्त सरपंच, उपसरपंच एवं पंच, शिविर के नोडल अधिकारी सरोज महिलांगे, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सहायक नोडल श्रीमती कौशाम्बी गबेल, जनपद कोरबा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों की गरिमामय उपस्थित में छत्तीसगढ़ महतारी व महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर साथ ही राज्य गीत ÷अरपा पैरी के धार÷ से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।सीईओ श्रीमती गबेल ने सुशासन तिहार के सभी चरणों की जानकारी देते हुए गुरमा कलस्टर में प्राप्त आवेदन की निराकरण की जानकारी ददी। उन्होंने बताया कि कलस्टर में प्राप्त कुल 5306 आवेदन में 5217 आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। शिविर में ग्राम पंचायत गिरारी, सोलवां, लबेद, सिमकेंदा, गुरमा के सरपंचों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र जारी किया गया। साथ ही मनरेगा कार्ड 09, राशनकार्ड 23, पेंशन 146, आवास स्वीकृति 07, वन अधिकार पत्र पुस्तिका 11, किसान किताब 01, पेट्रोल पंप 01, मिनी राइस मिल 01, हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। महारानी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती पर उनके अमूल्य योगदान का महोत्सव भारत सरकार द्वारा एक अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ग्राम पंचायत गुरमा की स्वच्छता दीदियों को साड़ी वितरण कर सम्मानित किया।

जल जीवन मिशन के कार्य गंभीरता से पूर्ण कराएं : कलेक्टर

कोरबा (निप्र)। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष नलकूपों का निर्माण शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएं। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पीएचई द्वारा किए जा रहे कार्यों की धीमी गति पर तथा पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के तहत उपलब्धि हासिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की।जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने प्रगतिरत सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने एकल ग्राम और समूह नलजल प्रदाय योजना की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसी एकल ग्राम योजनाएं जहां पर 80 प्रतिशत कार्य हो चुका है, उन्हें शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने पंप आधारित मिनी जल प्रदाय योजनाओं की जानकारी ली और बसाहटो में सोलर आधारित नल जल प्रदाय करने के निर्देश देते हुए लोगों को पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पानी टंकी निर्माण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधूरे कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की सभी आरसीसी पानी टंकी निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सोलर पंप स्थापना हेतु स्त्रोत निर्माण का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में जिम्मेदारी के साथ लोगों के घरों तक गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, लोक सेवा यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियन्ता रमन कुमार सहित सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सुशासन तिहार अंतर्गत ग्राम पदुमतरा में समाधान शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव (निप्र)। राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे सुशासन तिहार अंतर्गत जनपद पंचायत राजनांदगांव के ग्राम पंचायत पदुमतरा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत तिलई, पदुमतरा, खैरझीटी, कांकेतरा, जोरातराई ब, भेड़ीकला, बोरी, गठुला, भाठागांव, बोईरडीह, महरूमखुर्द, डुमरडीहखुर्द के ग्रामीणों द्वारा प्राप्त शिकायतों एवं मांगों के संबंध में प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया। इसके साथ ही समाधान शिविर में प्राप्त आवेदनों का निराकरण भी किया गया। सभी विभागीय अधिकारियों ने निराकरणों का वाचन किया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नन्हें शिशुओं के लिए अन्नप्राशन्न का आयोजन किया गया तथा गर्भवती माताओं की गोदभराई की गई। शिविर में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने अवलोकन किया। स्टॉल में अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में प्रस्तुत शिकायतों एवं मांगों के आवेदनों का निराकरण होने से ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास देखने को मिला।

शिविर में ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में रक्त परीक्षण, ब्लड प्रेशर, मधुमेह का परीक्षण कराया। स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद विभाग के स्टॉल में जनसामान्य को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाईयों का वितरण किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, मछली पालन, पशुधन विकास, लोक निर्माण, विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग, जिला सहकारी, श्रम विभाग, आयुर्वेद विभाग, खाद्य विभाग सहित अन्य विभागों को प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी गई। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनिता सिन्हा, जनपद पंचायत सभापति श्रीमती शिला सिन्हा, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती ललिता साहू, जनपद पंचायत सदस्य मंजू चंदेल, रमेश चन्द्राकर, एसडीएम राजनांदगांव खेमलाल वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी, अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हिमशिखर गुप्ता ने समाधान शिविर में चन्द्रशेखर को सौपा अनुकंपा नियुक्ति पत्र

गरियाबंद (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार जिले में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का त्वरित निराकरण हो रहा है। इससे दिवंगत शासकीय सेवकों के परिजनों को शासकीय नौकरी का लाभ मिल रहा है। जिला प्रशासन की तत्परता एवं संवेदनशीलता से जिले में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण के लिए तेजी से कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में आज ग्राम कोचवाय में आयोजित समाधान शिविर में जिले के प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता ने ग्राम पंडरीपानी के चन्द्रशेखर ध्रुव को अनुकंपा नियुक्ति का आदेश सौंपा। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपकर चन्द्रशेखर को निष्ठा एवं लगन से शासकीय सेवा करने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चन्द्रशेखर को ग्राम पंचायत मैनपुर-2 में पंचायत सचिव (कर्मी) के पद पर नियुक्ति दी गई है। चन्द्रशेखर के पिता स्व. तुलस राम ध्रुव का सेवाकाल के दौरान आकस्मिक निधन हो गया था। तत्पश्चात अनुकंपा नियुक्ति हेतु निर्धारित प्रपत्र में उनके पुत्र चन्द्रशेखर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गरियाबंद द्वारा अनुकंपा नियुक्ति आदेश पत्र जारी किया गया। शासन की पहल और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के द्वारा अनुकंपा नियुक्ति मिलने से चन्द्रशेखर एवं उनके परिजनों ने खुशी जताते हुए राज्य शासन एवं जिला प्रशासन का आभार जताया।

अनुकंपा नियुक्ति मिलने के बाद चन्द्रशेखर ने कहा कि राज्य शासन की नीति के तहत त्वरित पहल से नौकरी मिल गई है। जिससे आर्थिक समस्याओं को दूर करने एवं परिवार के पालन पोषण में सहायक होगा। अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थी ने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के भरण पोषण के लिए चिंतित परिजनों की समस्या दूर हो गई है। साथ ही परिवार के विकास का सहारा मिल गया है। उल्लेखनीय है कि शासन के प्रावधानों के तहत कलेक्टर श्री उइके ने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने के निर्देश जिलाधिकारियों दिये हैं। साथ ही समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों का लगातार समीक्षा भी कर रहे है। इसी के तहत अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से निराकृत किया जा रहा है।

केन्द्रीय जेल दुर्ग में सजा भुगत रहे बंदियों को जेल में रोजगारमुखी प्रशिक्षण

दुर्ग (निप्र)। दुर्ग की केन्द्रीय जेल अब सिर्फ सजा काटने की जगह नहीं रही, बल्कि यह अब बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने का केंद्र बनती जा रही है। जेल अधीक्षक मनीष संभाकर की पहल पर यहां रोजगारमुखी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे बंदियों को नया जीवन शुरू करने का मौका मिल रहा है।

दुर्ग की केन्द्रीय जेल में हो रहा है एक सकारात्मक बदलाव। जेल में सजा काट रहे बंदियों को अब आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जेल अधीक्षक मनीष संभाकर के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल से बंदियों को एलईडी बल्ब निर्माण का काम सिखाया गया है। हर दिन बंदी सैकड़ों एलईडी बल्ब तैयार कर रहे हैं। शुरुआत में जिन्हें बल्ब बनाना नहीं आता था, वही बंदी अब कुशल कारीगर बन चुके हैं। इस प्रशिक्षण के जरिए न केवल बंदियों को नया हुनर मिला है, बल्कि यह उनके भविष्य को भी नई दिशा देने में अहम भूमिका मिल रही है। आज जेल मे निर्माण बल्ब बाजार में भी बेचे जा रहे हैं, जिससे उन्हें आत्मविश्वास मिला है। जेल प्रशासन का मानना है कि सजा पूरी करने के बाद ये बंदी खुद का कारोबार शुरू कर सकेंगे। इससे वे समाज की मुख्यधारा में वापस लौट पाएंगे। बंदियों का भी कहना है कि उन्हें अब अपने भविष्य को लेकर आशा की एक नई किरण दिखाई दे रही है। यह पहल ना सिर्फ जेल की छवि बदल रही है, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक संदेश दे रही है। जेल अब सुधार गृह की असली परिभाषा बनता जा रहा है। बंदियों के इस हुनर को जेल प्रशासन प्रोत्साहित कर रहा है। जिससे हर बल्ब में दिख रहा है उनके भविष्य का उजाला कई बंदियों के परिवार भी इस पहल से खुश हैं। अब वे अपनो को एक नया और बेहतर जीवन देने का सपना देख रहे हैं।

29 मई से शुरू होगा विकसित कृषि संकल्प अभियान, 12 जून तक चलेगा

महासमुंद (निप्र)। शासन द्वारा किसानों को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान जिले में 29 मई से शुरू होगा, जो 12 जून तक चलेगा। इस दौरान कृषि विभाग एवं वैज्ञानिक गांव-गांव पहुंचकर खेती के उन्नत तरीकों की जानकारी भी किसानों को देंगे। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज शाम शुक्रवार को इस अभियान के संबंध में कृषि एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों की आवश्यक बैठक ली। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, उप संचालक कृषि एफ. आर. कश्यप, आईजीकेवी के वैज्ञानिक, कृषि, पशुपालन एवं संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने बैठक में बताया कि अभियान के तहत किसानों को खरीफ मौसम के प्रमुख फसलों से संबंधित आधुनिक तकनीकों, विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा नीतियों, किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में सुझाई गई विभिन्न फसलों के चयन तथा संतुलित खादो के प्रयोग के लिए जागरूक एवं जानकारी दी जायेगी। साथ ही अभियान के तहत किसानों से फीडबैक लेकर उनके द्वारा किये गए नवाचार के संबंध में वैज्ञानिक नवीन जानकारी प्राप्त करेंगे एवं अनुसंधान में आवश्यक दिशा निर्धारित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। कृषि विभाग गंभीरता से लेते हुए किसानों को जागरूक करेंगे।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें एवं सभी ग्राम पंचायतों में मुनादी करवाएं। कलेक्टर ने कहा कि अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करना सुनिश्चित करें। उपसंचालक कृषि एफ.आर. कश्यप ने बताया कि जिले में तीन टीम गठित की गई है, जो प्रत्येक दिन 7-8 पंचायतों के बीच क्लस्टर बनाकर शिविर लगाएगी। जो प्रतिदिन 7-8 ग्राम पंचायतों में जाकर लगभग डेढ़ हजार से अधिक किसानों के साथ वैज्ञानिक दल का सीधा संवाद किया जायेगा।

टीम में आईसीएआर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, कृषि पशुपालन उद्यानिकी मतस्य के अधिकारी, जन प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी एफपीओ, एफआईजी के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कश्यप ने बताया कि वैज्ञानिक दल द्वारा किसानों के साथ संवाद में उक्त तकनीकों, नई किस्मों और सरकारी योजनाओं, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, किसानों को मृदा स्वस्थ्य कार्ड में सुझाई गई विभिन्न फसलों में संतुलित खादों के प्रयोग के लिए जागरूक एवं शिक्षित, कृषि-ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन, केवीके, आईसीएआर संस्थान और इफको, कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का उपयोग पर प्रदर्शन किसानों के बीच जागरूक पैदा करने के लिए आई.सी.टी. का उपयोग, धान की सीधी बुवाई (डीएसआर), सोयाबीन की फसल में मशीनीकरण जैसी अन्य उन्नत फसल तकनीकों का प्रसार, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, बीज उर्वरक दिलाए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की जायेगी।

अभियान के सुचारू क्रियान्वयन के लिए उप संचालक कृषि कार्यालय में नियंत्रण कक्ष की स्थापित किया गया है। इसके लिए भू संरक्षण अधिकारी भीमराव घोड़ेसवार (मो न.90092-29778) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने उक्त अभियान में अधिक से अधिक किसानों को शामिल होकर अपने खेती-किसानी के कार्य में आधुनिकता को शामिल करने एवं शासन की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का हुआ ऐलान, पंत को मिली नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी, जहां वह मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए भारतीय टीम और नया टेस्ट कप्तान घोषित कर दिया गया है। 18 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है, जबकि ऋषभ पंत को उप-कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। टीम में करुण नायर की भी लंबे समय बाद वापसी हुई है। वहीं, फिटनेस कारणों से मोहम्मद शमी टीम में शामिल नहीं किए गए हैं। इसके अलावा, तेज गेंदबाज ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी टेस्ट टीम में वापसी कर चुके हैं। टीम चयन के लिए बैठक मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मुख्यालय में हुई, जिसमें सचिव देवजीत सैकिया और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजीत अगरकर ने टीम का आधिकारिक ऐलान किया।

इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई 18 सदस्यीय भारतीय टेस्ट टीम इस प्रकार है:

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

गौतम गंभीर ने किया इशारा

वनडे से भी जाएगी रोहित शर्मा की कप्तानी?

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा ने हाल ही में टी20 के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था. अब उनके पास सिर्फ भारत के वनडे टीम की कमान बची है. लेकिन लगता है कि ये भी उनके हाथ से चली जाएगी. टेस्ट में नए कप्तान की घोषणा होनी है. वहीं सूर्यकुमार यादव टी20 टीम की कमान संभाल रहे हैं. इधर रोहित टेस्ट से संन्यास लेने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के पास पहले से ज्यादा पावर होने की संभावना है. ऐसे में रोहित शर्मा को कप्तानी की कुर्बानी देनी पड़ सकती है. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि गंभीर ने ताजा बयान में इशारों-इशारों में अपना संदेश दे दिया है. टीम इंडिया की कप्तानी को लेकर गौतम गंभीर ने कहा, अगर एक कोच के तौर पर आप मुझसे पूछें अगर सभी फॉर्मेट के लिए एक ही कप्तान है तो एक व्यक्ति के साथ काम करना अच्छा है. लेकिन ऐसा होता नहीं है. आज के समय में आपको समझना होगा कि किसी को भी 12 महीने तक कप्तानी नहीं कराई जा सकती है. आप 10 महीने इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं और 2 महीने आईपीएल. ऐसे में जो टीम इंडिया का कप्तान होगा वो फ्रेंचाइजी का भी नेतृत्व करेगा. इससे उस खिलाड़ी के दिमाग और खेल पर काफी बुरा असर पड़ेगा. इसलिए दो कप्तान होना अच्छा है. इससे दबाव को कम किया जा सकता है.

जूलियन वेबर से हारे जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा, 85 मीटर भी फेंक नहीं पाए थ्रो

चोरजोव (पोलैंड), एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पोलैंड में आयोजित ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां जर्मनी के जूलियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा इस स्पर्धा में अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं दिखे। 27 साल का यह खिलाड़ी अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर था। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका और दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने इससे पहले अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में क्रमशः 81.28 मीटर और 81.80 मीटर की दूरी तय की। उनके अन्य तीन प्रयास फाउल थे। प्रतियोगिता का आयोजन सिलेसियन स्टेडियम में दिन में हुई बारिश के बाद आसमान में बादल छाए रहने के बीच किया गया। हाल ही में (16 मई) दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर स्पर्धा में चोपड़ा को हराकर शीर्ष स्थान हासिल करने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर दूसरे दौर में 86.12 मीटर की दूरी के थ्रो के साथ फिर से शीर्ष स्थान पर रहे।

दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वह दोहा में भी तीसरे स्थान पर रहे थे। यह भुवनेश्वर में 2024 फेडरेशन कप में 82.27 मीटर के प्रयास के बाद पहली बार है जब चोपड़ा ने किसी स्पर्धा में 85 मीटर से कम का सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया था। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका। यह पहली बार था जब चोपड़ा ने किसी स्पर्धा में 90 मीटर से अधिक की दूरी तय की थी। दोहा में भी चोपड़ा वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर थे।

कोच ने कर दी भविष्यवाणी

वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी20 टीम में कब मिलेगा खेलने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के युवा ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से हर किसी का दिल जीता। इतनी कम उम्र में वैभव ने जिस तरह का खेल दिखाया और दुनिया के धुरंधर गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए उसकी हर किसी ने प्रशंसा की। इस लीग में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला ये बल्लेबाज अब इंडिया अंडर 19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाने वाला है।

वैभव के भविष्य को लेकर उनके कोच अशोक कुमार ने एक बड़ी भविष्यवाणी की। अशोक कुमार वैभव को बिहार अंडर 19 टीम और सीनियर टीमों में कोचिंग दी है और उन्होंने भविष्यवाणी की है कि वो दो साल में भारत के लिए डेब्यू करेंगे। वैभव के कोच अशोक के मुताबिक अगर वह अपनी फिटनेस और फील्डिंग में सुधार करते हैं तो वह 2 साल के भीतर भारतीय जर्सी में दिखाई देंगे।

अशोक कुमार ने कहा कि बचपन से ही टीम को अकेले दम पर जिताने का उनका जज्बा गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाने के दौरान भी देखने को मिला। राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौड़ के साथ उनकी बल्लेबाजी में निखार आया है। उन्होंने सफेद गेंद से जो अभ्यास किया, उससे वे तीन महीने में ही बेहतर होने लगे। उन्होंने परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझना सीख लिया है।

वैभव के कोच ने आगे कहा कि ये सभी बातें इस बच्चे के उज्ज्वल भविष्य को दिखाती हैं। मेरा अनुमान है कि अगर वैभव अपनी फिटनेस और फील्डिंग में सुधार करता है, तो अगले 2 साल में वह सीनियर टी20 भारतीय टीम में होगा। मुझे वाकई लगता है कि बीसीसीआई उसे मौका देगा, क्योंकि दो-चार खिलाड़ियों को छोड़कर, टी20 टीम में बाकी सभी खिलाड़ी 25 या उससे कम उम्र के हैं। उन्होंने कहा कि वैभव जिस तरह से कंडीशन में अपने आप को ढाल लेते हैं वो कमाल का है और यही उन्हें दूसरों से अलग करता है।

आईपीएल 2025:

मार्श ब्रदर्स के बाद पंड्या ब्रदर्स ने आईपीएल में बनाया अनोखा रिकॉर्ड, दो दिन में हुए दो अजूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल एक ऐसी लीग है, जहां बड़े कारनामे और अनोखे रिकॉर्ड्स बनते रहते हैं. हर दिन कुछ नया होता है, इसलिए अभी तक इस टूर्नामेंट का रोमांच बरकरार है. आईपीएल 2025 में लीग स्टेज के मुकाबले अब कुछ दिनों में खत्म होने वाले हैं. लेकिन इससे पहले दो दिनों में दो अजूबे हो गए हैं.

पहले मार्श ब्रदर्स यानि शॉन मार्श और मिचेल मार्श ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने किया. वो इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहले दो भाई बने, जिन्होंने शतक जड़ा है. 2008 के सीजन में शॉन मार्श ने किंग्स पंजाब (पंजाब किंग्स) के लिए 69 गेंद में 115 रनों की पारी खेली थी. वहीं 22 मई को मिचेल मार्श ने लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर 64 गेंद में 117 रन ठोके. इसके अगले ही दिन यानि 23 मई को पंड्या ब्रदर्स ने भी एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.

दरअसल, 23 मई को लखनऊ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला हुआ. इस दौरान हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए 232 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. इसके जवाब में बेंगलुरु ने शानदार शुरुआत की लेकिन अंत में बिखर गई. आखिरी के 26 गेंद में टीम ने सिर्फ 16 रन बनाए और 7 विकेट गंवा दिए. इस दौरान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के भाई क्रुणाल पंड्या 19वें ओवर में बैटिंग करने के लिए उतरे थे. वो 5 गेंद में 8 रन बना चुके थे. फिर पैट कमिंस के यॉर्कर गेंद के खिलाफ उन्होंने तेज प्रहार करने की कोशिश की. लेकिन वो गेंद की बजाय ऑफ स्टम्प पर मार बैठे. इस तरह से क्रुणाल हिट विकेट होकर पवेलियन लौट गए. उन्होंने 6 गेंद में 8 रनों की बनाए. इससे पहले उनके भाई हार्दिक 2020 के सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इसी अंदाज में आउट हुए थे.

आंद्रे रसेल के खिलाफ क्रीज के अंदर जाकर उन्होंने थर्ड मैन की दिशा में खेलने की कोशिश की थी. लेकिन उनका पांव स्टम्प पर जाकर लग गया था और वो हिट विकेट हो गए थे. इस तरह पंड्या ब्रदर्स आईपीएल में भाईयों की पहली जोड़ी बन गई है, जो हिट विकेट आउट हुई है. हालांकि, वो इस अनचाहे रिकॉर्ड को याद नहीं रखना चाहेंगे.

आईपीएल के 17वें खिलाड़ी

क्रुणाल पंड्या आईपीएल 2025 में हिट विकेट से आउट होने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं. उनसे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिनव मनोहर भी इसी तरह आउट हुए थे. इन दोनों से पहले 15 खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जो इस लीग में हिट विकेट हो चुके हैं. यानि क्रुणाल इस तरह शिकार होने वाले 17वें खिलाड़ी हैं.

आईपीएल 2025: 14 मैच, 32 छक्के, ईशान किशन के नाम जुड़ा बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं, जो इस मामले में रिकॉर्ड है। उनके बाद डेविड वार्नर 44 छक्कों के साथ दूसरे और केएल राहुल 43 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आंद्रे रसेल और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 38-38 छक्के लगाए हैं। अब इस लिस्ट में ईशान किशन की भी एंट्री हो गई है। ईशान किशन 32 छक्के लगा चुके हैं। ईशान ने यह उपलब्धि केवल 14 मैच खेलकर हासिल की थी। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आरसीबी के गेंदबाजों को इन आक्रामक बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। प्लेयर ऑफ द मैच ईशान किशन ने कहा कि जब आप पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं और दोनों ओपनर अच्छी लय में दिख रहे होते हैं, तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप लय बनाए रखें। जिस क्षण मैंने अभिषेक और हेड को इस तरह से खेल की शुरुआत करते देखा, मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा विकेट है और हमें कम से कम 200 रन बनाने होंगे। जब विकेट गिर रहे होते हैं तो आपका दृष्टिकोण बदल जाता है, लेकिन आप लय बनाए रखने की कोशिश करते हैं। इसके लिए आपको कुछ अच्छे शॉट खेलने की जरूरत होती है। जब आप अभ्यास सत्र में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो आपको आत्मविश्वास मिलता है। ईशान किशन ने कहा कि मैं सिर्फ अच्छे शॉट खेलने के बारे में सोच रहा था। एक तरफ बहुत बड़ी पारी थी और कुछ अंतराल थे।

आईपीएल 2025:

रजत पाटीदार पर लगा भरकम जुर्माना, पैट कमिंस की भी जेब कटी

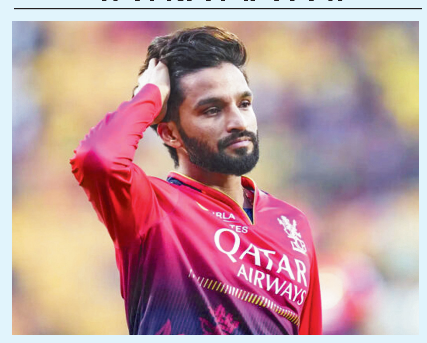

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025में शुक्रवार (23 मई) के मैच के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया क्योंकि आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहली बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में दूसरी बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। ऐसे में पाटीदार पर आरसीबी की प्लेइंग 11 का सदस्य होने के कारण 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, चूंकि यह आईपीएल की स्लो ओवर-रेट ऑफेंस से संबंधित कोड ऑफ कंडक्ट के तहत उनकी टीम की इस सत्र में दूसरी गलती थी ऐसे में पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

आरसीबी के खिलाड़ियों पर भी लगा जुर्माना

आईपीएल ने आगे कहा, इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया। पैट कमिंस पर जुर्माना लगाने का जानकारी देते हुए कहा गया, चूंकि यह आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट स्लो ओवर रेट से संबंधित आर्टिकल 2.22 के तहत उनकी टीम की इस सत्र में पहली गलती थी, इसलिए कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

मलेशिया मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में

कुआलालंपुर, एजेंसी। पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने शुक्रवार को बुकिट जलील में मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत ने एक घंटे 14 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फ्रांस के विश्व नंबर 18 टोमा जूनियर पोपोव को 24-22, 17-21, 22-20 से हराया। वर्तमान में विश्व में 65वें स्थान पर काबिज श्रीकांत को मिड-गेम ब्रेक में पिछड़ने के बाद निर्णायक गेम में कड़ी टक्कर देनी पड़ी।

अपने विशिष्ट लचीलेपन के साथ, भारतीय शटलर ने पोपोव के खिलाफ छह मुकाबलों में अपना चौथा मैच जीतकर वापसी की और इस सीजन में अपना पहला सेमीफाइनल मैच जीता। यह श्रीकांत का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर मार्च 2024 में स्विस ओपन सुपर 300 में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। भारतीय खिलाड़ी ने मैच की जोरदार शुरुआत की और शुरुआती गेम में 7-4 की बढ़त हासिल की। ??हालांकि, पोपोव ने जल्दी ही वापसी की और 21-20 पर एक गेम प्वाइंट भी हासिल किया। श्रीकांत ने अपना संयम दिखाते हुए बाजी पलटी और गेम 24-22 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में गति बदल गई और पोपोव चार अंकों की बढ़त के साथ ब्रेक में चले गए। श्रीकांत स्कोर को 15-15 पर बराबर करने में सफल रहे, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सके और अंततः गेम 17-21 से हार गए। निर्णायक गेम में, श्रीकांत ने एक बार फिर खुद को मध्य-खेल अंतराल पर चार अंक पीछे पाया। लेकिन जबरदस्त धैर्य और कोर्ट के प्रति जागरूकता दिखाते हुए उन्होंने पोपोव को कड़ी टक्कर देते हुए शानदार वापसी की और अंतिम चार में जगह बनाई।

श्रीकांत ने इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में आयरलैंड के विश्व नंबर 33 एनहट गुयेन को हराया था। अब उनका सामना शनिवार को सेमीफाइनल में जापान के विश्व नंबर 22 युशी तनाका से होगा। तनाका ने इससे पहले भारत के एचएस प्रणय को राउंड ऑफ 16 में हराया था। इस बीच, क्वार्टर फाइनल में भारत की मिश्रित युगल उम्मीदें खत्म हो गईं। तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला को 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता चीन के जियांग जेनबैंग और वेई याक्सिन के खिलाफ 22-24, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। उनके बाहर होने के साथ ही, श्रीकांत बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रह गए हैं।

मेराज अहमद खान और गनेमत सेखों ने दूसरे शॉटगन राष्ट्रीय ट्रायल्स में शीर्ष स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपियन मेराज अहमद खान और गनेमत सेखों ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित दूसरे शॉटगन नेशनल ट्रायल्स की स्कीट स्पर्धा के फाइनल में शीर्ष स्थान हासिल किया। मेराज ने फाइनल में 55 का स्कोर करते हुए पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके अनंतजीत सिंह नरूका को एक अंक से हराया, जिन्होंने 54 अंक बनाए। गनेमत ने भी एक अंक के अंतर से जीत दर्ज की, उन्होंने 53 का स्कोर किया जबकि महेश्वरी चौहान ने 52 अंक प्राप्त किए। पुरुष और महिला वर्ग में अंगद वीर सिंह बाजवा और परिनाज ढालीवाल ने क्रमशः तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन के अंतिम दो राउंड में भवतेग सिंह गिल ने 22 और 24 का स्कोर किया, जिससे उनका कुल स्कोर 73 से बढ़कर पहले स्थान के लिए पर्याप्त रहा। मेराज ने कुल 118 का स्कोर किया, जबकि स्मित सिंह (117), अंगद (116), और अनंतजीत (115) ने टॉप छह क्वालिफायर में जगह बनाई।

महिला वर्ग में गनेमत ने क्वालिफिकेशन राउंड में 114 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। महेश्वरी और परिनाज ने 113-113 अंक प्राप्त किए। ओश्मी श्रीवास (108), दर्शना राठौड़ और मानसी रघुवंशी ने टॉप छह में जगह बनाई। जूनियर वर्ग के लिए अलग चयन ट्रायल आयोजित नहीं किया गया था।

आर्थिक तंगी से हैं परेशान तो घर के दरवाजे पर लटकाएं ये खास चीज

खिंचा चला आएगा धन

वास्तु शास्त्र में रुपए-पैसों से जुड़ी दिक्कत दूर करने के लिए अचूक उपाय है. इनमें से एक है घोड़े की नाल का उपाय. आर्थिक तंगी दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल बहुत कारगर होता है. घर में सुख-समृद्धि लाने के लिए वास्तु शास्त्र के नियम बहुत कारगर माने जाते हैं. वास्तु शास्त्र सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा पर आधारित है. सकारात्मक ऊर्जा घर में सुख-समृद्धि लाती है. कई बार लाख कोशिशों के बावजूद घर में आर्थिक तंगी बनी रहती है और सिर पर कर्ज का बोझ बढ़ने लगता है. वास्तु शास्त्र में रुपए-पैसों से जुड़ी दिक्कत दूर करने के लिए कई खास उपाय बताए गए हैं. इसमें घोड़े की नाल का प्रयोग बहुत लाभकारी माना गया. आइए जानते हैं कि आर्थिक तंगी दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है.

मुख्य द्वार पर घोड़े की नाल टांगने के फायदे

वास्तु के हिसाब से घोड़े की नाल हर समस्या से मुक्ति दिलाती है. खास कर काले घोड़े की नाल घर को नकारात्मक शक्तियों से बचाकर रखती है. कुछ लोग इसकी अंगूठी बनवाकर पहनते हैं तो कुछ लोग इसे अपने घरों के दरवाजे पर टांगते हैं. अगर घर में हमेशा पैसों की तंगी बनी रहती है और बरकत नहीं होती है तो काले घोड़े की नाल को घर के दरवाजे टांगना बहुत कारगर उपाय माना जाता है. घर में पैसे नहीं टिकते हैं तो काले घोड़े की नाल को काले रंग के कपड़े में लपेटकर घर की तिजोरी के पास रखना चाहिए. दुकान के बाहर काले घोड़े की नाल को टांगने से व्यापार बढ़ता है.

शनि के प्रकोप से बचाती है घोड़े की नाल

शनिदेव को काला रंग और लोहा प्रिय होता है. घोड़े की नाल काले रंग की और लोहे की होती है इसलिए ये शनि के बुरे प्रकोप से भी बचाती है. वास्तु के मुताबिक जिस जगह पर घोड़े की नाल होती है वहां किसी की नजर नहीं लगती है. यह लोगों को दुश्मनों से बचाती है. जिन लोगों पर शनि की साढ़े साती या ढैया चल रही हो उन्हें काले घोड़े की घिसी हुई नाल की अंगूठी पहनने की सलाह दी जाती है. इससे शनि के बुरे परिणाम खत्म होने लगते हैं.घोड़े की नाल से बना छल्ला या अंगूठी पहनने से नौकरी में चल रही परेशानी भी दूर होती है.

आर्थिक तंगी से हैं परेशान तो घर में लाएं ये 6 चीजें, नहीं होगी धन की कमी

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व माना जाता है. वास्तु शास्त्र में घर की दिशा सही करने के लिए कुछ खास चीजें भी उपयोगी मानी जाती है. इनसे आर्थिक मजबूती आती है. हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व माना जाता है. वास्तु शास्त्र सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा पर आधारित है. सकारात्मक ऊर्जा घर में सुख-समृद्धि लाती है जबकि नकारात्मक ऊर्जा जीवन में कई तरह की परेशानियां लेकर आता है. वास्तु शास्त्र में दिशाओं का भी खास महत्व माना गया है. वास्तु में बेडरूम, किचन, बाथरूम, घर की सीढ़ियों और खिड़कियों की एक निश्चित दिशा बताई गई है. कोई भी चीज गलत दिशा में बनने पर इसके नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं. घर की दिशा सही करने के लिए कुछ खास चीजें भी उपयोगी मानी जाती है. अगर आप किसी तरह की आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं तो ये चीजें घर में सकारात्मक ऊर्जा लाएंगी और आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी.

घर में रखें पिरामिड

वास्तु शास्त्र में पिरामिड का खास महत्व होता है. माना जाता है कि घर की जिस दिशा में वास्तुदोष हो वहां पिरामिड रखने से सुधार आता है. चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड आर्थिक तंगी दूर करने में मदद करता है. इसे ऐसी जगह रखें जहां घर के सभी सदस्य एक साथ बैठते हों.

हनुमान जी की मूर्ति

घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने और आर्थिक स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या फोटो लगाएं. इसे घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थापित करें और हर दिन इसकी पूजा करें.

लक्ष्मी-कुबेर की तस्वीर

अपने पूजा स्थल पर मां लक्ष्मी के पद्म चिह्न और भगवान कुबेर की तस्वीर रखें. मां लक्ष्मी धन की देवी हैं और भगवान कुबेर भी धन-समृद्धि के देवता हैं. वास्तु शास्त्र में घर के प्रवेश द्वार पर ही लक्ष्मी-कुबेर की तस्वीर होनी चाहिए. इसके अलावा वास्तु देवता की मूर्ति घर में रखने से पैसे के कमी भी दूर हो जाती है.

पानी से भरी सुराही रखना

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पानी से भरी सुराही जरूर रखनी चाहिए. इस घर को उत्तर दिशा में रखना चाहिए. आप सुराही की जगह छोटा घड़ा भी रख सकते हैं. इस घड़े में पानी जरूर भरकर रखें. वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कछुआ रखने से भी आपकी किस्मत चमक सकती है.

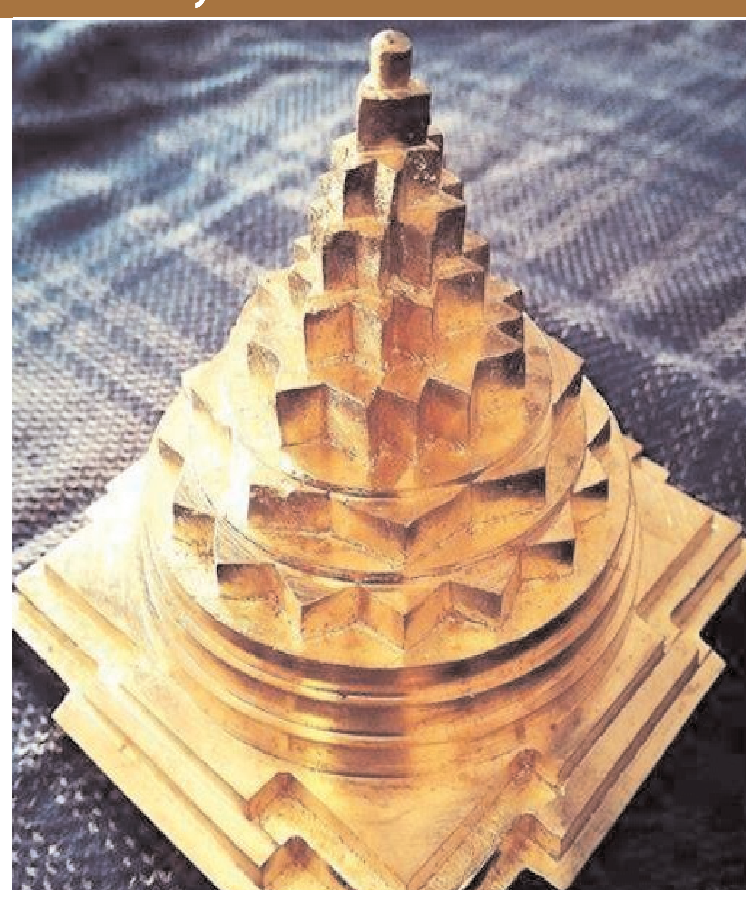

ये 4 खराब आदतें व्यक्ति को बना देती हैं कंगाल, तरक्की में आती है रुकावट

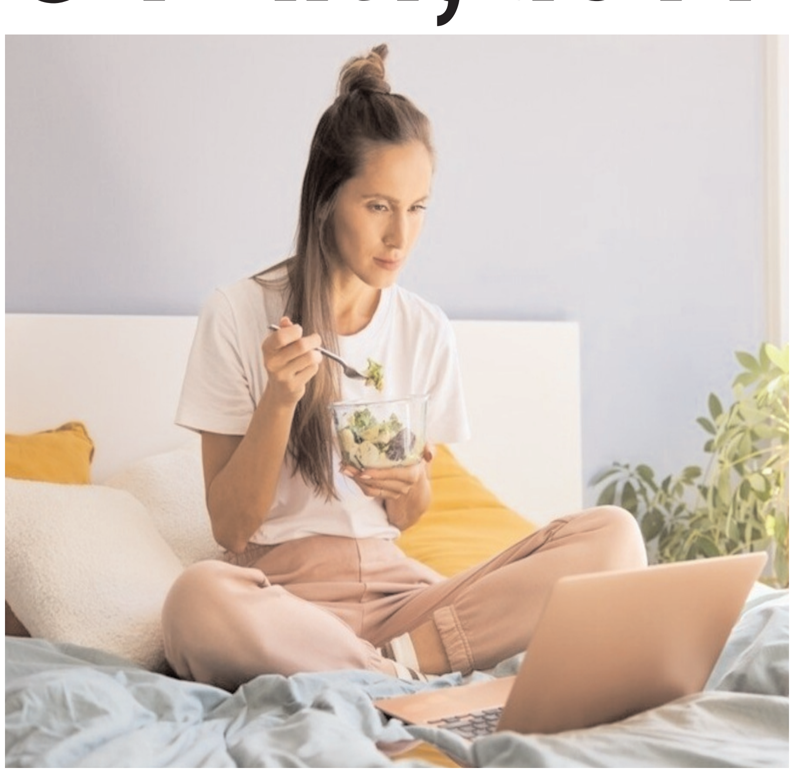

वास्तु के मुताबिक व्यक्ति की कुछ आदतें ही उसकी तरक्की में बाधा उत्पन्न करती हैं. इन आदतों की वजह से घर में हमेशा आर्थिक तंगी बनी रहती है. इनसे तुरंत दूरी बना लेनी चाहिए.घर में सुख-समृद्धि लाने के लिए वास्तु शास्त्र के नियम बहुत कारगर माने जाते हैं. वास्तु शास्त्र सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा पर आधारित है. सकारात्मक ऊर्जा घर में सुख-समृद्धि लाती है जबकि नकारात्मक ऊर्जा जीवन में कई तरह की परेशानियां लेकर आता है. कई बार सब सही तरीके से करने के बाद भी व्यक्ति को बार-बार अफलताओं का सामना करना पड़ता है. वास्तु के मुताबिक व्यक्ति की कुछ आदतें ही उसकी तरक्की में बाधा उत्पन्न करती हैं. इन आदतों की वजह से घर में हमेशा आर्थिक तंगी बनी रहती है. वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसी आदतों से व्यक्ति को तुरंत दूरी बना लेनी चाहिए.

कंगाल बनाती हैं ये आदतें

कई लोग बिस्तर पर बैठकर भोजन करते हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, बिस्तर पर बैठकर खाना खाने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं इसके साथ ही घर की सुख-शांति भंग हो जाती है. बिस्तर पर बैठकर खाने से घर के सदस्यों पर कर्ज भी बढ़ जाता है.

रात में खाना खाने के बाद कई लोग किचन को ऐसे ही गंदा और सिंक में भी जूठे बर्तन छोड़ कर सो जाते हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, रात में जूठे बर्तन छोड़कर सोने से मां अन्नपूर्णा नाराज हो जाती हैं. व्यक्ति को पैसों की तंगी के साथ मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है.

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर के मुख्य द्वार पर कभी भी कूड़ेदान नहीं रखना चाहिए. माना जाता है कि मुख्य द्वार से देवी-देवता घर के अंदर प्रवेश करते हैं जिससे घर सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश आती है. ऐसे में मुख्य द्वार पर डस्टबिन रखने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं.

दान-दक्षिणा करने से पुण्य मिलता है लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्यास्त के बाद किसी को भी दूध, दही, प्याज, नमक जैसी चीजों का दान नहीं करना चाहिए. माना जाता है कि शाम के समय इन चीजों के दान से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और घर में दरिद्रता आती है.

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए मान व प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा। किसी कानूनी मामले में आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से मिलकर आपकी कुछ समस्याएं आसानी से हल होंगी। आप जीवनसाथी को लेकर कहीं शॉपिंग कर जा सकते हैं। आपको बिजनेस में धन संबंधित योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके सहयोगी कामों में पूरा साथ देंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपनी समस्याओं को समय रहते निपटाने की आवश्यकता है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने के कारण समस्या हो सकती है। नौकरी में कुछ उतार चढ़ाव रहने के कारण समस्या आएंगी। आपका डुबा हुआ धन मिलने से खुशी होगी। भाई व बहनों से रिश्तो में चल रही अनबन दूर होगी और मधुरता बनी रहेगी। आपके सभी कार्य समय से पूरे होंगे, जिससे आपको खुशी होगी।

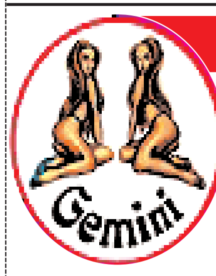

मिथुन आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आप अपने भविष्य को लेकर कोई योजना बना सकते हैं। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का पूरा सम्मान करना होगा, उनसे किसी बात को लेकर बेवजह न उलझे। आपको अपनी जरूरत की आवश्यकताओं पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। कारोबार में आप भविष्य को लेकर कोई बड़ा प्लान कर सकते हैं। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा, तभी उन्हें सफलता मिल सकती है।

कर्क आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके मित्र आपके लिए कोई इंवेस्टमेंट संबंधी प्लान लेकर आ सकते हैं। आपको किसी बात को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। आपको अत्यधिक तले भुने भोजन से परहेज रखने की आवश्यकता है, नहीं तो आपके पेट संबंधित समस्याएं बढ़ेंगी। कोई नया काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए किसी सामाजिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आप अपने घर की साफ सफाई व रखरखाव पर पूरा ध्यान देंगे। आपको कुछ कर्ज लेने से बचना होगा, नहीं तो उसे उतारने में समस्या आएगी। प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। उच्च अधिकारियों से मिलकर आपके संबंध बेहतर रहेंगे। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा।

कन्या आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर कोई मुश्किल आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आगे आना होगा। धार्मिक आयोजन में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपको अपने खर्चों पर पूरा ध्यान देना होगा। बिजनेस में आप किसी को पार्टनर ना बनाए, नहीं तो आपको कामों को पूरा करने में समस्या आएगी।

तुला आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपका कोई कानूनी मामला यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसमें आपको जीत मिलेगी। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई को लेकर कोई लापरवाही ना दिखाए, नहीं तो आगे चलकर उन्हें अपने करियर में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। आपको अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए योग्य मेडिटेशन का सहारा लेना होगा, तभी आप स्वस्थ रह सकेंगे। मार्केटिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपने कामों पर पूरा ध्यान दें।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने किसी लक्ष्य को आसानी से पूरा करने में मदद मिलेगी। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह पूरा हो सकता है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, तभी उन्हें किसी परीक्षा में जीत मिलेगी। आपको किसी पुरस्कार के मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है।

धनु आज आपको अपनी दिनचर्या पर पूरा ध्यान देना होगा। आप कुछ सामाजिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। आपके मन में किसी बात को लेकर टेंशन बनी रहेगी। आपका आत्मविश्वास बेहतर रहेगा। आपकी अपने किसी नजदीकी से कहा सुनी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ तालमेल बनकर चलने की आवश्यकता है, तभी आपके काम आसानी से पूरे होंगे। आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आएगा।

मकर आज का दिन आपके लिए सुझ बुझ दिखाकर कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको धैर्य व साहस से काम लेने की आवश्यकता है। यदि आपने जल्दबाजी दिखाई, तो उनमें कोई गड़बड़ी अवश्य होगी। यदि आपको किसी बात को लेकर संशय बना हुआ है, तो आप उसे काम को बिल्कुल न करें, नहीं तो उसके पूरा होने में समस्या हो सकती है। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

कुंभ आज का दिन आपके लिए किसी निर्णय को सोच समझ कर लेने के लिए रहेगा। आपको कुछ अनुभवी व्यक्तियों का पूरा साथ मिलेगा। व्यवसाय में आप किसी नई डील को फाइनल करने के लिए सोच विचार कर सकते हैं। वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके खूब काम आएगी, जो आपका पारिवारिक बिजनेस को आगे ले जाने में आपकी मदद करेगे। आपको महिला मित्रों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

मीन आज का दिन आपके लिए किसी लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप किसी की मदद के लिए भी आगे आएंगे, जिनके लिए कुछ रुपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आप किसी काम को लेकर अपने मन में नकारात्मक विचार न रखें, नहीं तो उसके पूरा होने में समस्याएं खड़ी हो सकती हैं, क्योंकि आपको लापरवाही में कोई बड़ा प्रोजेक्ट आपके हाथ से निकल सकता है, जो आपकी समस्याओं को बढ़ाएगा।

हरियाणा की नौकरियों पर संकट, हाईकोर्ट ने सामाजिक-आर्थिक आधार पर दिए गए अंकों को बताया गैरकानूनी

दोबारा बनेगा रिजल्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सरकारी नौकरियों में सामाजिक-आर्थिक आधार पर दिए गए अंकों संबंधी फैसला एक दिन पहले रद्द कर दिया था। इससे उन लोगों की चिंता बढ़ गई थी, जिन्हें हरियाणा सरकार के इस फैसले के आधार पर सरकारी नौकरियां मिली हैं। हाईकोर्ट के इस फैसले से सबसे अधिक पुलिस विभाग की भर्तियों पर असर पड़ने की संभावना है। पुलिस विभाग में एसआई, महिला एसआई तथा सिपाही के पदों पर सामाजिक-आर्थिक आधार के अंकों के आधार पर सबसे ज्यादा नियुक्तियां हुई हैं।

इस बीच आज पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 2019 के बाद की उन सभी भर्तियों का नए सिरे से परिणाम जारी करने का आदेश दिया है, जिनमें सामाजिक व आर्थिक आधार पर अंकों का लाभ दिया गया था। इन अंकों का लाभ दिए बगैर जारी परिणाम के अनुसार जो लोग मेधावी होंगे।

उन्हें नियुक्ति दी जाएगी और भर्ती में चयनित होने वालों के चयन की तिथि से वरिष्ठता व अन्य लाभ दिए जाएंगे। जो लोग नए परिणाम के कारण भर्ती से बाहर होंगे, उनके लिए सरकार पद ढूंढेगी और यदि पद उपलब्ध नहीं होगा तो भविष्य में रिक्त पद होने तक उन्हें कच्चे कर्मचारी के तौर पर रखा जाएगा। जब नियमित पद उपलब्ध होंगे तो इन्हें नियुक्ति दी जाएगी और उनकी वरिष्ठता व अन्य लाभ नियुक्ति की तिथि से होंगे। हाईकोर्ट के इस आदेश से 10 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित होंगे।

सरकार ने प्रावधान ही गलत तरीके से किया

हाईकोर्ट ने कहा कि पहले ही तय किया गया था कि नियुक्तियां इस याचिका पर आने वाले फैसले पर निर्भर करेंगी। हम नहीं चाहते भर्ती से बाहर होने वाले लोग अपनी नौकरी खो दें, क्योंकि इसमें उनका कोई कसूर नहीं था। कोर्ट ने इसलिए भर्ती से बाहर होने वालों को निकालने का आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में कहा कि सरकार ने सामाजिक व आर्थिक आधार पर अंकों का प्रावधान गलत तरीके से किया है। कोर्ट ने कहा कि जब पहले ही आर्थिक पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया गया है तो इस अतिरिक्त आरक्षण की क्या जरूरत थी? कोर्ट ने कहा कि यह भी एक तरह से आरक्षण है और इस प्रावधान से आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा पार कर रहा है, जिसकी अनुमति नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने लापरवाही से चयन प्रक्रिया को पूरा किया है।

कर्मचारी चयन आयोग अध्यक्ष बोले-संयम रखें, कानूनी विकल्प उपलब्ध

उधर, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने शुक्रवार को प्रदेश के युवाओं के नाम जारी संदेश में कहा कि हाईकोर्ट के विस्तृत फैसले का सभी इंतजार कर रहे हैं। हाईकोर्ट द्वारा आर्डर अपलोड करने के बाद कर्मचारी चयन आयोग की टीम उस पर गहनता से विचार करेगी। कर्मचारी चयन आयोग के पास इस फैसले को लेकर बहुत से कानूनी विकल्प उपलब्ध हैं।

मैंने और मेरे भाई ने नेशनल हेराल्ड को 25-25 लाख रुपये दान दिए, इसमें क्या गलत : डीके शिवकुमार :

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नेशनल हेराल्ड को लेकर शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैंने और मेरे भाई डीके सुरेश ने कांग्रेस की ओर से ऑपरेटेड समाचार पत्र नेशनल हेराल्ड को दान दिया है। यह बयान प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट में उनके नाम आने की खबरों के बीच आया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने डिप्टी का समर्थन करते हुए कहा कि दान देने में कुछ भी गलत नहीं है। विजयपुरा जिले के कोल्हार गांव में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, मैंने और डीके सुरेश ने नेशनल हेराल्ड को 25-25 लाख रुपये का दान दिया है। इसमें क्या गलत है? हमने अपनी पार्टी की ओर से संचालित न्यूजपेपर को दान दिया है। डिप्टी सीएम से कहा गया कि क्या 2.5 करोड़ रुपये दान दिए गए? इसके जवाब में उन्होंने कहा, हां, हमने ट्रस्ट को यह राशि दी है। हम इससे इनकार नहीं कर रहे। क्या हमने इसे चोरी-छिपे दिया? नहीं, हमने अपनी आय से खुलकर दान दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह भविष्य में भी दान देना जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी की चार्जशीट में उनका नाम शामिल करने के पीछे राजनीति है। शिवकुमार के भाई सुरेश का भई इस मामले को लेकर बयान आया है। बेंगलुरु में उन्होंने कहा, हमने ट्रस्ट को लगभग 2 से 2.5 करोड़ रुपये का दान दिया है। शिवकुमार के भाई सुरेश ने कहा कि हमने ईडी अधिकारियों की ओर से पूछे गए सभी सवालों के जवाब दिए हैं। हम यह नहीं कह रहे कि हमने दान नहीं दिया। हमें यह जानकारी नहीं है कि दान देना गलत था। उन्होंने आरोप लगाया कि चार्जशीट कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने के लिए दाखिल की गई है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के समर्थन में नारे लिखने का आरोपी छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में कथित तौर पर मशीन पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' लिखने के आरोप में एक निजी कंपनी के 22 वर्षीय प्रशिक्षु कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना 19 मई को प्रकाश में आई। उन्होंने बताया कि कंपनी महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) चिकलथाना में स्थित है। उन्होंने बताया, ''नरेगांव निवासी आरोपी ने भगवा रंग से पाकिस्तान जिंदाबाद लिखा था। उसे देशद्रोह और अन्य अपराधों से संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के अनुसार आरोपी ने पुलिस को बताया है कि उसने मजाक में ऐसा किया था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विस्तृत जांच जारी है।

साइबर धोखाधड़ी में 3 गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग मोटे रिटर्न का वादा कर स्टॉक ट्रेडिंग योजनाओं में निवेश करने के बहाने लोगों से ठगी करते थे। आरोपियों में से एक दुबई स्थित साइबर जालसाजों के संपर्क में था।

गुरुग्राम पुलिस के अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान गुजरात के राजकोट जिले के रिम्पल दुधागरा, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के निवासी अखलाक अहमद और उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के शहाबुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि दुधागरा को पंजाब के जालंधर से गिरफ्तार किया गया, जबकि अहमद और अंसारी को गुरुवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अहमद लोगों को उनके बैंक खाते का विवरण प्राप्त करने के लिए नकद रुपए देने का लालच देता था और इन खातों में आने वाले रुपए में से अंसारी को दो प्रतिशत कमीशन देता था। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर) प्रियांशु दीवान ने बताया कि अंसारी टेलीग्राम ग्रुप के जरिए साइबर जालसाजों के संपर्क में आया था। उसने अहमद से बैंक खाते खरीदकर उन्हें दुबई में किसी आदमी को तीन प्रतिशत कमीशन पर बेच देता था। उन्होंने बताया कि अंसारी कई बार दुबई भी जा चुका है। आरोपियों से आगे की पूछताछ की जा रही हैाे है।

खुल गया शाहबेरी रोड, ग्रेटर नोएडा वेस्ट टू गाजियाबाद का आना-जाना हुआ आसान

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा से गाजियाबाद तक सफर करने वालों के लिए बड़ी राहतभरी खबर है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में शाहबेरी रोड को चौड़ा करने का काम अब पूरा हो गया है। लोगों ने शुक्रवार से इस पर आवाजाही भी शुरू कर दी है। इस सड़क के अब दो लेन होने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इटेड़ा गोलचक्कर से क्रॉसिंग रिपब्लिक गाजियाबाद की ओर आना-जाना पहले से अधिक सुगम हो गया है।

सड़क के दोनों तरफ जल निकासी के लिए आरसीसी ड्रेन का निर्माण भी किया गया है। इससे बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या दूर हो जाएगी। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी इस सड़क को चौड़ा करने का काम बीते 25 मार्च को शुरू किया गया था। इन दोनों कार्यों पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा लगभग चार करोड़ रुपये खर्च किए गए। ट्रैफिक विभाग के मुताबिक शाहबेरी रोड से रोजाना औसतन दो लाख वाहन गुजरते हैं।

प्राधिकरण के प्रबंधक नितीश कुमार ने बताया कि सड़क की चौड़ाई अब 4.5 मीटर से अधिक हो गई है, जो पहले तीन मीटर के लगभग थी। सड़क को चालू कर दिया गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इटेड़ा गोलचक्कर से क्रॉसिंग रिपब्लिक गाजियाबाद की ओर आने-जाने वालों का रास्ता सुगम हो गया है। दरअसल क्रॉसिंग रिपब्लिक बनने के बाद शाहबेरी रोड पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती थी। इधर से होकर जाने वाले लोग सुबह शाम जाम में फंसे रहते थे। वहीं, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बसावट बढ़ने पर यह समस्या और अधिक बढ़ गई। ऐसे में सड़क को चौड़ा कराया गया। अब इस रोड के चालू होने से चार मूर्ति चौक पर भी वाहनों का दबाव कम होगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दुकानदारों से सड़क पर किसी तरह का अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। प्रेरणा सिंह, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, शाहबेरी मार्ग को चौड़ा करने का काम पूरा हो गया है।

आमजन के लिए खोल दिया गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट और गाजियाबाद के बीच आवाजाही करने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी।

अयोध्या में बनेगा लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का स्मारक

अयोध्या, एजेंसी। भारतीय सेना के जवानों की बहादुरी का लोहा पूरी दुनिया मानती है। सिक्किम में तैनात अयोध्या के लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने साथी की जान बचाने के लिए खुद के जीवन की परवाह नहीं की। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने साथी को बचाने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। दरअसल उनका एक साथी अचानक नदी में गिर गया। नदी में बहाव बहुत तेज था। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने देखते ही नदी में छलांग लगा दी। नदी की तेज धार में वह तैर नहीं पाए और उनकी जान चली गई।

शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अयोध्या में उनका स्मारक बनाया जाएगा। इसके अलावा राज्य सरकार की तरफ से उनके परिवार को 50 लाख रुपये की मदद दी जाएगी। बता दें कि 22 साल के लेफ्टिनेंट तिवारी छह महीने पहले दिसंबर में ही कमीशन हुए थे। उनकी पहली तैनाती सिक्किम स्काउट्स में हुई थी। शुक्रवार देर रात उनका पार्थिव शरीर अयोध्या पहुंचा। शनिवार को जामतारा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। लेफ्टिनेंट तिवारी अपने मां-बाप के इकलौते बेटे थे। आर्मी की तरफ से कहा गया कि बहुत कम उम्र और सेवा के कम दिनों में ही लेफ्टिनेंट तिवारी ने जो बहादुरी दिखाई है वह सलाम करने लायक है। वह युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने सहयोग की भावना और बहादुरी की मिसाल पेश की है। अयोध्या सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा ने कहा कि लेफ्टिनेंट तिवारी के पिता जंग बहादुर तिवारी मर्चेंट नेवी में हैं और इस समय अमेरिक में थे। शनिवार सुबह तक उनके अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। लेफ्टिनेंट तिवारी का पार्थिव शरीर बागडोगरा एयरपोर्ट से सीधा अयोध्या लाया गया था।

कुत्ते के काटने से मौत पर 3.10 लाख जुर्माना, मृतक की पत्नी ने इंसाफ के लिए लड़ी लंबी लड़ाई

शामली, एजेंसी। यूपी के शामली में आवारा कुत्ते के काटने से व्यक्ति की मौत के मामले में जिला उपभोक्ता फोरम ने कांधला नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही मानते हुए ईओ पर 3.10 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। इसमें दो लाख रुपये मानसिक क्षति और दस हजार रुपये वाद खर्च के लिए वादी मृतक की पत्नी को दिए जाने और एक लाख रुपये राजकीय कोष में जमा करने के आदेश दिए है। मृतक की पत्नी ने पति की मौत के बाद इंसाफ के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। उन्होंने इस मामले में चार लोगों को पार्टी बनाया था। जिसमें फोरम ने तीन पर वाद निरस्त कर नगर पालिका को जिम्मेदार ठहराया है।

कांधला कस्बे की जाट कॉलोनी निवासी राजबीरी पत्नी स्व. प्रमोद कुमार ने साल 2018 में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में सीएमओ शामली, सीएचसी प्रभारी कांधला, ईओ नगर पालिका कांधला और जिलाधिकारी शामली के खिलाफ एक वाद दायर किया था। इसमें राजबीरी ने बताया था कि उसके पति प्रमोद कुमार को 27 जनवरी 2016 को कांधला कस्बे में बड़ी नहर पुल के पास एक पागल कुत्ते ने काट लिया था। उनको सरकारी अस्पताल कांधला में में नियमानुसार एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाए गए।

डाक्टर की लापरवाही के चलते दी गई गलत दवाइयों और इंजेक्शन के कारण उसके पति की हालत बिगड़ गई। इसके बाद प्रमोद को एमवीआइडी अस्पताल दिल्ली में भर्ती कराया गया। 19 फरवरी 2016 को उनकी मौत हो गई। जहां डाक्टरों ने रैबीज के कारण मौत होना बताया। बताया कि नगर पालिका को वह सभी टैक्स देते हैं। आवारा कुत्तों अथवा बंदरों आदि हिसंक पशुओं पर नियंत्रण करने की जिम्मेदारी नगर पालिका की है, लेकिन ईओ की लापरवाही के कारण आवारा कुत्तों के काटने से उसके पति की मौत हो गई। राजबीरी ने जिला उपज़ेक्ता आयोग से 19 लाख 95 हजार रुपये क्षति व मानसिक क्षति व वाद व्यय के रूप में दिलाने की याचना की थी। इस पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष हेमंत कुमार गुप्ता, सदस्य अज़िनव अग्रवाल व अमरजीत कौर ने इस पूरे प्रकरण में सीएमओ, सीएचसी प्रभारी कांधला और जिलाधिकारी के विरुद्ध निरस्त किया है।

इसके लिए नगर पालिका परिषद कांधला के विरुद्ध वाद स्वीकार किया है। इसके लिए ईओ की जिम्मेदारी तय करते हुए ईओ को दो लाख रुपये का अर्थदंड और दस हजार रुपये वाद खर्च के लिए वादी मृतक की पत्नी को देने साथ ही सेवा में कमी और घोरलापरवाही के लिए एक लाख रुपये का अर्थदंड 45 दिनों के अंदर राजकीय कोष में जमा कराने के आदेश दिए हैं।

कुत्तों ने बच्ची को कई मीटर घसीटा, सिर में 20 टांके

वहीं शामली के जलालाबाद कस्बे में आवारा कुत्तों ने तीन साल की बच्ची पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते बच्ची के बाल जबड़े से पकड़ उसे घसीटकर कई मीटर दूर ले गए। बच्ची के सिर को दांतों से बुरी तरह से नोच दिया। गंभीर हालत में बच्ची को थानाभवन सीएचसी में ले जाया गया जहां उसके सिर में 20 टांके लगाए गए। डॉक्टरों ने बच्ची को दिल्ली रेफर कर दिया है। कस्बे के लोगों ने नगर पंचायत एवं प्रशासन से आवारा कुत्तों से निजात दिलाने की मांग की है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर संकट, रूस ने बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइल से किया हमला

कीव , एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार तड़के बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइल से हमला किया गया। इससे पूरे शहर में विस्फोटों और मशीन गन की आवाजें सुनी गईं। जिसके कारण कीव के कई लोगों को भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में शरण लेनी पड़ी।

अब तक की जानकारी के अनुसार रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों की अदला-बदली के एक बड़े दौर की शुरुआत के कुछ ही घंटों बाद रात में रूस ने हमला किया। पिछले हफ्ते इस्तांबुल में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई इस बातचीत के पहले चरण में सैकड़ों सैनिकों और नागरिकों की अदला-बदली की गई। यह समझौता तीन साल पुराने युद्ध में युद्ध विराम तक पहुंचने के असफल प्रयासों के बीच सहयोग जैसा था। कीव सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा कि शनिवार तड़के यूक्रेनी राजधानी के कम से कम चार शहरी जिलों में रोकी गई मिसाइलों और ड्रोनों का मलबा गिरा। तकाचेंको के अनुसार, हमले के बाद छह लोगों को चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता पड़ी, कीव के सोलोमियान्स्की जिले में दो जगहों पर आग लग गई।

हमले से पहले, शहर के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कीव निवासियों को चेतावनी दी थी कि 20 से अधिक रूसी हमलावर ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान ड्रोन का मलबा कीव के ओबोलोन जिले में एक शॉपिंग मॉल और एक रिहायशी इमारत पर गिरा। क्लिट्स्को ने बताया कि आपातकालीन सेवाएँ घटनास्थल पर पहुँच गई हैं। शुक्रवार को हुई कैदियों की अदला-बदली एक जटिल अदला-बदली का पहला चरण था। इस दौरान दोनों पक्षों के 1,000 कैदियों की अदला-बदली की गई।

अब अमेरिका छोड़ हांग कोंग जाएंगे विदेशी छात्र ! ट्रंप को मिलने वाला है डबल झटका

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार द्वारा कॉलेजों पर की जा रही कार्रवाई के बीच, हांगकांग के एक विश्वविद्यालय ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए बिना शर्त प्रस्ताव देने का वादा किया है।न्यूज़वीक के अनुसार, हांगकांग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कहा कि यह अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए नामांकन करने में असमर्थ छात्रों की यह प्रस्ताव मदद करेगी। ।यस्ज्ञ ने कहा कि विश्वविद्यालय शीघ्र प्रवेश, क्रेडिट स्थानांतरण को प्राथमिकता देगा और छात्रों को वीजा सहायता और आवास सहित सहायता प्रदान करेगा। न्यूजवीक के अनुसार, एचकेयूएसटी के प्रोवोस्ट गुओ यिक ने कहा, विविधता रचनात्मकता और प्रगति को बढ़ावा देती है। हम हार्वर्ड के छात्रों का हमारी यूनिवर्सिटी में स्वागत करने के लिए तैयार हैं और उन्हें अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन और वातावरण प्रदान करने के लिए तैयार हैं।एचकेयूएसटी की यह पेशकश चीनी सरकार द्वारा हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के नामांकन और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार की आलोचना के बाद आई है। आउटलेट ने बताया कि वर्तमान में एक हजार से अधिक चीनी छात्र आइवी लीग स्कूल में पढ़ते हैं। घोषणा करते हुए अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि हार्वर्ड ने अमेरिका विरोधी, आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों को अपने परिसर में यहूदी छात्रों को परेशान करने और उन पर हमला करने की अनुमति देकर एक असुरक्षित परिसर का माहौल बनाया है।

साथ ही अमेरिकी प्रशासन ने हार्वर्ड पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समन्वय करने का आरोप लगाया है और कहा कि उसने पिछले साल ही एक चीनी अर्धसैनिक समूह के सदस्यों की मेजबानी और प्रशिक्षण किया था। हार्वर्ड के प्रवक्ता ने क्या कहा? दूसरी ओर, हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों पर प्रतिबंध लगाने के अमेरिकी सरकार के कदम को गैरकानूनी बताया। हार्वर्ड के प्रवक्ता जेसन न्यूटन ने एक बयान में कहा, हम 140 से अधिक देशों से आने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों और विद्वानों की मेजबानी करने की हार्वर्ड की क्षमता को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

जान बचाकर भागो..., ऑपरेशन सिंदूर के खौफ से चौकी से भाग निकला था पाकिस्तानी कमांडर; रेडियो बातचीत हुई लीके

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के सटीक हमलों ने न केवल नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया,बल्कि पाकिस्तानी सेना के भीतर व्यापक दहशत भी पैदा कर दी। संचार की जांच में पता चला कि पाकिस्तान रे वरिष्ठ अधिकारी ऑपरेशन के बीच में अपनी चौकियों को छोड़कर भाग गए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सेना के सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मुजफ्फराबाद के पास तैनात पाकिस्तान की 75वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के एक कमांडर ने आक्रामक हमले के दौरान चौकी पर लौटने से इनकार कर दिया था। जब जूनियर अधिकारियों ने चौकी को फिर से खोलने के बारे में उनसे संपर्क किया तो उन्होंने डरावने ढंग से जवाब दिया कि कार्यालय बाद में खुलेगा, पहले अपनी जान बचाओ।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच
व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

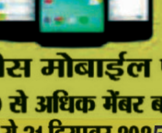

बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2025से 31 दिसम्बर 2025तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा